फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 76 संख्याः 142 प्रभात जयपुर, बुधवार 24 दिसम्बर, 2025 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Rashtradoot

Metro

O' Sagat! Bangladesh Is Burning!

The war memorial is almost ready and all the names of the 1600 Indian soldiers, who laid their lives, would be inscribed in the war memorial

Not All Onions Are Equal

We Are Old Really Old

Moroccan Fossil Finds Rewrite the Story of Human Origins

पूरे पुराने बंगाल प्रांत में हिंसा का इतना भयानक दौर पहले नहीं आया

और विवाद का विषय यह है कि, दुर्भाग्यवश इस हिंसा का लक्ष्य है आम हिन्दू

- पश्चिम बंगाल में, सैक्युलरिज़्म के नारे की आड़ में ममता बनर्जी बड़ा नर्मी वाला रुख रख रही हैं, मुस्लिम हिंसा व अपराध के प्रति।
- पर फिर, इस बार ममता बनर्जी की मुस्लिम मतदाता पर पकड़ ढीली होती दिख रही है, क्योंकि, उनके पुराने वफादार हुमायूं कबीर ने, ममता बनर्जी का साथ छोड़कर अपनी पार्टी खड़ी कर दी है, और अगले चुनाव में अपने उम्मीदवार खड़ा करेंगे, और मुस्लिम वोटों पर काबिज होने की प्रतिस्पर्धा में, खुली छूट मिल रही है हिन्दुओं के प्रति आक्रामकता को। वामपंथी दल भी "सैक्युलरिज़्म" के नाम पर, इस मसले पर ममता बनर्जी को समर्थन दे रहे हैं।

- अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 दिसम्बर। बंगाल इस समय एक ऐसे बड़े संकट से गुजर रहा है, जो आख़िरी नवाब सिराजुद्दौला के कुशासन के दिनों के बाद कभी नहीं देखा गया। पूरे बंगाल, पूर्व और पश्चिम, में मुस्लिम हिंसा बढ़ती जा रही है और हमले हिंदुओं को निशाना बनाकर किए जा रहे हैं।

सबसे गंभीर बात यह है कि पश्चिम बंगाल, जो भारत का अभिन्न हिस्सा है, वहां भी हिंदुओं को लगातार धमकियों और हमलों का सामना करना पड़ रहा है। यह सब ममता बनर्जी के शासन में तथाकथित धर्मनिरपेक्षता के नाम पर हो रहा है, जहां वह सत्ता में बने रहने के लिए खुले तौर पर मुस्लिम वोटों का तुष्टीकरण कर रही हैं।

सबसे घटिया भूमिका कम्युनिस्टों की दिखाई दे रही है, जो धर्मनिरपेक्षता के नाम पर नकली समर्थन दिखाते हुए चुपचाप ममता बनर्जी की मदद कर रहे हैं।

पश्चिम बंगाल में मुस्लिमों द्वारा दिखाई जा रही सांप्रदायिक असहिष्णुता को लेकर गुस्सा उबल रहा है। इसका एक उदाहरण कोलकाता के पास हुआ। एक स्कूल में आयोजित सामाजिक कार्यक्रम के दौरान, बेहद लोकप्रिय बंगाली गायिका लग्नजिता चक्रवर्ती के साथ दर्शकों में बैठे एक मुस्लिम व्यक्ति ने छेड़छाड़ की। वह मंच पर चढ़ गया और जिस भक्ति गीत को लग्नजिता गा रही थीं, उसी को लेकर उन पर हमला कर दिया।

उस व्यक्ति ने मांग की कि वह कुछ "धर्मनिरपेक्ष" गाने गाएं और उन पर झपट पड़ा। इस व्यवहार से आहत और गुस्से में आकर लग्नजिता स्थानीय थाने गईं और शिकायत दर्ज करानी चाही, लेकिन उनकी बात नहीं सुनी गई। इसके बाद वह एसपी सहित वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के पास गईं।

उनके हस्तक्षेप के बाद पुलिस ने एफआईआर दर्ज की और बाद में आरोपी को गिरफ्तार किया, लेकिन तब तक यह मामला एक बड़े विवाद का रूप ले चुका था। यह कोई अकेली घटना नहीं है। राज्य में मुस्लिमों और भीड़ द्वारा हिंसक हमले बढ़ते जा रहे हैं, क्योंकि ममता बनर्जी वोट पाने के लिए मुस्लिमों के प्रति लगातार नरम और तुष्टिकरण वाला रुख अपना रही हैं।

इसी साल की शुरुआत में मुर्शिदाबाद जिले में एक आदमी और उसके बेटे को हिंदू देवी-देवताओं की तस्वीरें बनाने के "अपराध" में उनके घर से घसीटकर बाहर निकाला गया, पिता और बेटे को दिनदहाड़े पीट-पीटकर मार डाला गया और अब तक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दुष्कर्म मामले में आईपीएल क्रिकेटर को अग्रिम जमानत नहीं मिली

जयपुर, 23 दिसंबर। पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत क्रम-3 महानगर प्रथम ने नाबालिग से दुष्कर्म करने से जुड़े मामले में आईपीएल क्रिकेटर यश दयाल की अग्रिम जमानत याचिका को खारिज कर दिया है। पीठासीन अधिकारी अलका बंसल ने कहा कि आरोपी पर नाबालिग से दुष्कर्म का गंभीर आरोप है। ऐसे में उसे अग्रिम जमानत का लाभ नहीं दिया जा सकता।

अग्रिम जमानत अर्जी में कहा गया कि याचिकाकर्ता के खिलाफ एक गैंग काम कर रही है। उसके खिलाफ पहले गाजियाबाद में मामला दर्ज कराया गया, लेकिन इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उस पर

- पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत ने क्रिकेटर की जमानत अर्जी खारिज कर दी।

कार्रवाई करने पर रोक लगा दी। इसके सात दिन बाद ही सांगानेर सदर थाने में उसके खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज कराया गया और इसे गंभीर रूप देने के लिए लड़की ने घटना दो साल पहले की बताई जब वह नाबालिग थी। अग्रिम जमानत अर्जी में कहा गया कि यश दयाल पेशेवर क्रिकेटर है और समाज में उसकी प्रतिष्ठा है। इसके अलावा वह प्रकरण की जांच में सहयोग करने को तैयार है। ऐसे में उसे अग्रिम जमानत का लाभ दिया जाए।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

देश भर में फैल रहा है अरावली आंदोलन

सचिन पायलट ने राजस्थान के 19 जिलों में अरावली बचाओ आंदोलन की घोषणा की

- देश भर के पर्यावरणविद्, एक्टिविस्ट व वकील अरावली को बचाने के लिए सड़कों पर उतरे।
- शिवसेना (यूबीटी) के आदित्य ठाकरे ने भी सोशल मीडिया पोस्ट में अरावली का पर्यावरण के लिए महत्व बताया और एनडीए सरकार पर प्राकृतिक संपदाएं नष्ट करने का आरोप लगाया।
- हालांकि, केन्द्रीय वन एव पर्यावरण मंत्री भूपेन्द्र यादव ने मामला शांत करने की कोशिश की और कहा कि अरावली के कुल 1.44 लाख वर्ग किलोमीटर का 0.19 प्रतिशत हिस्सा ही खनन के लिए लीज़ पर दिया जाएगा। उन्होंने पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार पर अरावली में अवैध खनन को बढ़ावा देने का आरोप लगाया।
- विवाद की शुरुआत सुप्रीम कोर्ट द्वारा अरावली पर सरकार की नई परिभाषा को स्वीकार करने से हुई, जिसके तहत जमीन से 100 मीटर ऊंची पहाड़ी को ही अरावली माना जाएगा। विपक्ष और विशेषज्ञों का आरोप है कि अरावली पर्वत श्रृंखला में 12,000 पहाड़ियां हैं और इनमें से मात्र 8 प्रतिशत ही 100 मीटर से ऊंची हैं।

- श्रीनंद झा -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 23 दिसंबर। अरावली के मसले पर विरोध प्रदर्शन तीव्र होता जा रहा है और राजनीतिक दल भी इस मुद्दे में कूद पडे हैं, और पर्यावरणविद् और पर्यावरण से जुड़े एक्टिविस्ट भी राजस्थान, हरियाणा और दिल्ली में सड़कों पर उतर आए हैं।

राजस्थान में कांग्रेस ने 19 जिलों में "अरावली बचाओ आंदोलन" का ऐलान किया है, और वरिष्ठ नेता सचिन पायलट ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश की आलोचना करते हुए चेतावनी दी कि खनन गतिविधियों में वृद्धि से न केवल राजस्थान और हरियाणा, बल्कि दिल्ली एनसीआर में भी इकोलॉजिकल संकट उत्पन्न हो सकता है।

शिवसेना (उद्धव बाल ठाकरे) के नेता आदित्य ठाकरे ने भी सोशल मीडिया पर कई पोस्ट करते हुए एनडीए सरकार की "प्राकृतिक संसाधनों को नष्ट करने की आदत" की कड़ी आलोचना की है, और अरावली पर्वतों के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि ये पर्वत देश की जलवायु और पर्यावरण के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।

विरोध प्रदर्शनों की शुरुआत हाल ही में सुप्रीम कोर्ट के उस आदेश से हुई है, जिसमें सरकार द्वारा प्रस्तावित अरावली की नई परिभाषा को स्वीकार किया गया। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुसार, केवल वे पहाड़ियां जो स्थानीय भू-भाग से 100 मीटर ऊंची होंगी, उन्हें ही अरावली पहाड़ियां माना जाएगा। ऐसी दो या दो से अधिक पहाड़ियां जो 500 मीटर के भीतर स्थित होंगी, उन्हें बीच की भूमि सहित अरावली रेंज में माना जाएगा।

एक्टिविस्ट, वकीलों और विपक्षी दलों के कार्यकर्ताओं ने सड़क पर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अंकिता भंडारी मर्डर, एक वायरल वीडियो ने मचाई सनसनी

सोशल मीडिया पर वायरल इस वीडियो ने उत्तराखंड के बहुचर्चित अंकिता मर्डर केस में आरोप -प्रत्यारोप का नया दौर शुरु कर दिया है

- उक्त वीडियो में हरिद्वार के पूर्व विधायक अपनी पत्नी, (पूर्व अभिनेत्री) उर्मिला सनावर के साथ तीखी बहस में यह कहते दिख रहे हैं कि ऋषिकेश के एक रिसॉर्ट में हुई 19 साल की अंकिता भंडारी की हत्या में उत्तराखंड के भाजपा महासचिव दुष्यंत गौतम मुख्य आरोपी हैं, उन्होंने अंकिता से दुष्कर्म करने का प्रयास किया था।
- उर्मिला सनावर ने भी सार्वजनिक रुप से दावा किया कि उसके पास इन आरोपों की पुष्टि के लिए सबूत भी हैं।
- कांग्रेस ने मांग की है कि इस मामले में कोर्ट की निगरानी में नए सिरे से सीबीआई जांच करवाई जाए। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि अपराधियों को बचाने के लिए राज्य सरकार ने सीबीआई जांच नहीं करवाई।

- जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 दिसम्बर। उत्तराखंड में अंकिता भंडारी हत्या के मामले ने एक बार फिर राष्ट्रीय स्तर राजनीतिक विवाद को जन्म दिया है, और सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के शीर्ष नेतृत्व को नए सिरे से जांच के घेरे में ला खड़ा किया है। इस वीडियो ने ताजा आरोपों और सीबीआई जांच की मांगों को जन्म दिया है, जिसमें एक कोर्ट की निगरानी में जांच कराने की मांग की जा रही है।

यह वीडियो, जो पिछले कुछ दिनों से व्यापक रूप से प्रसारित हो रहा है, में कथित रूप से हरिद्वार के पूर्व भाजपा विधायक सुरेश चौहान अपनी पत्नी उर्मिलाना सनावर के साथ तीखी बहस करते दिख रहे हैं, जिसमें उन्होंने दावा किया है कि उत्तराखंड के लिए भाजपा के जनरल सेक्रेटरी और वरिष्ठ नेता दुष्यंत गौतम अंकिता भंडारी की हत्या के पीछे प्रमुख आरोपी थे।

चौहान यह आरोप लगाते हुए सुने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राष्ट्रपति ने 24 वैज्ञानिकों को राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कार दिये

नयी दिल्ली, 24 दिसम्बर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने मंगलवार को यहां राष्ट्रपति भवन में आयोजित समारोह में 24 प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों को राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कार- 2025 प्रदान किए।

राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कार के दूसरे संस्करण में उल्लेखनीय कार्यों के लिए

- प्रो. जयंत विष्णु नार्लीकर को मरणोपरान्त विज्ञान रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

वैज्ञानिकों को विज्ञान रत्न, विज्ञान श्री, विज्ञान युवा और विज्ञान टीम पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। खगोल भौतिकी विशेषज्ञ, दिवंगत प्रो. जयंत विष्णु नार्लीकर को मरणोपरांत विज्ञान रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया गया। कृषि वैज्ञानिक डा. ज्ञानेन्द्र प्रताप सिंह और सात अन्य को विज्ञान श्री पुरस्कार प्रदान किया गया।

बांग्लादेश उच्चायोग पर भारतीयों का गुस्सा फूटा

प्रदर्शनकारी पुलिस से भिड़े और बैरिकेड्स फांदकर अंदर घुसे, यूनुस के पुतले भी जलाए

- प्रदर्शनकारियों ने बांग्लादेश में गत दिनों एक हिंदू, दीपूचन्द्र दास की नृशंस हत्या पर नारज़गी जताई और कहा कि हिंदुओं की हत्या के लिए बांग्लादेश सरकार ही जिम्मेवार है। यह प्रदर्शन विश्व हिन्दू परिषद और बजरंग दल ने आहूत किया था।
- बांग्लादेश सरकार ने ढाका में भारतीय उच्चायुक्त के समक्ष विरोध प्रदर्शन की इस घटना पर नाराज़गी जताई और आरोप लगाया कि नई दिल्ली में बांग्लादेश उच्चायोग की सुरक्षा कम की गई है। भारत ने इस आरोप से साफ इनकार किया।

- जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 दिसम्बर। पिछले हफ्ते बांग्लादेश के मेमनसिंह में इस्लामी भीड़ द्वारा एक हिंदू युवक दीपू चंद्र दास की बेरहमी से हत्या के बाद, नई दिल्ली में बांग्लादेश हाई कमीशन के बाहर बड़ा विरोध प्रदर्शन हुआ है। यह प्रदर्शन विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) और बजरंग दल के नेतृत्व में किया गया, जिसमें बांग्लादेश में हिंदुओं पर कथित अत्याचारों और उनके धार्मिक स्थलों में तोड़फोड़ के खिलाफ नारे लगाए गए।

प्रदर्शनकारियों की पुलिस से झड़प हुई और उन्होंने बांग्लादेशी अधिकारियों से जवाबदेही की मांग करते हुए बैरिकेड तोड़ दिए। कुछ प्रदर्शनकारी न्याय और अल्पसंख्यकों की सुरक्षा की मांग कर रहे थे। हालात को काबू में करने के लिए पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा।

तनाव तब बढ़ गया जब बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारियों ने सुरक्षा बैरिकेड को धक्का देना शुरू कर दिया। प्रदर्शनकारी "भारत माता की जय", "यूनुस सरकार होश में आओ" और "हिंदू हत्या बंद करो" के नारे लगा रहे थे। रिपोर्टों के मुताबिक, प्रदर्शनकारियों ने कम से कम दो स्तर के बैरिकेड तोड़ दिए।

एक प्रदर्शनकारी ने कहा, अगर आज हमने आवाज नहीं उठाई, तो मैं भी दीपू बनूंगा और आप भी दीपू बनेंगे।

एक अन्य प्रदर्शनकारी ने कहा, "बांग्लादेश में हिंदुओं की हत्या हो रही है। यह (भारत) राम और कृष्ण की भूमि है। हम किसी को नहीं मारते, लेकिन वहां हमारी बहन-बेटियों के साथ बलात्कार किया जा रहा है।"

कई प्रदर्शनकारियों को बैनर और तख्तियां पकडे हुए देखा गया, जिन पर दीपू दास के लिए न्याय की मांग लिखी थी। प्रदर्शनकारियों ने बांग्लादेश के अंतरिम प्रमुख मोहम्मद यूनुस के पुतले भी जलाए।

पुलिस हालात को संभालने और इलाके को खाली कराने के लिए प्रदर्शनकारियों को हिरासत में ले रही है। पुलिस ने दोबारा बैरिकेडिंग भी स्थापित कर दी है।

प्रदर्शन की आशंका को देखते हुए सुरक्षा एजेंसियां पहले से ही सतर्क थीं और किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए इमारत के बाहर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। पूरे इलाके में तीन स्तर की बैरिकेडिंग की गई थी और भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस और अर्धसैनिक बलों के जवानों को तैनात किया गया था।

ज्ञातव्य है कि पच्चीस वर्षीय गारमेंट फैक्ट्री कर्मचारी दीपू चंद्र दास को 18 दिसंबर को मेमनसिंह के बालुका इलाके में कथित ईशनिंदा के आरोप में भीड़ ने पीट-पीटकर मार डाला और उसके शव को आग के हवाले कर दिया। इस घटना के बाद व्यापक आक्रोश और निंदा देखने को मिली।

हत्या में कथित भूमिका के लिए अब तक कम से कम 12 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

दिन में पहले बांग्लादेश ने भारत में अपने राजनयिक मिशनों पर हुए हमलों को लेकर चिंता जताई और नई दिल्ली व सिलीगुड़ी की घटनाओं के विरोध में भारतीय उच्चायुक्त को तलब किया।

बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

चीनी वीज़ा घोटाले में कार्ति चिदंबरम के खिलाफ आरोप तय

नयी दिल्ली, 23 दिसंबर। राउज़ एवेन्यू कोर्ट ने मंगलवार को कांग्रेस नेता कार्ति चिदंबरम और उनके चार्टर्ड अकाउंटेंट एस. भास्कररामन के खिलाफ केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा जांच किए जा रहे

- सी बी आई की जांच के बाद राउज़ कोर्ट ने यह कार्यवाही की।

कथित चीनी वीज़ा रैकेट मामले में आरोप तय किए। अदालत ने भास्कररामन पर मामले से संबंधित महत्वपूर्ण सबूतों को नष्ट करने का भी आरोप लगाया। दोनों आरोपियों ने खुद को निर्दोष बताया, जिसके बाद अदालत ने अगली सुनवाई 16 जनवरी को तय की। सीबीआई ने विकास मखारिया को सरकारी गवाह का दर्जा दे दिया है, जिनसे अभियोजन पक्ष के मामले में अहम भूमिका निभाने की उम्मीद है।

प्रियंका के लिए राहुल से बड़ा ना सही, पर समकक्ष दर्जा चाहता है कांग्रेस का एक बड़ा धड़ा

इस वर्ग ने कई मायनों में राहुल और प्रियंका के व्यक्तित्व की तुलना की और प्रियंका को "नैचुरल लीडर" बताया

- इस धड़े का मत है कि प्रियंका न केवल सहज सुलभ हैं बल्कि अच्छी श्रोता हैं और उनसे डील करना आसान है, इसके विपरीत राहुल आसानी से मिलते नहीं हैं और सिर्फ अपने करीबी गुट के साथ ही सहज रहते हैं, यही नहीं, राहुल बात पूरी सुने बिना ही निर्णय सुना देते हैं और उठकर चले जाते हैं।
- संसद में भी पक्ष- विपक्ष के सभी नेताओं ने राहुल और प्रियंका के फर्क को देखा। राहुल जहां भाषण देते समय बेहद उग्र हो जाते हैं अक्सर विवादित बातें बोल जाते हैं, इसके विपरीत प्रियंका जोशीला भाषण देती हैं, मजबूती से अपनी बात रखती हैं, किन्तु सौम्यता के साथ।
- यही नहीं, विपक्ष, खासकर भाजपा नेताओं के साथ बातचीत में भी उनका व्यक्तित्व निखरकर सामने आया, जिसकी मीडिया में भी भारी चर्चा हुई।

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 23 दिसंबर। प्रियंका गांधी के सक्रिय राजनीति में कदम रखने से पहले, कांग्रेस के लोग उन्हें पार्टी का "ब्रह्मास्त्र" कहते थे, यानी अंतिम हथियार। हालांकि बहुत से लोग कह सकते हैं कि वह 'अंतिम हथियार' अपेक्षाकृत विफल साबित हुआ। फिर भी, कांग्रेस पार्टी मानती है कि राजनीति प्रियंका का "निर्धारित भाग्य" है।

उनके भाई राहुल गांधी, जो लोकसभा में विपक्ष के नेता हैं, सामान्य रूप से सहजता से उपलब्ध नहीं होते हैं, और इस वजह से कांग्रेस के नेताओं ने प्रियंका पर दांव लगाया।

संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान, प्रियंका ने पार्टी के समर्थकों को निराश नहीं किया, जब उन्होंने वन्दे मातरम विवाद पर अपना जोशीला भाषण दिया। राहुल गांधी जो अक्सर सदन में अपनी उग्र टिप्पणियों के कारण विवादों में फंस जाते हैं, के विपरीत प्रियंका ने मुस्कुराते हुए सौम्यता के साथ, लेकिन दृढ़ता के साथ भाषण दिया और मोदी सरकार पर बढ़त प्राप्त की। यह सौम्यता यहीं नहीं थमी। प्रियंका ने केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी के साथ चाय पर बातचीत की और मित्रता का दायरा और प्रभाव बढ़ाया। रिपोर्टों के अनुसार, वार्ता में केरल की छह परियोजनाओं पर चर्चा हुई। प्रियंका स्पीकर की चाय पार्टी में भी शामिल हुईं। और वर्ष 2024 चुनाव परिणामों के बाद गांधी परिवार से वे पहली थीं जिन्होंने ऐसा किया। उन्होंने संसद के बाहर इस बारे में विवरण साझा करने में भी संकोच नहीं किया। सूत्रों का कहना है कि यहां तक कि सरकार के वरिष्ठ मंत्री भी उनकी वन्दे मातरम टिप्पणी से प्रभावित थे। विडंबना यह रही कि राहुल शीतकालीन सत्र के अंतिम दिनों में अनुपस्थित रहे क्योंकि वे भारतीय प्रवासियों से मिलने के लिए जर्मनी गए थे।

कई लोग प्रियंका गांधी को श्रेय देते हैं कि उन्होंने शशि थरूर और मनीष तिवारी, जैसे कांग्रेस नेताओं, जिन्हें राहुल की योजना के तहत लंबे समय से हाशिए पर रखा गया था, को सदन में बोलने का अवसर दिया। प्रियंका के करीबी एक वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने सही रूप से कहा: "जब बिल्ली चली जाती है, तो चूहों को खेलने का मौका मिलता है। प्रियंका की बढ़ती सार्वजनिक छवि ने कांग्रेस पार्टी में उग्र बहस को जन्म दिया है, जिसमें लंबे समय से सकारात्मक रूप से कोई बात नहीं हुई है और कांग्रेस महाराष्ट्र, हरियाणा से दिल्ली और बिहार तक चुनावी हारों के बाद निराश हो चुकी है। यहां इस मसले पर एकमत है कि कांग्रेस को प्रियंका एक बड़ा सार्वजनिक रोल देना चाहिए, शायद राहुल गांधी के बराबर। कांग्रेस नेता कहते हैं कि वह अपने भाई से कहीं अधिक सुलभ हैं और उनसे डील बहुत अधिक सुखद होता है, साथ ही वह ना कहने की कला में भी माहिर है और बड़ी शालीनता से इनकार करती है। दूसरी ओर, वरिष्ठ नेता कहते हैं, राहुल गांधी ना तो सुलभ और ना ही सहज हैं, वह केवल अपने करीबी नेताओं के समूह के साथ सहज होते हैं, जो उन्हें "बेकार सलाह" देते हैं; एक नेता ने कहा, "बिना आपकी बात सुने," राहुल अपना निर्णय दे देते हैं, वो आपको बीच में ही काट देंगे और कमरे से बाहर चले जाएंगे। प्रियंका, इसके विपरीत, एक "अच्छी श्रोता" है इसके लिए उनका सम्मान भी किया जाता है।

घाटे में चल रही पाकिस्तान एयरलाइन नीलाम हुई

इस्लामाबाद, 23 दिसंबर। पाकिस्तान की राष्ट्रीय एयरलाइन (पीआईए) लंबे समय से घाटे में चलने की वजह से बिक गई। आरिफ हबीब ग्रुप ने सबसे ऊंची, 135 अरब पाकिस्तानी रुपये की बोली लगाकर पीआईए को खरीद लिया है। लकी सीमेंट ने 101.5 अरब रुपये और एयरब्लू ने 26.5 अरब रुपये की बोली लगाई। पीआईए ने 75 फीसदी शेयरों की नीलामी शुरू की थी।

पाकिस्तान की राष्ट्रीय एयरलाइन की निलामी से मिलने वाले कुल पैसे का 92.5 फीसदी एयरलाइन के सुधार पर खर्च होगा। पाकिस्तानी अखबार डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक फ्लाइट्स की कमी, खराब मैनेजमेंट और भारी कर्ज जैसे कारणों की वजह से पीआईए की हालत खराब हुई।

पाकिस्तान के वित्त मंत्री मुहम्मद औरंगजेब ने प्रधानमंत्री के सहायक और उनकी टीम को नीलामी प्रक्रिया के लिए धन्यवाद कहा। उन्होंने कहा, आज हम जिस मुकाम पर हैं, वहां तक पहुंचने में बहुत समय और मेहनत लगती है।

विचार बिन्दु

पराधीनता समाज के समस्त मौलिक निमयों के विरुद्ध है। –मान्तेस्क्यु

मीडिया में बज़ बनाकर हक़ीकतें बदलने की कोशिश

लोकतंत्र की आत्मा लोक कल्याणकारी शासन में निहित होती है। एक सुशासित राज्य में सरकार करदाताओं के धन से ऐसी नीतियां और योजनाएं बनाती हैं जिनका लक्ष्य आम नागरिक के जीवन में ठोस, स्थायी और न्यायपूर्ण परिवर्तन तथा समानता लाना होता है। इस काम के लिए भारतीय संविधान में विधायिका की व्यवस्था है, जिसमें निर्वाचित जन प्रतिनिधि विधियां, नीतियां और कार्यक्रम बनाते हैं जिन्हें कार्यपालिका क्रियान्वित करती है। किंतु इक्कीसवीं सदी के ढाई दशक के बीत रहे काल में आज एक विचित्र और चिंताजनक हालत सामने है। जन-कल्याण के नाम पर घोषित अनेक कार्यक्रम ज़मीन पर दिखाई नहीं देते, जबकि सरकारें मीडिया में बज़ बनाए रखने के लिए भव्य ईवेंट, उद्घाटन, शिलान्यास, उत्सव और प्रचार अभियानों पर अपना अधिकतम ध्यान और संसाधन झोंक रही हैं। यह प्रवृत्ति न केवल कार्यपालिका को शिथिल कर रही है, बल्कि व्यवस्था में पहले से मौजूद भ्रष्टाचार को और गहरा कर रही है। राजस्थान सरकार में भारतीय जनता पार्टी के दो वर्ष पूरा होने के उपलक्ष में जश्न मनाए जा रहे हैं। राजधानी में सत्ता के शीर्ष से शासन के नीचे तक के तंत्र को स्पष्ट हिदायतें भेजी गई हैं कि इस जश्न के लिए रोज कौन-कौन से ईवेंट किए जाने हैं। इसके साथ ही प्रतिदिन चौकसी और निगरानी की जा रही है कि जो बताया गया है वह हो रहा है या नहीं। यहां तक कि कार्यपालिका के प्रमुख मुख्य सचिव खुद जिला अधिकारियों से ऑनलाइन फीडबैक प्राप्त कर रहे हैं और निर्देश दे रहे हैं। अधिकारियों व अन्य कर्मियों को हिदायतें दी गई हैं कि जो भी ईवेंट हो उसके चित्र और वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किए जाए। प्रचार विभाग की सोशल मीडिया पोस्टों को आगे अपने स्टार पर बढ़ाया जाए। इस की सतत निगरानी होती है और चूक पर फटकारें पड़ती है। चाहना यह है कि धरती पर कोई काम हुआ हो या न हो उसके प्रचार का तूफान खड़ा कर दिया जाए। जो ईवेंट किए जा रहे हैं उनके परिणामों पर नहीं बल्कि उनके भरपूर प्रचार किए जाने पर एकमात्र जोर है। मान लिया गया है कि धुआं-धार प्रचार मतदाताओं तक पहुंच कर सत्तारूढ़ दल की मदद करेगा। मुख्य सचिव ने अपनी एक वीडिओ कॉन्फ्रेंस में स्पष्ट कहा कि बज़ क्रियेट कीजिए। ऐसी बातें प्रचार व्यवसाय को भाती है। बाज़ार की ताकतों ने राजनेताओं को यह घुट्टी पिला दी है कि प्रचार की आंधी से चुनाव जीते जा सकते हैं। यह कोई याद नहीं दिलाता कि पिछली अशोक गहलोत की सरकार ने फिर कुर्सी पाने की ताबड़तोड़ में प्रचार के भ्रष्टाचार का जो अंबार खड़ा किया उस पर मतदाता की समझ भारी पड़ी थी। बाज़ार के सौदागरों ने नई सरकार को भी प्रचार के चमक-दमक की वही राह दिखा दी है जिस पर होर्डिंग्स वही है, केवल राजनेताओं के चित्र बदले हुए हैं। जनकल्याण का अर्थ होता हैनिरंतरता, निगरानी, जवाबदेही और परिणाम। इसके विपरीत, ईवेंट-आधारित शासन का मूल तत्व होता है दिखावा, सुर्खियां और छवि-प्रबंधन। सड़क, स्कूल, अस्पताल, पानी, स्वच्छता, पोषण, रोजगार जैसे क्षेत्रों में सुधार का असर महीनों-सालों में दिखता है; जबकि एक भव्य कार्यक्रम का प्रभाव कैमरों की चमक तक सीमित रहता है। यही कारण है कि प्रदर्शनकारी शासन त्वरित संतोष देता है। उसके नेताओं को तालियां, प्रशासन को फोटो-ऑप्स और सत्ता को कथानक (नैरेटिव) मिल जाता है। परिणामस्वरूप, लोक-कल्याण का वास्तविक काम पीछे छूट जाता है।

भ्रष्टाचार का पोषण प्रशासनिक शिथिलता से होता है। जब शासन का केंद्र बिंदु परिणाम नहीं, बल्कि प्रस्तुति बन जाए, तो भ्रष्टाचार के लिए उर्वर भूमि तैयार होती है। ईवेंट-आधारित मॉडल में ठेके, टेंट, लाइटिंग, विज्ञापन, ब्रांडिंग, यात्रा और आतिथ्य, इन सबमें त्वरित भुगतान, कम पारदर्शिता और आपात निर्णयों की खूब गुंजाइश रहती है। यह कम समय-अधिक खर्च का वह रास्ता है जहां कमीशन संस्कृति सहज ही फलती-फूलती है। इसके विपरीत, किसी स्कूल की गुणवत्ता सुधार या प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की कार्यक्षमता बढ़ाने में निरंतर निरीक्षण, ऑडिट और सामुदायिक सहभागिता चाहिए जो ईवेंट की तुलना में कम आकर्षक होती है। कार्यपालिका की शिथिलता इसी बिंदु से जन्म लेती है। अधिकारियों का मूल्यांकन परिणामों से नहीं, बल्कि कार्यक्रमों की सफलता या कवरेज से होने लगता है। ऐसे में फील्ड वर्क गौण हो जाता है। फाइलें चलती हैं, प्रस्तुतियां बनती हैं, पर निगरानी कमजोर पड़ जाती है। जवाबदेही का तंत्र ढीला हो जाता है और भ्रष्टाचार सिस्टम की रग-रग में घुस जाता है। मीडिया, प्रचार और नैरेटिव का जालएक खतरनाक खेल है जिसे बाज़ार की लफंगी ताकतों ने जबरदस्त तरीके से साध रखा है। भले ही मीडिया को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ बता कर इतराया जाए, पर जब शासन का उद्देश्य केवल मीडिया में बने रहना बन जाए, तो सत्ता-मीडिया संबंध विकृत हो जाता है। विज्ञापन और प्रायोजित सामग्री के सहारे सकारात्मक कवरेज सुनिश्चित की जाती है, जबकि ज़मीनी सच्चाइयों-अधूरी योजनाओं, गुणवत्ताहीन निर्माण, सेवाओं की कमीके हालात को हाशिये पर धकेल दिया जाता है। इस नैरेटिव-निर्माण में आंकड़ों की बाज़ीगरी, चयनित उपलब्धियां और आलोचनाओं का दमन शामिल हो जाता है। नतीजा यह होता है कि किसी दैनिक अखबार में किसी दिन सत्ता के नेतृत्व की उपलब्धियों के 13 पूरे पेजों के विज्ञापनों से नागरिकों को काम हुआ का भ्रम मिलता है, जबकि वास्तविकता अलग होती है। ईवेंट-शासन संस्थाओं को कमजोर करते हैं। दुर्भाग्य से संस्थागत क्षरण और लोकतांत्रिक नुकसान अब किसी को नजर नहीं आते।नीति निर्माण में विशेषज्ञता और डेटा का स्थान नारे ले लेते हैं। संसद/विधानसभाओं में बहस की जगह हंगामों के बीच घोषणाएं हावी हो जाती हैं। स्थानीय निकाय, जो जनकल्याण की रीढ़ होते हैं, उपेक्षित रहते हैं, क्योंकि वहां स्थानीय राजनीति के पचड़े होते हैं और उनकी उपलब्धियों की जमीनी हक़ीकत नागरिक रोज महसूस करते हैं जो किसी मंच-सज्जा से झुठलाई नहीं जा सकती। लोकतंत्र में नागरिक लाभार्थी नहीं, हितधारक होते हैं। लेकिन जब शासन प्रदर्शन में बदल जाए, तो नागरिक दर्शक बन जाते हैं। वे आमंत्रित तालियां बजाने वाले हो जाते हैं। वे सवाल न पूछने वाले नागरिक बना दिए जाते हैं। यह व्यवस्था किसी को नहीं चुभती, क्योंकि सभी के लिए यह सुभीते वाली होती है। संसाधनों की बर्बादी और लागत पर बुद्धिजीवियों का भी ध्यान नहीं जाता है। वे भी अपने-अपने ईवेंट में व्यस्त रहते हैं। ईवेंट और प्रचार पर किया जाने वाला धन यदि स्कूलों के शिक्षकों के प्रशिक्षण, अस्पतालों में उपकरण, जल-प्रबंधन या रोजगार-सृजन के कामों पर लगे, तो स्थायी लाभ मिल सकता है। कोई यह कहने वाला नहीं मिलता है कि शासन की प्राथमिकताएं बदल जाने का दीर्घकालिक नुकसान अंततः समाज को ही होता है। गरीबी के चक्र, स्वास्थ्य संकट, शिक्षा की गुणवत्ता में गिरावट को नज़रन्दाज़ करते हुए भविष्य की कीमत पर सत्ता अपने वर्तमान को चमकाने का प्रयास कर रही है। इस व्यवस्था में समाज में आर्थिक असमानता और नागरिकों में बेचैनी बढ़ती है, अपराधों का बोलबाला होता है। बड़ा नुकसान जवाबदेही के तंत्रों के क्षय का होता है। ईवेंट-शासन में जवाबदेही धुंधली हो जाती है। लक्ष्य स्पष्ट नहीं होते, समय-सीमा ढीली रहती है और मापन के पैमाने बदल दिए जाते हैं। कितने कार्यक्रम हुए की गणना वीडियो कॉन्फ्रेंसों के जरिए होती है। सार्वजनिक सेवाओं में कितना सुधार हुआ की कोई गणना नहीं होती। कोई पूछता भी नहीं। महालेखाकार की ऑडिट रिपोर्टें अनसुनी रह जाती हैं। शिकायत-निवारण तंत्र निष्प्रभावी हो जाते हैं। प्रचार से असफलताओं को ढक दिये जाने वाले निज़ाम में सुधार की प्रेरणा की कल्पना कैसे की जा सकती है! ऐसे में सामाजिक और लोकतान्त्रिक संस्थाओं पर से विश्वास उठने लगता है। सरकार और नागरिकों के बीच विश्वास ही शासन की पूंजी होती है। बार-बार के वादे, भव्य घोषणाएं और ज़मीनी नाकामी इस विश्वास को क्षत-विक्षत कर देती हैं। लोग व्यवस्था से विमुख होते हैं, निराशा और आक्रोश बढ़ता है। कानून को धता बताई जाने लगती है। अपराध सामान्य चलन बन जाता है। यह सब मिल कर अंततः सामाजिक ताने-बाने और लोकतांत्रिक स्थिरता-दोनों के लिए खतरनाक हो जाता है।

ईवेंट-लोकतान्त्रिक शासन का विकल्प नहीं हो सकते। सत्ता में बैठे राजनेताओं को याद रखना होगा कि इतिहास मंच-सज्जा नहीं, परिणाम लिखता है। शासन को फिर से सेवा, सत्य और जवाबदेही के अपने मूल कर्तव्य की ओर लौटने से ही लोकतंत्र फल-फूल सकता है। यही लोकतंत्र की रक्षा और राष्ट्र के भविष्य का एकमात्र मार्ग है।

ऐसा नहीं है कि समाधान की कोई दिशा न हो। परिणाम-आधारित शासन के लिए ज़मीन तैयार करनी होगी। इसके लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति और नागरिक दबाव साथ हो तभी बात बन सकती है। शासन में परिणाम-आधारित मूल्यांकन से ऐसा हो सकता है। अधिकारियों और विभागों का आकलन स्पष्ट, मापने योग्य परिणामों से हो, जैसे सीखने के स्तर, स्वास्थ्य संकेतक, सेवा-डिलीवरी समय आदि। सरकारी खर्चों में पारदर्शिता हो। ईवेंट और प्रचार व्यय पर सीमा तय हो और सभी खर्च सार्वजनिक डैशबोर्ड पर साफ-साफ दिखें। समयबद्ध ऑडिट, सामाजिक ऑडिट और स्थानीय समुदाय की भागीदारी अनिवार्य हो। यहां मीडिया की जिम्मेदारी आती है। उसे विज्ञापन-समाचार की स्पष्ट रेखा खींचनी होगी और ज़मीनी रिपोर्टिंग की अहमियत समझनी होगी। स्थानीय निकायों के काम काज की निगरानी में नागरिकों की भागीदारी बनानी होगी। वर्तमान चुनावी व्यवस्था के बाहर भी कुछ करना होगा। कानूनी जवाबदेहीभी जरूरी है भ्रष्टाचार और लापरवाही पर त्वरित दंड मिले और व्हिसलब्लोअर को सुरक्षा मिले। मगर असली बात होगी नागरिक जागरूकता। नागरिक सवाल पूछें और खड़े होकर कह सकें कार्यक्रम नहीं, परिणाम दिखाइए। ईवेंट-लोकतान्त्रिक शासन का विकल्प नहीं हो सकते। सत्ता में बैठे राजनेताओं को याद रखना होगा कि इतिहास मंच-सज्जा नहीं, परिणाम लिखता है। शासन को फिर से सेवा, सत्य और जवाबदेही के अपने मूल कर्तव्य की ओर लौटने से ही लोकतंत्र फल-फूल सकता है। यही लोकतंत्र की रक्षा और राष्ट्र के भविष्य का एकमात्र मार्ग है।

–अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोड़ा
(वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)

अरावली पर्वत श्रृंखला: अस्तित्व का संकट और भविष्य

अशोक कुमार

अरावली पर्वत श्रृंखला न केवल भारत की, बल्कि दुनिया की सबसे प्राचीन वलित पर्वत श्रेणियों में से एक है। भूवैज्ञानिक दृष्टि से यह हिमालय से भी कहीं अधिक पुरानी है। आज, 2025 के परिप्रेक्ष्य में, अरावली केवल एक भौगोलिक संरचना नहीं रह गई है, बल्कि यह उत्तर भारत के करोड़ों लोगों के लिए अस्तित्व की जीवन रेखा बन चुकी है। इसे ''दिल्ली-एनसीआर के फेफड़े'' कहा जाता है, लेकिन वर्तमान में यह फेफड़े शहरीकरण, अवैध खनन और प्रशासनिक अनदेखी के कारण बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो रहे हैं।

अरावली थार मरुस्थल की उड़ती हुई रेत को गंगा के उपजाऊ मैदानों और दिल्ली-एनसीआर की ओर बढ़ने से रोकने के लिए एक प्राकृतिक दीवार का कार्य करता है। यदि यह पहाड़ियाँ गायब हो गईं, तो उपजाऊ कृषि भूमि मरुस्थल में बदल जाएगी। अरावली की दरारयुक्त चट्टानी संरचना वर्षा जल को जमीन के नीचे भेजने के लिए एक स्पंज की तरह काम करती है। गुरुग्राम, फरीदाबाद और दिल्ली के गिरते भूजल स्तर के बीच, अरावली ही एकमात्र माध्यम है जो एक्विफर को रिचार्ज करता है। एनसीआर क्षेत्र दुनिया के सबसे प्रदूषित क्षेत्रों में शुमार है। अरावली के घने जंगल कार्बन डाइऑक्साइड को सोखने और ऑक्सीजन छोड़ने का प्राथमिक स्रोत हैं। यह क्षेत्र तेंदुओं, नीलगाय, सियार, धारीदार लकड़बग्घा और पक्षियों की सैकड़ों दुर्लभ प्रजातियों का प्राकृतिक आवास है। यह राजस्थान के सरिस्का से लेकर हरियाणा के असोला भट्टी तक वन्यजीवों के लिए एक सुरक्षित गलियारा प्रदान करता है।

राजस्थान में अरावली का विस्तार सबसे अधिक है, लेकिन यहाँ यह माफियाओं के निशाने पर है। 2018 में सुप्रीम कोर्ट में पेश की गई एक रिपोर्ट ने देश को झकझोर दिया था, जिसमें बताया गया था कि राजस्थान में अरावली की 31 पहाड़ियाँ पूरी तरह गायब हो चुकी हैं।

2024-25 के आंकड़ों के अनुसार, अवैध खनन की यह समस्या और गंभीर हुई है। पहाड़ियों के समतल होने के कारण धूल भरी आंधियों की तीव्रता अब साल के अधिकांश समय दिल्ली को प्रभावित करती है। हरियाणा के गुरुग्राम और फरीदाबाद जिलों में स्थिति और भी विकट है। यहाँ पहाड़ियों को काटकर आलीशान फार्महाउस और अवैध रिहायशी कॉलोनियाँ बनाई जा रही हैं। अरावली नोटिफिकेशन (1992) के बावजूद, जमीनी स्तर पर नियमों का उल्लंघन आम है। अरावली को बचाने के मार्ग में आज कई नई और जटिल चुनौतियां खड़ी हैं: भवन निर्माण के लिए पत्थर और रेत की मांग ने अरावली को छलनी कर दिया है। रात के अंधेरे में डायनामाइट से पहाड़ों को उड़ाया जाना पारिस्थितिक तंत्र को अपूरणीय क्षति पहुँचा रहा है।

दिल्ली-मुंबई औद्योगिक कॉरिडोर और दिल्ली-वड़ोदरा एक्सप्रेसवे जैसे बड़े प्रोजेक्ट्स के कारण पहाड़ियों के बड़े हिस्से को काटा गया है। इसके अलावा, एनसीआर की बढ़ती जनसंख्या के दबाव में जंगलों को समतल मैदान में बदला जा रहा है। अक्सर 'वन' की परिभाषा को लेकर विवाद होता है। हाल के वर्षों में वन संरक्षण संशोधन अधिनियम को लेकर चिंताएं जताई गई हैं, जिससे अरावली के गैर-वर्गीकृत वन क्षेत्रों पर विकास कार्यों का खतरा मंडराने लगा है।

अरावली के मूल पेड़ों जैसे ढाक, खैर, और बबूल की जगह विलायती कीकर ने ले ली है। यह प्रजाति भूजल को तेजी से सोखती है और स्थानीय वनस्पतियों को पनपने नहीं देती।

अरावली को बचाने के लिए वर्तमान में तीन स्तरों पर लड़ाई लड़ी जा रही है:सुप्रीम कोर्ट ने बार-बार कड़ा रुख अपनाते हुए स्पष्ट किया है कि ''अरावली में कोई भी गैर-वानिकी गतिविधि नहीं होगी।'' कोर्ट ने हरियाणा सरकार को खोरी गाँव जैसे अतिक्रमण हटाने और वन भूमि को पुनर्जीवित करने के सख्त निर्देश दिए हैं।

भारत सरकार ने अरावली के किनारे 1,400 किलोमीटर लंबी और 5 किलोमीटर चौड़ी अरावली ग्रीन वॉल बनाने की योजना शुरू की है। इसका उद्देश्य पोरबंदर से पानीपत तक वृक्षारोपण के माध्यम से मरुस्थलीकरण को रोकना है।

अरावली बचाओ सिटिज़न मूवमेंट, अरावली बचाओ जैसे संगठनों ने लोगों को जागरूक किया है। युवाओं और पर्यावरणविदों द्वारा सोशल मीडिया और पदयात्राओं के माध्यम से सरकार पर दबाव बनाया जा रहा है कि अरावली को ''इको-सेंसिटिव जोन'' के रूप में पूरी तरह सुरक्षित किया जाए।

अरावली को केवल कागजी कानूनों से नहीं बचाया जा सकता। इसके लिए एक समग्र वैज्ञानिक दृष्टिकोण की आवश्यकता है: सैटेलाइट इमेजरी और ड्रोन के जरिए अरावली की सीमाओं का सटीक सीमांकन किया जाए ताकि एक इंच भूमि पर भी कब्जा न हो सके।विदेशी पेड़ों को हटाकर स्वदेशी प्रजातियों के जंगल विकसित किए जाएं जो जल संचयन में सहायक हों। अरावली को बिना नुकसान पहुँचाए ट्रैकिंग और वाइल्डलाइफ फोटोग्राफी के लिए विकसित किया जाए। जब स्थानीय लोगों को पर्यटन से रोजगार मिलेगा, तो वे स्वयं इन पहाड़ियों के रक्षक बनेंगे। जिन क्षेत्रों में खनन के कारण गहरे गड्ढे हो गए हैं, वहां जल संचयन की झीलें बनाई जाएं और गायब हुई पहाड़ियों के स्थान पर कृत्रिम घने वन विकसित किए जाएं।

अवैध खनन में लिप्त माफियाओं के खिलाफ फास्ट ट्रैक कोर्ट में मामले चलाए जाएं और उनकी संपत्तियां कुर्क करने जैसे कड़े प्रावधान हों।

अरावली पर्वत श्रृंखला कोई निर्जीव पत्थर का ढेर नहीं है, बल्कि उत्तर भारत का सुरक्षा कवच है। आज हम जिस ताजी हवा और पीने योग्य पानी के लिए संघर्ष कर रहे हैं, उसकी चाबी अरावली के पास है। यदि हमने स्वार्थ और विकास की अंधी दौड़ में अरावली को खो दिया, तो आने वाली पीढ़ियां एक मरुस्थलीय और जहरीली हवा वाले भारत में सांस लेने को मजबूर होंगी। अरावली को बचाना अब केवल पर्यावरण प्रेमियों का शौक नहीं, बल्कि हम सबकी सामूहिक राष्ट्रीय जिम्मेदारी है।

–अशोक कुमार,
पूर्व कुलपति कानपुर,
गोरखपुर विश्वविद्यालय,
विभागाध्यक्ष राजस्थान
विश्वविद्यालय जयपुर

रणकपुर जवाई बांध फेस्टिवल 2025 का समापन

- **फेस्टिवल में रोचक प्रतियोगिताओं और हॉर्स शो ने रोमांचित किया**
- **सूर्य मंदिर के समीप आयोजित कार्यक्रम में मामे खान के सुरों ने समा बांधा**

मिस गोडवाड़ प्रतियोगिता के विजेता को अधिकारियों ने पुरस्कृत किया।

पाली, (निसं)। मारवाड़-गोड़वाड़ की सांस्कृतिक विरासत को विश्व पटल पर स्थापित करने की मंशा से जिला प्रशासन पाली, पर्यटन विभाग राजस्थान तथा नगरपालिका सादड़ी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय रणकपुर जवाई बांध फेस्टिवल 2025 का रंगारंग समापन हुआ।

इस अवसर पर महोत्सव में पर्यटक वन्यजीवों को प्राकृतिक पर्यावास में देखकर रोमांचित हो उठे। इधर, रणकपुर स्थित हॉट एयर बैलूनिंग आयोजित हुआ। हेलीपैड ग्राउंड पर ही आयोजित रोचक प्रतियोगिताओं में भी सैलानियों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। फेस्टिवल के दिन हॉर्स शो आकर्षण का केंद्र रहा। बड़ी संख्या में पहुंचे पर्यटकों और स्थानीय लोगों ने सजे धजे घोड़ों के करतबों पर दांतों तले उंगली दबा ली। हॉर्स पोलो के दौरान दर्शकों का उत्साह चरम पर रहा। वहीं दिनभर चली रोचक प्रतियोगिताओं और हॉर्स शो ने भी सैलानियों को रोमांचित किया।

महोत्सव में रस्साकस्सी की महिला की प्रथम टीम में सुमन, सोनल, सीता, रेशमा, आशवंती, लक्ष्मी, आकांक्षा, दीपिका, कंचन, ललिता, चम्पा प्रथम रही। इसी प्रकार पुरूष की रस्साकस्सी टी में रमेश चंद परिहार, रानूसिंह, रामेश्वर फिरोदा, बाबूलाल माली, ललित माली, मुकेश देवासी, पप्पु कुमार, जावेद टांक, भंवरलाल, नकुल कश्यप व जीतू चौधरी टीम प्रथम रहे। गोडवाड श्री में प्रशांत वर्मा प्रथम एवं मिस गोडवाड़ में शारदा कुमार प्रथम रही। मूछ प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर विक्रमसिंह, नरसिंह चौहान प्रथम रहे, द्वितीय स्थान पर संदीप राठौड़, तृतीय स्थान पर पोकरलाल सोलंकी, धीरेन्द्र सिंह, देवा मारवाडी तृतीय रहे। साफा बांध प्रतियोगिता में संजय मेंशन प्रथम, तेजवंत सिंह चौहान द्वितीय, तृतीय डिकेन्द्र सिंह सिसोदिया, युधिष्टर चौहान, मादाराम तृतीय रहे। चम्मच दौड़ में आदित्य सिंह प्रथम, रमेश द्वितीय व पदमिनी तृतीय नम्बर पर रही तथा फोटोग्राफी प्रतियोगिता में राजकुमार सोनी प्रथम, शुभम सोनी द्वितीय एवं आदित्य कंसारा तृतीय रहे। मटका दौड़ में प्रथम गुणिता देसूरी, द्वितीय कन्या सोनाणा, तृतीय शारदा रही, इसके साथ ही अन्य स्पर्धाएं भी आयोजित हुई।

फेस्टिवल में जिला कलैक्टर सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के तत्वावधान में फोटोग्राफी प्रतियोगिता भी हुई। इसमें जिले भर के फोटोग्राफर्स ने प्राकृतिक, वाइल्डलाइफ, कल्चर व सांस्कृतिक विषय पर फोटोग्राफी कर प्रविष्टियां जमा कराई। इन सभी फोटोग्राफ्स की यहां प्रदर्शनी भी लगाई गई, जिसे दर्शकों ने देख के सराहा।

फेस्टिवल के अंतिम दिन रात सूर्य मंदिर के समीप आयोजित कार्यक्रम में मामे खान के सुरों ने समा बांध दिया। मामे खान ने पधारों मारे देश गीत से अपनी प्रस्तुति की शुरुआत की। साथ ही रामचन्द्र अवतार लियो.., वंदे मातरम...., जब देखु बन्ने री लाल पीली अंखिया....., केशरिया बालम..., चमचम चमके चुनडी बनजारा रे.. आदि गीतों की प्रस्तुति दी। उसमें दर्शकों का उत्साह देखते ही बना।

इस अवसर पर पशुपालन, डेयरी, देवस्थान विभाग कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत, संभागीय आयुक्त डॉ प्रतिभा सिंह, जिला कलक्टर एलएन मंत्री, प्रशिशु आईएएस बिरजु गोपाल, अतिरिक्त जिला कलक्टर डॉ बजरंगसिंह, बाली अतिरिक्त जिला कलैक्टर शेलेन्द्रसिंह, उपखण्ड अधिकारी देसूरी सिद्धार्थ सांदु, नगरपालिका ईओ सादडी, संयुक्त निदेशक पर्यटन भानु प्रताप, सेलो ग्रुप के प्रतिनिधि नरेश ओझा, पर्यटन विभाग की सहायक निदेशक सरिता फिडौदा एवं अन्य जनप्रतिनिधि बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

बोर्ड परीक्षाओं से पहले स्कूलों को व्याख्याता नहीं मिलेंगे

- **वर्तमान में राज्य के उच्च माध्यमिक स्कूलों में व्याख्याता के 18649 पद रिक्त चल रहे हैं**
- **व्याख्याता नहीं होने से सेकंड ग्रेड और थर्ड ग्रेड शिक्षकों को 11वीं -12वीं कक्षा का बकाया कोर्स पूरा करने की जिम्मेदारी सौंपी गई**

बीकानेर, (निसं)। 9वीं से 12वीं कक्षा की वार्षिक परीक्षाओं की डेट सीट घोषित कर दी गई है। 10वीं व 12वीं की बोर्ड परीक्षाएं 12 फरवरी से और 9वीं व 11वीं कक्षा की 7 मार्च से शुरू होगी, लेकिन स्कूलों को व्याख्याता वार्षिक परीक्षा से पहले मिलने संभव नहीं होंगे। अभी तक व्याख्याताओं की वरिष्ठता तैयार नहीं हुई है। मंडल स्तर पर अस्थाई से स्थाई वरिष्ठता तैयार होने के बाद माध्यमिक शिक्षा निदेशालय स्तर से डीपीसी की तैयारी शुरू होगी, जिसमें अभी समय लगेगा। पिछले 3 साल से वरिष्ठ अध्यापक से व्याख्याता पदों की डीपीसी बकाया होने से रिक्त पदों का ग्राफ साल दर साल बढ़ता जा रहा है।

वर्तमान में राज्य के उच्च माध्यमिक स्कूलों में व्याख्याता के 18649 पद रिक्त चल रहे हैं। व्याख्याता नहीं होने से ग्रामीण और शहरी क्षेत्र के अनेक स्कूलों में सेकंड ग्रेड और थर्ड ग्रेड शिक्षकों को 11वीं -12वीं कक्षा का बकाया कोर्स पूरा करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। माध्यमिक शिक्षा निदेशालय ने 31 जनवरी से पूर्व बकाया कोर्स पूरा करने के निर्देश दिए हैं।

सीताराम जाट, निदेशक माध्यमिक शिक्षा बीकानेर का कहना है कि कार्मिक विभाग के नियमानुसार 1 अप्रैल की स्थिति के आधार पर कार्यरत वरिष्ठ अध्यापकों की वरिष्ठता बनवाई जा रही है। इसके बाद डीपीसी की जाएगी।

5वीं-8वीं बोर्ड परीक्षाओं का टाइम टेबल जारी

बीकानेर, (निसं)। प्रारंभिक शिक्षा विभाग ने कक्षा 5वीं और कक्षा 8वीं बोर्ड एग्जाम का कार्यक्रम जारी कर दिया है। शिक्षा पूर्णता प्रमाण पत्र परीक्षा (कक्षा 8) और प्राथमिक शिक्षा अधिगम स्तर मूल्यांकन परीक्षा (कक्षा 5) का आयोजन आगामी वर्ष फरवरी से मार्च के बीच में किया जाएगा।

आठवीं के स्टूडेंट्स को होली के अवकाश में भी तैयारी करनी होगी, जबकि पांचवीं के स्टूडेंट्स के एग्जाम पहले ही खत्म हो जाएंगे। सिर्फ संस्कृत स्कूल सहित विशेष स्कूलों में ही पांचवीं की तृतीय भाषा के एग्जाम होंगे।

शिक्षा निदेशालय की ओर से जारी आदेश के अनुसार कक्षा 8वीं की परीक्षाएं 19 फरवरी 2026 से शुरू होकर 4 मार्च तक चलेंगी, जबकि कक्षा 5वीं की परीक्षाएं 20 फरवरी 2026 से 5 मार्च तक आयोजित होंगी।

शिक्षा विभाग ने सभी जिला शिक्षा अधिकारियों और संबंधित संस्थानों को निर्देश दिए हैं कि परीक्षा से जुड़ी सभी व्यवस्थाएं समय रहते पूरी की जाएं। परीक्षा कार्यक्रम में किसी भी प्रकार के परिवर्तन की सूचना विभागीय पोर्टल के माध्यम से दी जाएगी।

कंटेनर में भरे गौवंश को मुक्त कराया

टोंक, (निसं)। निवाई क्षेत्र में गौ तस्करी के खिलाफ पुलिस और गौ सेवादल की संयुक्त टीम ने कार्रवाई कर सोमवार रात्रि को दो दर्जन गौवंश से भरे एक कंटेनर को जब्त किया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सोमवार रात्रि को गौवंश सेवादल को गांव चिकाना क्षेत्र से गौवंश से भरा कंटेनर निकलने की सूचना मिली, जिसके बाद उन्होने कंटेनर का पीछा कर निवाई थाना क्षैत्र स्थित दशहरा मैदान के पास उसे घेरकर कर रोक लिया तथा थाना पुलिस को सूचना देकर मौके पर बुलाकर कंटेनर व आरोपी चालक हनीफ खां (30) पुत्र चाव खां, निवासी जमातगढ़, थाना पुनहाना, जिला नूंह (हरियाणा) को पुलिस के हवाले कर दिया, जिसके बाद निवाई थाना पुलिस ने कंटेनर को जब्त कर क्रेन की मदद से सभी गौवंश को सुरक्षित गौशाला भिजवाया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ प्रकरण दर्ज कर कार्रवाई प्रारम्भ की।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

बुधवार 24 दिसम्बर, 2025

पौष मास, शुक्ल पक्ष, चतुरथी तिथि, बुधवार, विक्रम संवत 2082, धनिष्ठा नक्षत्र गुरूवार प्रातः 8:18 तक, हर्षण योग दिन 4:02 तक, विष्टि करण दिन 1:12 तक, चन्द्रमा सायं 7:46 से कुम्भ राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-धनु, चन्द्रमा-मकर, मंगल-धनु, बुध-वृश्चिक, गुरू-मिथुन, शुक्र-धनु, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज रवियोग प्रातः 8:18 से आरम्भ होगा। भद्रा आज दिन 1:12 तक रहेगी। पंचक सायं 7:46 से आरम्भ होंगे।

श्रेष्ठ चौघड़िया: लाभ-अमृत सूर्योदय से 9:52 तक, शुभ 11:09 से 12:26 तक, चर 3:01 से 4:18 तक, लाभ 4:18 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 12:00 से 1:30 तक। सूर्योदय 7:17, सूर्यास्त 5:35 तक

मेष

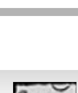

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। अटके हुए कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। आर्थिक मामलों में संतुलन बना रहेगा।

वृष

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

मिथुन

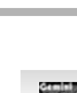

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। परिवार में स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है। आज नवीन कार्यों में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।

कर्क

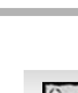

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में आपसी सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। आज परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

सिंह

अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों का निपटारा हो सकता है। अनहोनी की आशंका से बना हुआ मन का भय समाप्त होगा। स्वास्थ्य में सुधार होगा।

कन्या

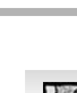

परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। आज समय रचनात्मक कार्यों में व्यतीत होगा।

तुला

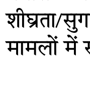

घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृश्चिक

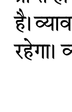

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। आज नये-पुराने मित्रों से मुलाकात हो सकती है। मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु

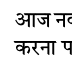

व्यावसायिक कार्यों के लिए बाहर जाना पड़ सकता है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को भागदौड़ रहेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। संभावित धन प्राप्त होगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

मकर

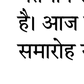

व्यावसायिक कार्य से संबंधित यात्रा संभव है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी।

कुंभ

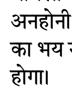

आज समय अनर्गल कार्यों में व्यतीत होगा। मन में असंतोष बना रहेगा। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। आज खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

मीन

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

सरकार हर बेटी, हर महिला के साथ

सम्मान, सुरक्षा और बेहतर भविष्य की पक्की बात

हर बेटी, हर महिला के साथ... यह सरकार की वह प्रतिबद्धता है, जो संवेदनशीलता को नीति और संकल्प को परिणाम में बदलती है। महिलाओं और बालिकाओं के जीवन को सुरक्षित, सम्मानजनक और आत्मनिर्भर बनाने के लिए सरकार ने कल्याण, शिक्षा, स्वास्थ्य, आजीविका और सुरक्षा से जुड़ी योजनाओं को एक मजबूत ढांचे में पिरोया है। ये पहल केवल सहायता तक सीमित नहीं हैं, बल्कि महिलाओं को आगे बढ़ने, निर्णय लेने और आत्मविश्वास के साथ जीवन जीने का आधार प्रदान कर रही हैं। स्वच्छ रसोई की सुविधा से लेकर उच्च शिक्षा तक पहुंच, आर्थिक संबल से लेकर सामाजिक सुरक्षा और सार्वजनिक स्थलों पर निर्भीकता, सरकार का प्रयास है कि हर बेटी और हर महिला को बराबरी का अवसर और सम्मान मिले। इन योजनाओं के माध्यम से सरकार ने नारीशक्ति को विकास की धुरी बनाते हुए एक समावेशी, सशक्त और संवेदनशील समाज की दिशा में ठोस कदम बढ़ाए हैं।

- रसोई गैस सब्सिडी योजना में गरीब परिवार की महिलाओं को घरेलू गैस सिलेंडर 450 रुपए में उपलब्ध
- कृषि अध्ययन के लिए 58,397 छात्राओं को 103 करोड़ रुपए की प्रोत्साहन राशि
- लाडो प्रोत्साहन योजना में 1.50 लाख रुपए सेवा बॉण्ड से 4.60 लाख बालिकाओं को मिला लाभ
- 12 लाख महिलाएं बनीं लखपति दीदी, नारी शक्ति उद्यम प्रोत्साहन योजना में 216 करोड़ रुपए के ऋण
- प्रधानमंत्री मातृ वंदन योजना में 9.92 लाख गर्भवती महिलाओं को 531 करोड़ रुपए की सहायता
- महिला अपराधों में 12 प्रतिशत की कमी, 65 एन्टी रोमियो स्क्वॉड का गठन

आगे बढ़ रही बेटी

राजस्थान में बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजनान्तर्गत 33,904 बेटी जन्मोत्सव समारोह आयोजित किए गए हैं। इसमें 1.95 लाख बालिकाओं के जन्मोत्सव मनाए गए तथा ग्राम पंचायतों पर 2.72 लाख वृक्षों का रोपण किया गया। इस योजना का उद्देश्य उन परिवारों की बेटियों को वित्तीय सहयोग देना है जो सरकारी स्कूलों में कक्षा 1 से 12वीं तक पढ़ाई कर रही हैं। आपकी बेटी छात्रवृत्ति योजना राजस्थान में हर पात्र छात्रा को 2,100 से 2,500 रुपए तक की वार्षिक छात्रवृत्ति प्रदान की जा रही है।

2 साल
नव उत्थान - नई पहचान
बढ़ता राजस्थान - हमारा राजस्थान

हर नारी का मान

मुख्यमंत्री एकल नारी पेंशन सम्मान योजना द्वारा विधवा, परित्यक्ता, अकेली महिलाओं व जरूरतमंद महिलाओं को मासिक पेंशन, आर्थिक सहायता दी जा रही है। इस योजना में करीब 6,234 करोड़ रुपए व्यय कर 19.24 लाख पेंशनर्स को लाभ दिया गया है।

दीदी बनी लखपति

प्रदेश में महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिए राजीविका मिशन के तहत 'लखपति दीदी' योजना का विस्तार किया गया है। इसके तहत करीब 19.45 महिलाओं को लखपति दीदी का प्रशिक्षण प्रदान कर 12.06 लाख महिलाओं को लखपति दीदी की श्रेणी में लाया जा चुका है।

बिटिया की शिक्षा की राह हुई सुगम

सरकार ने कालीबाई भील निशुल्क स्कूटी योजना और देवनारायण स्कूटी योजना के तहत नियमों में बड़ा बदलाव किया है। अब स्कूटी की राशि सीधे संबंधित एजेंसी के खाते में ट्रांसफर की जा रही है। योजना में 39,664 स्कूटियों का वितरण किया गया है।

महिला सुरक्षा- एक और बढ़ा कदम

राजस्थान सरकार ने महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा बढ़ाने के लिए महिला पुलिसकर्मियों की 500 'कालिका पेट्रोलिंग यूनिट' का गठन किया है। ये टीमें राज्य के भीड़-भाड़ वाले स्थानों, जैसे कॉलेज, मॉल और धार्मिक जगहों पर गश्त करती हैं। यूनिट की वर्दी को खास डिजाइन किया गया है। इनके स्कूटर और हेलमेट काले रंग के हैं और वर्दी पर पीछे की ओर नियॉन मोनोग्राम होता है।

स्वच्छ ईंधन से सेहत

गरीब परिवार की महिलाओं को हानिकारक धुएं से बचाकर सम्बल प्रदान करने के लिए एक जनवरी, 2024 से रसोई गैस सिलेण्डर सब्सिडी योजना के अंतर्गत प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के चिह्नित लाभार्थियों तथा बीपीएल परिवारों (राजस्थान राज्य के) को रसोई गैस सिलेण्डर केवल 450 रुपए में उपलब्ध कराया जा रहा है। इसके लाभार्थियों को 4.82 करोड़ गैस सिलेण्डर रिफिलिंग कर 867 करोड़ रुपए की सब्सिडी दी गई है।

खिलखिला रही लाडो

लाडो प्रोत्साहन राशि पहले एक लाख थी जिसे भजनलाल सरकार ने बढ़ाकर अब 1.50 लाख रुपए कर दिया गया है। अब तक 4.60 लाख बालिकाएं प्रथम किस्त से लाभान्वित हो चुकी हैं। योजना में परिवार को राजस्थान में बेटी के जन्म पर सेविंग बॉन्ड कुल सहायता राशि 1.5 लाख कुल 7 किस्तों में (जन्म, टीकाकरण, स्कूल-प्रवेश, कक्षा-उत्थान, स्नातक आदि के समय) दी जाती है। यह योजना स्वचलित है और इसके लिए अलग से फार्म भरने की जरूरत नहीं है।

किसान और पशुपालक के हित में ठोस प्रयास

खेत से घर तक विकास की नीति बनी ग्रामीण उत्थान का मजबूत आधार

ग्रामीण अंचलों की वास्तविक जरूरतों को समझते हुए और किसानों-पशुपालकों के हर संघर्ष को अपना दायित्व मानते हुए राज्य सरकार ने विकास की ऐसी समग्र रूपरेखा तैयार की है, जिसमें सेवा, सुरक्षा और सशक्तीकरण तीनों का संतुलित समावेश दिखाई देता है। खेती और पशुपालन को केवल आजीविका नहीं, बल्कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ मानकर सरकार ने नीतियों को जमीन से जोड़ते हुए उन्हें परिणामोन्मुख बनाया है। दूरदराज गांवों और रेगिस्तानी क्षेत्रों तक पशु चिकित्सा सेवाओं की पहुंच हो, किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य और समय पर भुगतान मिले, फसलों को प्राकृतिक आपदाओं से सुरक्षा मिले, सिंचाई और बिजली की समस्याओं का समाधान हो या फिर डिजिटल तकनीक के माध्यम से पारदर्शिता और सरलता सुनिश्चित करनी हो, हर मोर्चे पर सरकार की मंशा स्पष्ट और प्रयास प्रभावी नजर आते हैं। इन योजनाओं के माध्यम से सरकार ने न केवल आर्थिक सहायता प्रदान की है, बल्कि किसानों और पशुपालकों में विश्वास, आत्मबल और भविष्य के प्रति आश्वस्ति भी पैदा की है। ये पहल इस बात का प्रमाण हैं कि सरकार का विकास मॉडल कागजों तक सीमित नहीं, बल्कि गांव की चौपालों तक उपस्थिति दर्ज करा रहा है।

76.18 लाख किसानों को मिला 'सम्मान'

राज्य में वर्ष 2024-25 के बजट में मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि योजना प्रारम्भ करने की घोषणा के बाद लाभार्थियों को हर साल 2,000 रुपए तीन किस्तों में देने की शुरुआत हुई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने इस 2,000 की आर्थिक सहायता को बढ़ाकर 2025-26 में 3,000 रुपए कर दिया। योजना में किसानों को हर साल तीन किस्तों में 3,000 रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। अब तक योजना में 71.79 लाख किसानों को 2,073 करोड़ रुपए से अधिक की राशि हस्तांतरित की जा चुकी है। इसी प्रकार प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के अन्तर्गत प्रदेश के 76.18 लाख किसानों को अब तक 8 हजार 359 करोड़ रुपए की राशि उनके खातों में स्थानान्तरित की जा चुकी है।

सरकार की पहल से आसान हुई खेती

ब्याज-मुक्त फसली ऋण सुविधा के माध्यम से सरकार किसानों को किफायती और समय पर ऋण उपलब्ध कराने की बड़ी पहल कर रही है। इस योजना के तहत अब तक 77.74 लाख से अधिक किसानों को 44,355 करोड़ रुपए से अधिक का फसली ऋण वितरित किया जा चुका है। समय पर भुगतान करने वाले किसानों को ब्याज सब्सिडी का लाभ मिलता है, जिससे उनकी खेती की लागत वहन करना आसान होता है और बीज, खाद व कीटनाशक जैसी आवश्यक सामग्री समय पर उपलब्ध हो पाती है। नवीन कृषकों को 446.24 करोड़ रुपए के फसली ऋण वितरित किए गए हैं।

634.22 करोड़ रुपए के ऋण

डेयरी से संबंधित गतिविधियों के लिए एक लाख रुपए तक ब्याज मुक्त अल्पकालीन ऋण उपलब्ध कराने के लिए राजस्थान सहकारी गोपाल क्रेडिट कार्ड ऋण योजना लागू की गई है। इसमें 84,604 पात्र गोपालक परिवारों को 634.22 करोड़ रुपए का ऋण स्वीकृत किया गया है। सभी दस्तावेज पर स्टाम्प ड्यूटी माफ की गई है।

गांव-गांव पहुंचा उपचार

मोबाइल वेटरिनरी यूनिट पशुपालन विभाग की ऐसी पहल है, जिसके जरिए दूरदराज गांवो में पशुओं को चिकित्सा उपलब्ध करवाई जा रही है। इसमें 536 मोबाइल वाहनों से करीब 58.64 लाख पशुओं का उपचार कर 14 लाख 48 हजार से अधिक पशुपालकों को लाभान्वित किया गया है।

6206.61 करोड़ के क्लेम वितरित

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना 2016 में लागू की गई है। योजना में किसानों की फसल को बुआई से लेकर कटाई होने के बाद तक आने वाली मौसम की मार या प्राकृतिक आपदाओं से सुरक्षा दी जाती है। इससे किसान बिना डर के खेती कर सकते हैं और नुकसान होने पर उन्हें मुआवजा भी मिलता है। बीते दो साल में योजना के तहत अब तक 6206.61 करोड़ रुपए के बीमा क्लेम वितरित किए गए हैं एवं देश में सर्वाधिक 2.19 करोड़ बीमा पॉलिसियों का सृजन किया गया है।

खेती, पशुपालन और तकनीक का अपूर्व संगम

जनकल्याण से कृषक आत्मनिर्भरता तक समावेशी विकास

हर मुश्किल में सरकार साथ

मुख्यमंत्री कृषक साथी सहायता योजना में किसानों को खेती करते समय दुर्घटनाग्रस्त होने पर वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है। योजना के तहत आकस्मिक मृत्यु या स्थायी अंग-भंग होने की स्थिति में आर्थिक मदद सरकार की ओर से दी जाती है। योजना में 5,415 लाभार्थियों को 85.41 करोड़ रुपए की सहायता की गई है। इसके अलावा पीएम-कुसुम योजना के तहत राज्य में देश की सबसे अधिक क्षमता वाली विकेन्द्रित सौर ऊर्जा परियोजनाएं स्थापित की गई हैं।

बढ़कर मिल रहा बोनस

प्रदेश में वर्ष 2024-25 में गेहूं के समर्थन मूल्य 2,275 रुपए प्रति क्विंटल के ऊपर 125 रुपए एवं वर्ष 2025-26 में राजस्थान कृषक समर्थन योजना के अन्तर्गत गेहूं के समर्थन मूल्य 2425 रुपए प्रति क्विंटल के ऊपर 150 रुपए का बोनस प्रदान कर 2575 रुपए प्रति क्विंटल पर गेहूं खरीदकर किसानों को लाभान्वित किया गया। इस योजना में 2.66 लाख किसानों से 33.42 लाख मैट्रिक टन गेहूं खरीदा गया है और उन्हें 471.16 करोड़ रुपए बोनस दिया गया है।

तारबंदी योजना से मिली सुरक्षा

तारबंदी योजना के अंतर्गत आवारा पशुओं से फसल को सुरक्षा प्रदान करने के लिए किसानों के खेतों में फेंसिंग (तारबंदी) पर अनुदान दिया जाता है। किसानों को 50 प्रतिशत तक अनुदान दिया जाता है, जिसकी अधिकतम सीमा 40 हजार रुपए निर्धारित है। लघु एवं सीमांत किसानों को 60 प्रतिशत तक, अधिकतम 48 हजार रुपए अनुदान दिया जाता है। करीब 31,357 किलोमीटर की तारबंदी स्थापित कर 330 करोड़ रुपए से अधिक अनुदान दिया गया है।

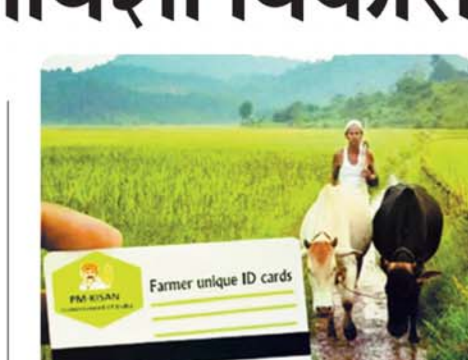

किसान की नई डिजिटल पहचान

किसान डिजिटल आइडी के माध्यम से किसानों को सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे और पारदर्शी तरीके से प्रदान किया जा रहा है। अब तक लगभग 75 लाख किसानों को यह डिजिटल पहचान उपलब्ध कराई जा चुकी है। इससे लाभार्थी सत्यापन सरल हो गया है, योजनाओं का लाभ एक क्लिक पर मिल जाता है। एग्रीस्टेक योजनान्तर्गत डिजिटल कृषि पहल के अंतर्गत फार्मर रजिस्ट्री एवं डिजिटल क्रॉप सर्वे गिरदावरी योजनाएं शुरू की गईं।

जैसलमेर में तीस हजार की रिश्वत लेते रीको सेक्शन ऑफिसर गिरफ्तार

पत्रावली से जुड़े दस्तावेजों को ऑनलाइन करने और काम शुरू करने की अनुमति देने के बदले 30 हजार रुपए की रिश्वत मांगी थी

जैसलमेर, (निसं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की टीम ने मंगलवार को रीको ऑफिस में बड़ी कार्रवाई की। एसीबी जोधपुर की टीम ने रीको ऑफिस के अनुभाग अधिकारी भवानीशंकर स्वामी को परिवादी से 30 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया।

एसीबी मुख्यालय के अनुसार परिवादी की भाभी के नाम किशनघाट औद्योगिक क्षेत्र में एक प्लॉट आवंटित था, जिसे रीको ने वर्ष 2024 में निरस्त कर दिया था। अपील के बाद प्लॉट को दुबारा बहाल तो कर दिया गया, लेकिन आरोपी भवानीशंकर स्वामी पत्रावली से जुड़े दस्तावेजों को ऑनलाइन करने और मौके पर काम शुरू करने की अनुमति देने के बदले 30 हजार रुपए की मांग कर रहा था। रिश्वत की मांग से परेशान होकर परिवादी ने एसीबी जोधपुर में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत का सत्यापन होने

रीको ऑफिस का अनुभाग अधिकारी भवानीशंकर स्वामी

के बाद एसीबी के उप महानिरीक्षक भुवनभूषण यादव के निर्देश पर एक टीम गठित की गई। एएसपी ओमप्रकाश चौधरी के नेतृत्व में उप अधीक्षक किशनसिंह चारण और उनकी टीम ने जाल बिछाया, जिसके बाद आरोपी को रंगे हाथों रिश्वत की राशि लेते हुए पकड़ लिया गया।

एसीबी की अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस स्मिता श्रीवास्तव ने बताया कि आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। औद्योगिक विकास से जुड़े महत्वपूर्ण विभाग में इस तरह की घूसखोरी ने विभाग की छवि पर सवाल खड़े कर दिए हैं। उन्होंने कहा कि एसीबी ने आमजन से अपील की है कि यदि कोई भी सरकारी अधिकारी या कर्मचारी जायज काम के लिए रिश्वत की मांग करता है, तो टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबर 1064 या वॉट्सऐप नंबर पर निर्भय होकर सूचना दें। मामले में विभागीय स्तर पर तेजी से कार्रवाई की जाएगी और रिश्वत लेने वालों की धरपकड़ की जाएगी।

जयपुर में बीएड कॉलेज की निदेशक को रिश्वत लेते पकड़ा

- बीएड स्टूडेंट की अटेंडेंस पूरी करने के बदले रिश्वत मांगी थी

जयपुर, (निसं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की जयपुर स्पेशल यूनिट (प्रथम) टीम ने कार्रवाई करते हुए मीरा केशव महिला शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय ग्राम मदाउ (मानसरोवर) तहसील सांगानेर जयपुर की निदेशक भंवर कंवर को परिवादी से 4500 रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया गया है। यह रिश्वत बीएड स्टूडेंट की अटेंडेंस पूरी करने के बदले मांगी गई थी।

एसीबी के डीजी गोविंद गुप्ता ने बताया कि एसीबी जयपुर स्पेशल यूनिट (प्रथम) को परिवादी ने शिकायत दी थी कि मीरा केशव शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र, मदाऊ (मानसरोवर) की निदेशक भंवर कंवर उसकी अटेंडेंस पूरी करने के बदले पांच हजार रुपए की रिश्वत मांग रही है, जिस पर एसीबी के डीआईजी अनिल कायल के सुपरविजन में शिकायत का सत्यापन करवाया गया। सत्यापन में शिकायत सही पाए जाने पर पुलिस निरीक्षक अर्चना मीणा के नेतृत्व में टीम ने ट्रेप की कार्रवाई करते हुए मीरा केशव महिला शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय की निदेशक भंवर कंवर को 4500 रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया गया है।

अज्ञात महिला का शव मिला

सरवाड़, (निसं)। निकटवर्ती गांव गोयला में मंगलवार को पाइप लाइन डालने के लिए खोदे गए एक गहरे गड्ढे में अज्ञात महिला का शव मिलने से सनसनी फैल गई। शव मिलने की सूचना मिलते ही सरवाड़ थानाधिकारी रामपाल शर्मा जाब्ते के साथ मौके पर पहुंचकर जानकारी ली। वहीं मौके पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार मील एवं पुलिस उप अधीक्षक हर्षित शर्मा भी घटनास्थल पर पहुंचे और जानकारी ली। फिलहाल महिला की पहचान नहीं हो पाई है। प्रारंभिक जांच एवं शव की स्थिति को देखते हुए पुलिस का अनुमान लगाया जा रहा है कि मौत तीन-चार दिन पहले हुई है। वहीं महिला की उम्र लगभग 35 वर्ष के बीच बताई जा रही है। पुलिस ने मृतका के हुलिए का विवरण जारी कर शिनाख्तगी के प्रयास शुरू कर दिए है। वहीं पुलिस के अनुसार महिला ने सलवार सूट पहन रखा है व दाएं हाथ में लाल रंग की चूड़ियां वाएं हाथ में घड़ी व लच्छा कलावा बंधा हुआ है। साथ ही महिला ने पैरों में पायजेब व नाक में लौंग पहनी हुई है। पुलिस ने शव को गड्ढे से बाहर निकलवाकर एम्बुलेंस के जरिए, केकड़ी स्थित राजकीय जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया।

- पुलिस का अनुमान है कि महिला की मौत तीन-चार दिन पहले हुई है

विभिन्न पदों पर भर्ती के लिए विज्ञापन जारी

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा राज्य विधि विज्ञान प्रयोगशाला के लिए सहायक निदेशक – डीएनए डिवीजन के 8 एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी – डीएनए डिवीजन के 12, सेरोलॉजी डिवीजन के 3, नारकोटिक्स डिवीजन के 1, बायोलॉजी डिवीजन के 2 तथा केमिस्ट्री डिवीजन के 2 कुल 28 पदों पर भर्ती का विज्ञापन जारी किया गया है। शैक्षणिक योग्यता, वर्गवार वर्गीकरण एवं अन्य जानकारी संबंधी विस्तृत सूचना आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है। आयोग सचिव ने बताया कि उक्त पदों के लिए ऑनलाइन आवेदन 29 दिसंबर 2025 से 27 जनवरी 2026 की रात्रि 12 बजे तक किए जा सकेंगे। ऑनलाइन आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे। परीक्षा तिथि व स्थान के संबंध में यथासमय सूचित कर दिया जाएगा।

कार्यालय उपवन संरक्षक धौलपुर

क्रमांक-उ.व.सं.धौ./लेखा/निविदा/2025-26/7208 दिनांक-17.12.2025

Notice Inviting Bid

Bid for central nusrery dholpur upgradation work are invited from intrested bidders upto 2.00 PM 26.12.2025. other particulars of bid may be visited on the procurement portal http://sppp.raj.nic.in or https://eproc.rjasthan.gov.in/ of the state. The Approximate Value of Procurement is 19.40 Lakhs.

UBN NO. FOR2526WSOB03963

उपवन संरक्षक धौलपुर

DIPR/C/18824/2024

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग वृत डूंगरपुर

Mai: sepheddpr@gmail.com

क्रमांक-अअ/वृत/तक/निविदा/2025-26/1128-1134 दिनांक-16.12.2025

ई-निविदा सूचना संख्या 25-26/2025-26

जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग वृत डूंगरपुर के अधीन कार्य हेतु ऑनलाइन बिड आमंत्रित की जाती है। बिड से सम्बन्धित समस्त जानकारी प्रोक्योरमेंट पोर्टल http://eproc.rajasthan.gov.in व http://sppp.raj.nic.in पर देखी जा सकती है।

एन.आई.बी. नम्बर- PHE2526A4821, NIT NO. 25/2025-26 PHE2526WSOB09905, NIT NO. 26/2025-26 PHE2526WSOB09906

अधीक्षण अभियन्ता जन स्वा अभि विभाग वृत डूंगरपुर

DIPR/C/18891/2025

अलवर में लोहा व्यापारी के गोदाम पर जीएसटी का छापा

अलवर, (निसं)। अलवर के प्रतापगढ़ में दौसा रोड स्थित गोविंद मशीनरी स्टोर, अलवर के ट्रांसपोर्ट नगर व किशनगढ़बास में एग्रीकल्चर व्यापारी पर जीएसटी विभाग की टीम ने छापा मारा। यहां करीब 50 लाख रुपए की कर चोरी हाथोंहाथ पकड़ी और 50 लाख रुपए की रसीद कटी।

- 50 लाख रुपए से अधिक कर चोरी पकड़ी, अधिकारी खुलासा करने से बच रहे

सोमवार व मंगलवार को दो दिन तक जीएसटी विभाग की टीम अलवर में सक्रिय है। तीन जगहों पर छापा मारा। जहां पर टैक्स चोरी भी पकड़ ली। करीब 50 लाख रुपए की टैक्स चोरी की तुरंत रसीद काट दी, बाकी जांच भी आगे की जाएगी। विभाग की छापेमारी से अन्य बड़े व्यापारियों में डर दिखा। कइयों ने प्रतिष्ठान ही बंद रखे। प्रतापगढ़ के अलावा ट्रांसपोर्ट में ट्रेलर बनाने वाले व किशनगढ़बास में एग्रीकल्चर व्यापारी के यहां टैक्स चोरी पकड़ी है।

अलवर में व्यापारी के गोदाम पर जीएसटी टीम ने छापा मारा।

प्राप्त जानकारी के अनुसार जीएसटी इंस्पेक्टर जितेंद्र शर्मा के नेतृत्व में विभाग की टीम मौके पर पहुंची और व्यापार से जुड़े रिकॉर्ड की जांच की। टीम ने खरीद-फरोख्त से संबंधित बिल, रजिस्टर, कंप्यूटर डेटा एवं स्टॉक का मिलान किया। कार्रवाई के दौरान गोदाम पर किसी को भी अंदर-बाहर जाने की अनुमति नहीं दी गई। बताया जा रहा है कि यह कार्रवाई कर चोरी की आशंका को लेकर की गई है। हालांकि विभाग की ओर से अभी तक किसी प्रकार की आधिकारिक जानकारी या निष्कर्ष सार्वजनिक नहीं किया गया है। जांच पूरी होने के बाद ही आगे की कार्रवाई या संभावित जुर्माने को लेकर स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

अजमेर कलैक्ट्रेट को बम से उड़ाने की फिर धमकी मिली

पिछले 20 दिनों में तीसरी बार है जब जिला प्रशासन को इस तरह की धमकी मिली है

अजमेर, (कासं)। अजमेर जिला कलैक्ट्रेट परिसर में मंगलवार सुबह उस वक्त हड़कंप मच गया, जब जिला प्रशासन की आधिकारिक ई-मेल आईडी पर एक धमकी भरा मेल प्राप्त हुआ। मेल में कलैक्ट्रेट को बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी। यह पिछले 20 दिनों में तीसरी बार है जब जिला प्रशासन को इस तरह की धमकी मिली है।

जिला प्रशासन के अधिकारियों के अनुसार सुबह मेल आईडी पर एक ई-मेल आया। इस ई-मेल में दावा किया गया कि कलैक्ट्रेट परिसर में अलग-अलग जगहों पर विस्फोटक प्लांट किए गए हैं और कुछ ही देर में धमाका होगा।

ई-मेल भेजने वाले ने प्रशासन को चुनौती देते हुए कहा कि 'अगर बचा सकते हो तो बचा लो।' धमकी मिलते ही जिला प्रशासन ने तुरंत पुलिस को सूचित किया। सूचना मिलते ही पुलिस के आला अधिकारी, ईआरटी, डॉग स्क्वॉड और बम निरोधक दस्ता मौके पर पहुंच गए। एहतियात के तौर पर पुलिस ने तुरंत पूरे कलैक्ट्रेट परिसर को खाली करवा लिया। कर्मचारियों और आम जनता को बिल्डिंग से बाहर सुरक्षित स्थान पर भेज दिया गया है।

- कलैक्ट्रेट परिसर खाली करवाकर सर्च ऑपरेशन चलाया, कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली

ईआरटी और बम स्क्वॉड की टीमों ने चप्पा-चप्पा छाना। पार्किंग स्टैंड, गार्डन और ऑफिस के कमरों की बारीकी से जांच का गई। हालांकि, कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली है।

पहले भी मिल चुकी हैं धमकियां :- गौरतलब है कि इससे पहले भी 4 दिसंबर और 10 दिसंबर को अजमेर कलैक्ट्रेट और कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकियां मिली थी। जांच के बाद वे दोनों धमकियां फर्जी साबित हुई थी। पुलिस सायबर सेल अब उस आईपी एड्रेस को ट्रेस करने की कोशिश कर रही है जहां से यह मेल भेजा गया है, ताकि आरोपी को जल्द से जल्द गिरफ्तार किया जा सके। बार-बार मिल रही इन धमकियों के कारण प्रशासनिक कामकाज बुरी तरह प्रभावित हुआ है और कर्मचारियों में भी दहशत का माहौल है।

राजस्थान महिला निधि क्रेडिट को-ऑपरेटिव फेडरेशन लि., जयपुर

Third floor, B-Block, Udyog Bhawan, C-Scheme, Jaipur-302001

क्रमांक:- रा.म.नि./स.म.नि./2025-26/3470 दिनांक:- 23/12/2025

राजस्थान महिला निधि चतुर्थ वार्षिक साधारण-सभा (AGM) वर्ष-2025

राजस्थान महिला निधि क्रेडिट को-ऑपरेटिव फेडरेशन लि. जयपुर की चतुर्थ वार्षिक साधारण-सभा (AGM) का दिनांक 30.12.2025 प्रातः 11.00 बजे राज्य कृषि प्रबंधन संस्थान, दुर्गापुरा, जयपुर के सभा भवन में आयोजित किया जाना प्रस्तावित है जिसकी सूचना सदस्य राजीविका महिला सर्वांगीण विकास सहकारी समितियों को उनके पंजीकृत पतों पर भिजवाई जा चुकी है। उक्त बैठक में दिनांक 31 मार्च 2025 तक के सभी सदस्य महिला सर्वांगीण विकास सहकारी समितियों के अध्यक्ष को सम्मिलित होने हेतु सार्वजनिक सूचना प्रेषित है।

राज.संवाद/सी/25/16348 मुख्य कार्यकारी अधिकारी

राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय

सेक्टर-18, कुम्भा मार्ग, प्रताप नगर, जयपुर-302033, दूरभाष: 0141-279515, 0141-2795508, 2795536, Email: registrar@ruhsraj.org, ruhsstore@gmail.com

No.:- F.6( ) RUHS/Store/2025-26/32374 Date :- 20/12/2025

(ई-निविदा सूचना)

राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, जयपुर में रद्दी सामग्री (प्रयुक्त उत्तरपुस्तिकाएं, प्रयुक्त लिफाफे, लोहे के बक्से, ओ.एम.आर. शीट, अखबार इत्यादि) बिक्री (नीलामी) के लिये दरें प्राप्ति हेतु दिनांक 30.12.2025 को दोपहर 02:00 बजे तक ई- करने हेतु ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। (कुल अनुमानित लागत 60.00 लाख) निविदा से संबंधित समस्त सूचना हेतु ई-निविदा प्रपत्र वेबसाईट http://sppp.raj.nic.in or www.ruhsraj.org. or http://eproc.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है। UBN No. RUH2526WSOB00020

राज.संवाद/सी/25/16325 कुलसचिव

राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद

(ग्रामीण विकास परिषद)

No. :- F.21/RD/RGAVP/KM/Social Media Agency/2025-26/12979 Dated :- 19/12/2025

Notice Inviting Bid

Bids for invite open competitive Bid (E-Bid) to Invite for Selection of Professional Social Media Agency for RGAVP are invited from interested bidders up to 29.12.2025 (time) 11.00 A.M. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the state; and http://www.rajeevika.rajasthan.gov.in. The approximate value of the procurement is Rs 24,50,000. NIB:- RGA2526A0249

UBN:- RGA2526SLOB00307

Project Director (Admin) RGAVP, Jaipur

Raj.Samwad/C/25/16340

अवैध खनन के दौरान मजदूर की मौत पर परिजनों का हंगामा

आरोप है कि मिलीभगत से अवैध खनन हो रहा है

मदनगंज-किशनगढ़, (निस)। राजारेडी पहाड़ियों में अवैध खनन के दौरान हादसे में एक मजदूर की मौत हो जाने पर परिजनों ने उचित मुआवजे की मांग को लेकर हंगामे के बीच शव की सुपुर्दगी लेने से इंकार कर दिया। इनका आरोप था कि मिलीभगत से अवैध खनन हो रहा है, खनन माफिया के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मुआवजा दिलाया जाये। विधायक विकास चौधरी ने अस्पताल पहुंचकर समझाइश के जरिये मामले को शांत कराया।

जानकारी के अनुसार दो दिन पूर्व राजारेडी पहाड़ी में जोगियो का नाड़ा निवासी राजूनाथ की पत्थरों के नीचे दबने से मौत हो गई। पुलिस ने जेसीबी की मदद से काफी मशक्कत के पश्चात शव को बाहर निकालकर अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। मजदूर को पत्थर के नीचे दबा देख खनन माफिया मौके से फरार हो गया। दूसरे दिन मृतक के परिजनों के साथ बड़ी संख्या में समाज बंधु अस्पताल में एकत्रित हो गये। तनावपूर्ण स्थिति के बीच नारेबाजी कर अपनी जायज मांग पर अड़ गये और कहा कि जब तक न्याय नहीं मिल जाता तब तक शव का पोस्टमार्टम नहीं कराया जायेगा।

- परिजनों ने हंगामा कर शव की सुपुर्दगी लेने से किया इंकार, समझाइश के बाद मामला शांत हुआ

इस दौरान विधायक डॉ. विकास चौधरी ने अस्पताल पहुंचकर पुलिस पर अवैध खनन कराने का आक्षेप लगाते हुए कहा कि किसकी शह पर अवैध खनन हो रहा, सब कुछ जगजाहिर है। लम्बे समय से क्षेत्रवासियों द्वारा की जा रही शिकायत के बावजूद पहाड़ियों पर अवैध खनन के कारोबार को बंद क्यों नहीं कराया।

विधायक चौधरी की मध्यस्था में उचित मुआवजा देने के अलावा नामजद आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने एवं रिपोर्ट देने के आश्वासन के बाद मामला शांत हो सका। मदनगंज थाना पुलिस ने पोस्टमार्टम की कार्रवाई के बाद शव परिजनों को सौंप दिया।

अवैध खनन करते पांच वाहन जब्त

टोंक, (निसं)। दूनी थाना क्षेत्र में स्थित पहाड़ी क्षेत्र में अवैध चेजा पत्थरों का खनन करते हुए आठ वाहनों को जब्त कर पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। दूनी थाना प्रभारी रतन सिंह हाड़ा ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर सरदारपुरा के पास वन क्षेत्र की पहाड़ियों में अवैध चेजा पत्थर का खनन करने वालों पर कार्रवाई करते हुए थाना पुलिस टीम ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर मौके से दो एलएनटी समेत पांच वाहन भी जब्त किए हैं। आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर गिरफ्तार किए हुए आरोपियों को कोर्ट में पेश किया जायेगा। पुलिस ने कार्रवाई के बाद आवां वन चौकी प्रभारी सत्यनारायण भील और वन रक्षक शिवराज गुर्जर को सूचना देकर बुलाया, बाद में उन्होंने कार्रवाई की सूचना वन विभाग के उच्चाधिकारियों को दी, जहां से अवैध चेजा पत्थरों के खनन और परिवहन में प्रयुक्त दो एलएनटी मशीनें, पत्थरों से भरे दो डंपर समेत पांच वाहनों को जब्त किया गया।

दुष्कर्म पीड़िता को बयान बदलने धमकी दी, दो गिरफ्तार

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर की कोतवाली पुलिस ने गैंगरेप पीड़िता को कोर्ट में बयान बदलने के लिए धमकाने और उसके साथ मारपीट करने के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। चौंकाने वाली बात यह है कि गिरफ्तार आरोपियों में पीड़िता का अपना सगा भाई भी शामिल है, जो लालच में आकर अपनी ही बहन पर दबाव बना रहा था।

- गिरफ्तार आरोपियों में पीड़िता का अपना सगा भाई भी शामिल है

जानकारी के अनुसार पीड़िता ने कोतवाली थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसने पूर्व में अशरफ, शाहरूख, आमिर सहित नौ लोगों के खिलाफ गैंगरेप का मामला दर्ज कराया था। पुलिस उन सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है और मामला फिलहाल कोर्ट में विचाराधीन है। पीड़िता का आरोप है कि जब से कोर्ट में चालान पेश हुआ है, तभी से उसका भाई अपने साथी नवीन सबनानी और रमेश सबनानी के साथ मिलकर उस पर बयान बदलने का दबाव बना रहा है। पीड़िता ने बताया कि आरोपी उसे धमकाते हैं और उसके साथ मारपीट करते हैं ताकि वह कोर्ट में आरोपियों के पक्ष में गवाही दे दे। आरोपियों ने पीड़िता से कुछ खाली कागजों पर जबरन हस्ताक्षर भी करवा लिए थे। मामले की गंभीरता को देखते हुए जिला पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र सिंह के निर्देश पर एक विशेष टीम का गठन किया गया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पारस जैन और वृताधिकारी सज्जन सिंह राठौड़ के सुपरविजन में कोतवाली थानाधिकारी शिवराज गुर्जर की टीम ने आरोपियों की तलाश शुरू की। पुलिस टीम ने मुखबिरों और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर घेराबंदी कर दो मुख्य आरोपियों को धर दबोचा। पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है।

कार्यालय कृषि उपज मंडी समिति (फल एवं सब्जी) जयपुर

महात्मा ज्योतिबा फूले मुख्य मण्डी प्रांगण, ई-मेल kums.jaipurfv@rajasthan.gov.in

क्रमांक:- 3915 दिनांक :- 18/12/2025

ई-निविदा सूचना

कार्यालय कृषि उपज मण्डी समिति (फल एवं सब्जी) जयपुर द्वारा महात्मा ज्योतिबा फुले मुख्य मण्डी परिसर मुहाना तथा गौण मण्डी जनता मार्केट एवं शाहपुरा में सुरक्षा व्यवस्था कार्य हेतु निविदा संख्या 22/2025-26 हेतु सुसंगत, अनुभवी एवं पंजीकृत फर्मों से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेन्ट निविदाएं आमन्त्रित की जाती है। निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण http://sppp.rajasthan.gov.in, https://eproc.rajasthan.gov.in एवं विभागीय वेबसाईट https://agriculture.rajasthan.gov.in/rsamb पर देखा जा सकता है।

UBN No.:- DAM2526GLRC01084

सचिव कृ.उ.म.स. (फ.स.) जयपुर

राज.संवाद/सी/25/16351

कार्यालय नगरपालिका रामगंजमण्डी जिला-कोटा (राज0)

क्रमांक : न.पा.रा. / 2025 / 1522 दिनांक 19.12.2025

ई-निविदा सूचना 22/2025-26

नगरपालिका रामगंजमंडी द्वारा कार्यों हेतु पालिका में पंजीकृत एवं विभागों में AA,A,B, Class एवं उपयुक्त श्रेणी संवेदकों से लिफाफा पद्धति / ई-निविदा पद्धति से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। कार्य की निविदा बेचे जाने की दिनांक 19.12.2025 से 25.12.2025 एवं अपलोड करने की दिनांक 19.12.2025 से 25.12.2025 सांय 6 बजे तक। ई.एम.डी. / निविदा शुल्क / प्रोसेसिंग फीस प्राप्त करने की तिथि : 26.12.2025 समय प्रातः 11.00 बजे तक। तकनीकी बिड खोलने कि दिनांक 26.12.2025 को दोप. 2.00 बजे बाद रहेगी। वित्तीय बिड तकनीकी परीक्षण उपरांत खोली जायेगी। निविदा शर्तें आदि सम्पूर्ण विवरण http://sppp.raj.nic.in, http//eproc.rajasthan.gov.in देखी जा सकती है।

SR.NO	NIB	UBN
1	DLB2526A9316	DLB2526WSOB27845

अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका रामगंजमण्डी

राज.संवाद / सी / 25 / 16264

जेएनवीयू में 1475 पेंशनर्स को चार माह से पेंशन नहीं मिली

- पेंशनधारक हैड ऑफिस में अपनी मांगों को लेकर धरने पर बैठे, कुछ दिनों पहले भी किया था प्रदर्शन
- पेंशनर्स ने कुलगुरु को रोका और उनसे जल्द समाधान करने की बात की, इस बीच कुलगुरु के साथ धक्का-मुक्की भी हुई

जोधपुर, (कासं)। जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय (जेएनवीयू) में 1475 पेंशनर्स को चार माह से पेंशन नहीं मिल पाई है। कुछ दिनों पहले किए गए प्रदर्शन के बाद आज एक फिर ये पेंशनधारक हैड ऑफिस में अपनी मांगों को लेकर धरने पर बैठ गए। पेंशनर्स ने वहां से निकल रहे कुलगुरु प्रो. पवन कुमार शर्मा को रोका और उनसे जल्द समाधान करने की बात की। इस बीच बातचीत में उग्रता होने से कुलगुरु के साथ धक्का-मुक्की भी हुई। कुलगुरु ने आरोप लगाया कि उनको गर्दन पकड़ कर गिराया गया। उनके पैर में चोट आई, जिसके बाद पुलिस को बुलाया गया। एंबुलेंस से उनको अस्पताल ले जाया गया। वहीं पुलिस दो पेंशनर्स नेताओं को पकड़कर थाने ले गई। एसीपी छवि शर्मा ने बताया कि पेंशनर्स के प्रदर्शन के दौरान कुलगुरु की धक्का-मुक्की होने से उनको चोट आई है। उनकी रिपोर्ट पर कार्रवाई की जाएगी। उपचार के लिए उनको अस्पताल भेजा गया।

घटना के बाद मौका रिपोर्ट पर जेएनवीयू पेंशनर्स सोसायटी के अध्यक्ष के अध्यक्ष रामनिवास व अशोक व्यास को भगत की कोठी थाना पुलिस अपने साथ में लेकर चली गई। दरअसल आज पेंशनर्स की बैठक थी, लेकिन वृहस्पति भवन में अनुमति नहीं मिलने पर उसके बाहर ही बैठ कर मीटिंग करने लगे। कुलगुरु प्रो. पवन कुमार शर्मा वहां से निकल रहे थे तो कुछ पेंशनर्स ने उनकी गाड़ी को सामने जाकर रोका, जिसके बाद वे नीचे उतरे थे। कुलगुरु ने बताया कि जो लोग सामने थे वे उनसे बात नहीं करना चाहते थे। बिना अनुमति व पूर्व नोटिस के वे एकत्र हुए थे। ऐसे में उन्होंने पूर्व वीसी प्रो. गंगाराम जाखड़ को इशारा कर बुलाया। इस दौरान ही दो लोगों ने उनके साथ धक्का-मुक्की की और उनको गिरा दिया था।

पेंशनर्स संघ के नेता अशोक व्यास ने मारपीट के आरोपों को नकारा है। उन्होंने कहा कि चार माह से हम पेंशन के लिए संघर्षरत है। हमें बैठक की अनुमति नहीं दी गई, इसीलिए हम आज यहां एकत्र हुए थे। हमारे किसी व्यक्ति ने मारपीट नहीं की। हो सकता है कि वे खुद ही उलझ कर गिर गए हो।

पूर्व कुलगुरु बीएस राजपुरोहित ने कहा कि विश्वविद्यालय ने टकराव की स्थिति अपनाई है। हमें डराया जा रहा है। वृहस्पति भवन में हमें बैठक करने से मना किया गया। हमारा कार्यालय बंद कर दिया गया है। चार माह से हमें पेंशन नहीं मिली है। पूरे वित्तीय वर्ष में विश्वविद्यालय ने अपने संसाधन से एक माह की भी पेंशन नहीं दी है। पेंशन के लिए 50 करोड़ का जो लोन लिया गया, उससे ही पेंशन दी गई। कुलगुरु का दायित्व था कि वे खुद आकर बात करते। हमारे लोगों ने रोकने का प्रयास किया। इसके बाद वे खुद उतरे, हमारी तरफ से कोई दुर्व्यवहार नहीं किया गया।

रक्षा मंत्री की ओर से ख्वाजा को चादर पेश

देश में अमन, चैन और भाईचारे की दुआ मांगी

अजमेर, (कासं)। हजरत ख्वाजा मोइनुद्दीन हसन चिश्ती के 814वें उर्स के मुबारक मौके पर देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की ओर से दरगाह शरीफ में मखमली चादर और अकीदत के फूल पेश किए गए। इस दौरान देश में अमन, चैन और भाईचारे की विशेष दुआ मांगी गई। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने यह पवित्र चादर दिल्ली स्थित अपने सरकारी आवास पर दरगाह कमेटी के पूर्व उपाध्यक्ष और वरिष्ठ भाजपा नेता मुनव्वर खान को सौंपी थी।

मुनव्वर खान ने रक्षा मंत्री का प्रतिनिधित्व करते हुए पूरी श्रद्धा और सम्मान के साथ यह चादर अजमेर दरगाह शरीफ पहुंचाई। मुनव्वर खान ने दरगाह के खादिमों की मौजूदगी में मजार शरीफ पर रक्षा मंत्री की ओर से चादर पेश की। चादर पेश करते समय मुनव्वर खान ने रक्षा मंत्री की तरफ से देश की सरहदों की सुरक्षा, मुल्क में सुख-शांति और सांप्रदायिक सौहार्द बने रहने की दुआ मांगी। चादर पेश करने की रस्म पूरी होने के बाद, ऐतिहासिक बुलंद दरवाजे पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का भेजा गया लिखित संदेश पढ़कर सुनाया गया। अपने संदेश में रक्षा मंत्री ने ख्वाजा साहब की शिक्षाओं को मानवता के लिए प्रेरणादायक बताया और उर्स के मौके पर सभी देशवासियों को मुबारकबाद दी। इस मौके पर मुनव्वर खान के साथ भाजपा के कई स्थानीय पदाधिकारी, कार्यकर्ता और बड़ी तादाद में जायरीन मौजूद रहे।

राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर

क्रमांक-संक्षिप्त वि.सं.14/Exam/A.D & SSO/Home (Gr-1)/RPSC/EP-1/2025-26 दिनांक- 23.12.2025

आयोग द्वारा राज्य विधि विज्ञान प्रयोगशाला, जयपुर राजस्थान के लिए राजस्थान फोरेंसिक विज्ञान सेवा नियम, 1979 के अन्तर्गत सहायक निदेशक (डीएनए खण्ड) एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी (विभिन्न 05 खण्ड) के कुल 28 पदों पर भर्ती हेतु ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। शैक्षणिक योग्यता, आवेदन प्रक्रिया व अन्य विस्तृत जानकारी के लिए अभ्यर्थी उक्त पदों हेतु आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध विस्तृत विज्ञापन का अवलोकन करें। उक्त पदों हेतु आयु सीमा, आवेदन अवधि व अन्य विवरण निम्नानुसार है:-

आयु सीमा	दिनांक 01.01.2027 को न्यूनतम 21 वर्ष एवं अधिकतम 40 वर्ष से कम होनी चाहिये।
आवेदन अवधि	दिनांक 29.12.2025 से दिनांक 27.01.2026 रात्रि 12.00 बजे तक।
परीक्षा का स्थान व माह	परीक्षा स्थान व तिथि के संबंध में यथासमय सूचित कर दिया जायेगा।

अन्य बिन्दु व सूचना-परीक्षा से सम्बन्धित अन्य बिन्दु व सूचना के लिए आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध विस्तृत विज्ञापन एवं संबंधित सेवा नियमों का अध्ययन आवश्यक रूप से करें। इसके अतिरिक्त उक्त परीक्षा के संबंध में समय-समय पर जारी सूचनाओं का अवलोकन आयोग की वेबसाइट https://rpsc.rajasthan.gov.in पर कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त किसी भी प्रकार के मार्ग निर्देशन/सूचना/स्पष्टीकरण हेतु राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर के परिसर में स्थित स्वागत कक्ष पर व्यक्तिगत रूप से अथवा दूरभाष सं.-0145-2635212 एवं 2635200 पर संपर्क किया जा सकता है। समस्त पत्र व्यवहार सचिव, राजस्थान लोक सेवा आयोग, अजमेर को सम्बोधित किया जाए।

DIPR/C/19056/2025 राम निवास मेहता, सचिव

कार्यालय नगर परिषद सवाई माधोपुर-राज0

क्रमांक / न.प.स.मा. / नि.शा. / 2025-26 / 13606 दिनांक: 20.12.2025

-:: ई-निविदा सूचना वर्ष 2025-26 ::-

केन्द्र एवं राज्य सरकार में उपयुक्त श्रेणी के ठेकेदारों एवं नगर पालिका / परिषद / निगम / स्वायत्त शासन विभाग के निविदादाओं से आयुक्त / अधिशाषी अभियन्ता द्वारा सम्बन्धित निविदा आमंत्रित की जाती है कार्य की अनुमानित लागत 1.96 लाख से 14.84 लाख है। टेण्डर बेचे जाने तथा प्राप्त करने की तारीख, टेण्डर शर्तें आदि सम्पूर्ण विवरण राजस्थान सरकार के पोर्टल Website:- www.sppp.raj.nic.in, www.eproc.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है।

स्टेट पब्लिक प्रोक्योरमेंट का NIB Code- DLB2526A9348

UBN Code- DLB2526WSOB27952, DLB2526WSOB27958, DLB2526WSOB27959, DLB2526WSOB27961, DLB2526WSOB27962, DLB2526WSOB27964, DLB2526WSOB27965, DLB2526WSOB27966, DLB2526WSOB27968, DLB2526WSOB27970, DLB2526WSOB27972, DLB2526WSOB27974, DLB2526WSOB27975, DLB2526WSOB27978, DLB2526WSOB27980, DLB2526WSOB27981, DLB2526WSOB27982, DLB2526WSOB27983, DLB2526WSOB27984, DLB2526WSOB27985

आयुक्त नगर परिषद, सवाई माधोपुर

राज.संवाद / सी / 25 / 16304

'पहले एसआईआर और अब अरावली को लेकर कांग्रेस कर रही है जनता को गुमराह'

मिटिंग में पहुंचे भाजपा कार्यकर्ताओं के तिलक लगाकर व दुप्पटा पहनाकर स्वागत किया

भारतीय जनता पार्टी नगर एवं देहात विधानसभा क्षेत्र चौमूं के कार्यकर्ताओं की मीटिंग पूर्व विधायक रामलाल शर्मा की मौजूदगी में हुई।

- सैकड़ों की संख्या मे पहुंचे भाजपा कार्यकर्ता का एसआईआर में सहयोग देने पर आभार

चौमूं / कालाडेरा (निंस) भारतीय जनता पार्टी नगर एवं देहात विधानसभा क्षेत्र चौमूं के कार्यकर्ताओं की मीटिंग एवं विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्यक्रम का आयोजन रेनवाल रोड स्थित रजवाडा रिसोर्ट में किया गया। कार्यक्रम में पधारे कार्यकर्ताओं का रोली का तिलक निकलकर और दुप्पटा पहनाकर स्वागत किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलित एवं वंदे मातरम गीत के साथ की गई। मीटिंग में भाजपा प्रदेश प्रवक्ता एवं पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए एसआईआर में भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा किए गए सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया और पिछले दो वर्षों में राज्य सरकार द्वारा मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में करवाए गए विकास कार्यों की जानकारी दी। साथ ही उन्होंने कहा कि कांठोस पहले एसआईआर के मुद्दे को लेकर जनता को गुमराह कर रही थी और अब अरावली को लेकर जनता को भ्रमित करने का कार्य कर रही है। अरावली को लेकर सुप्रीम कोर्ट के निर्देश अनुसार जब तक पूरी अरावली के लिए सस्टेनेबल माइनिंग मैनेजमेंट प्लान तैयार नहीं हो जाता कोई नई खदान लीज नहीं दी जाएगी और 100 मीटर से जुड़ी परिभाषा पूरी पहाड़ी और उसकी ढलानों की सुरक्षा सुनिश्चित करती है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपील करते हुए कहा कि एसआईआर के बाद वोटर लिस्ट का अवलोकन करे और नए वोटर्स का भी जुड़वाने का कार्य करें। इस अवसर पर भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष बाबूलाल सैनी, कालाडेरा मण्डल अध्यक्ष लालचंद यादव, गोविन्दगढ़ मण्डल अध्यक्ष जितेन्द्र सिंह, बांसा पूर्व मण्डल अध्यक्ष श्रीराम शर्मा, पूर्व प्रधान महेश मीणा, जिला उपाध्यक्ष अर्चना कुमावत, दिनेश गोरा, आशीष दुसाद, कालूराम जाट, महेश योगी, प्रकाश हटवाल, अरविंद यादव, बन्नालाल शर्मा, बलवीर शर्मा, राजकुमार सैनी, सुरेश सैनी, भंवर देवंदा, रामगोपाल मीणा, बाबूलाल गुर्जर, महावीर सिंह, बनवारी शर्मा, गोपाल डेनवाल, शंकर लाल, नाथू राम जाट, बंशी मंडल, मुकेश चोपड़ा, अर्जुन यादव, आलोक जांगिड़, रामावतार कुलदीप, संदीप शर्मा, बाबूलाल यादव, सुनील अग्रवाल, गजेन्द्र यादव, राहुल शर्मा, संदीप कुमावत, धर्मेन्द्र बंजारा, नानचीलाल शर्मा, मुरारी खंडल, मुकेश बालेसरा, जमन लाल सैनी सहितपार्टी पदाधिकारी, बूथ अध्यक्ष, बीएलए-2, बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित हुए।

वरिष्ठ नागरिकों के कानूनी अधिकार पर चर्चा

शाहपुरा । जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर जिला जयपुर अध्यक्ष भँवरलाल बुगालिया एवं तालुका विधिक सेवा समिति शाहपुरा अध्यक्ष ललिता शर्मा अपर जिला एवं सत्र सैशन न्यायाधीश प्रथम के निर्देशन में अधिकार मित्र दिनेश कुमार शर्मा ने नगरपरिषद शाहपुरा क्षेत्र में पर नालसा योजना 2016 के अंतर्गत वरिष्ठ नागरिकों के कानूनी अधिकार, पर्यावरण संरक्षण, पर्यावरण प्रदूषण से बचाव एवं महिला लैंगिक यौन उत्पीड़न एवं वाणिज्यिक शोषण विषय पर शिविर का आयोजन किया। यह शिविर संस्थान के निदेशक विक्रम यादव की अध्यक्षता में आयोजित किया गया।इस अवसर पर अधिकार मित्र दिनेश कुमार शर्मा ने पर्यावरण संरक्षण, नशा मुक्ति और महिला यौन उत्पीड़न एवं वाणिज्यिक शोषण पर बताया कि हमें किसी अपरिचित व्यक्ति से उपहार या खाने पीने की वस्तुओं को नहीं लेना चाहिए। संम्भवत उन पदार्थ में नशें की दवाईयां हो और अवचेतन अवस्था में कुछ भी हो सकता है। डिप्रेशन की स्थिति में जिला विधिक हेल्पलाइन नंबर 15100 पर मिस काल करे। गरिमा पुलिस हेल्पलाइन नंबर 1090 पर सुचित करें। किसी भी गाड़ी के फाटक से 5 फूट की दूरी बनाए रखें। अकस्मात असामाजिक तत्वों के द्वारा कोई भी गलत हरकतें करने पर जोर जोर से चिल्लाए एवं अपनी सुरक्षा स्वयं को करने के लिए पुलिस विभाग द्वारा आत्मसुरक्षा की जानकारी दी गई है ।

सार-समाचार

कथा में कपिल देवहूति प्रसंग

कोटपूतली । कस्बे के लक्ष्मी नगर स्थित निजी गार्डन के पास आयोजित की जा रही सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा के चतुर्थ दिवस मंगलवार को यजमान रमेश बबेरवाल व मोहन बबेरवाल ने भागवत की मंत्रोचार से पूजा अर्चना की। त्रिवेणी धाम से पधारे अनंत विभूषित श्री खोजी द्वाराचार्य रामरिछपाल देवाचार्य जी महाराज ने आर्शीवचन कहे। कथा वाचक साध्वी संत चरणदास सुनिता बहिन ने कपिल देवहूति प्रसंग, सती प्रसंग, धुव्र जी चरित्र, पुरजन व जड भरत की कथा, अजामिल की कथा, भक्त प्रहलाद की कथा सुनाई। इस मौके पर राजेंद्र दास, रामचरण दास आदि संतों समेत पूर्व पार्षद भीखाराम सैनी, कैलाष सैनी, छीतर सैनी, रामरतन, कृष्ण, नरेश मिस्त्री, पप्पू चोटीवाला, पूरण सैनी, ओमप्रकाश बंसल, डॉ. कुशाल, सुरेन्द्र, सुनिल, रामकरण, राजेश, कपिल, हितेश, यतिंद्र सहित हजारों की संख्या में श्रद्धालू मौजूद रहे ।

राजगढ़ बंद सफल रहा

राजगढ़ । स्वीकृत केंद्रीय विद्यालय को राजगढ से बाहर खोलने का विरोध कर बुधवार को राजगढ़ बंद का आव्हान किया है। बंद राजगढ़ व्यापार संघ सहित अनेक संगठनों ने अपना समर्थन दिया है। इस व्यापार संघ सहित अनेक संगठनों ने पूर्ण समर्थन दिया है। बंद को लेकर आवाज मंच के कार्यकर्ता एवं व्यापार संघों से जुड़े लोग दिनभर दुकान वालों से संपर्क साधकर बंद के समर्थन में वार्ता में जुटे रहे। मैकेनिक यूनियन, फ्रूट यूनियन एवं रेडीमेड सहित अनेक संस्थाओं ने केंद्रीय विद्यालय को लेकर किया जा रहे बंद को पूर्ण समर्थन दिया है। दशकों के बाद राजगढ़ में केंद्रीय विद्यालय को खोले जाने को लेकर युवा वर्ग से लेकर व्यापारी, बुद्धिजीवी एवं अनेक संगठनों के कार्यकर्ता एकजुट नजर आ रहे हैं। इधर जनता की ओर से दिनभर माइक लगाकर राजगढ़ कस्बे में बंद का आव्हान किया गया। विदित रहे कि राजगढ़ के नाम से स्वीकृत केवीएस को गुपचुप में रेणी के दलालपुरा में खोलने के प्रयास किया जा रहे है। इसको लेकर राजगढ़ कस्बे में आक्रोश है।

शिविर फलॉप रहा

मानपुरा माचैड़ी । सरकारे आमजन की समस्याओं का समाधान करने व सरकारी योजनाओं का लाभ आमजन को पहुंचने के लिए शिविर आयोजित करती है लेकिन प्रशासन के कारिंदों की बेरुखी के चलते शिविर में लोगों को कोई खास लाभ नही मिलता और यह शिविर फ्लॉप शो की तरह रह जाते हैं।ऐसा ही मामला मंगलवार को मानपुरा माचैड़ी में देखने को मिला। यहाँ राज्य सरकार द्वारा आयोजित ग्रामीण सेवा शिविर का फॉलोअप समस्या समाधान शिविर ठााम पंचायत परिसर में हुआ।यहाँ 4 ठााम पंचायतो के ठाामीणों की समस्याओं का प्रशासन द्वारा समाधान किया जाना था लेकिन प्रशासन के अधिकारियों के शिविर में नही पहुचने से यह शिविर फ्लॉप ही रहा।और लोगो को बेरंग वापस लौटना पड़ा।

किसान सम्मेलन आयोजित

कोटपूतली। जिला स्तरीय किसान सम्मेलन का आयोजन मंगलवार को राजकीय सरदार उच्च माध्यमिक विद्यालय में आयोजित किया गया। इस अवसर पर किसानों को नवीन तकनीकों, सरकारी योजनाओं एवं जैविक कृषि के प्रति जागरूक करने का कार्य कृषि अधिकारियों द्वारा किया गया। सम्मेलन के दौरान जिला वर्चुअली राज्य स्तरीय किसान कार्यक्रम से जुड़ा रहा, जिसमें राज्य सरकार की कृषि हितैषी योजनाओं, नवाचारों एवं किसानों के कल्याण से संबंधित जानकारियाँ साझा की गईं। इस अवसर पर विभिन्न विभागों द्वारा किसानों को कृषि, उद्यानिकी एवं संबद्ध क्षेत्रों से जुड़ी योजनाओं, अनुदान, तकनीकी सहायता एवं उत्पादों की विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही कार्यक्रम में किसानों को जैविक कृषि के महत्व, मृदा स्वास्थ्य संरक्षण एवं टिकाऊ खेती की आवश्यकता के बारे में समझाया गया। साथ ही सूचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा राज्य सरकार की योजनाओं से संबंधित प्रचार-प्रसार साहित्य एवं विकास रथों के माध्यम किसानों को लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम में उप निदेशक कृषि रामजीलाल यादव सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह को याद किया

डीग भरतपुर (निस)। डीग जिले के कस्बा जनूथर में डीग रोड स्थित चौधरी चरण सिंह स्मारक पर ग्रामीणों द्धारा पूर्व प्रधानमंत्री,भारत रत्न स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह की 123 वीं जन्म जयंती समारोह पूर्वक मनाई गई । ठाामीणों ने भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष परभाती सिंह के नेतृत्व में चौधरी चरण सिंह की प्रतिमा पर साफा बांधकर श्रद्धा सुमन अर्पित किए । इस मौके प पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह के जीवन पर प्रकाश डालते हुए भाजपा मंडल महामंत्री बीरीसिंह चौधरी ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चरण सिंह किसानों व मजदूरों के सच्चे हितैषी व किसानो के मसीहा थे। उन्होंने किसानों व देश के हित में अभूतपूर्व कार्य किए। पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह कहते थे कि देश की प्रगति का रास्ता किसानों के खेत खलियानों से होकर निकलता है । इस अवसर पर चंद्रपाल चौधरी , करतार सिंह चौधरी , रामचंद्र चौधरी , चूरामन सिंह , मुकेश चौधरी , जयप्रकाश शास्त्री , कैलाश सेजवाल , नेतराम सिंह , बल्लो संतरी, ठााम सेवा सहकारी समिति अध्यक्ष हरिकृष्ण लवानिया , दरबसिंह पहलवान , थानसिंह , रूपसिंह आदि ग्रामीण मौजूद रहे ।

'कर्तव्यों का ईमानदारी व सही ढंग से निर्वहन करना ही सच्ची सफलता है'

खैरथल में अतिरिक्त जिला कलेक्टर शिवपाल जाट की अध्यक्षता में सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित हुई।

- सुशासन स्थापित करने के लिए कार्यशाला का आयोजन

खैरथल। अतिरिक्त जिला कलेक्टर शिवपाल जाट की अध्यक्षता में मंगलवार को जिला सचिवालय खैरथल-तिजारा में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में सड़क सुरक्षा को लेकर विभिन्न विभागों द्वारा किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की गई। इस दौरान सुशासन कार्यशाला का आयोजन भी किया गया जिसमें अतिरिक्त जिला कलेक्टर शिवपाल जाट ने अधिकारियों को सुशासन स्थापित करने के लिए प्रेरित किया । इस दौरान उन्होंने कहा कि कार्यालय में आने वाला प्रत्येक व्यक्ति अपना कीमती समय खर्च कर आता है, इसलिए उसके कार्य को प्राथमिकता के आधार पर करते हुए समय पर राहत पहुंचाना प्रशासन की जिम्मेदारी है। अपने कर्तव्यों का ईमानदारी एवं सही ढंग से निर्वहन करना ही सच्ची सफलता है। बैठक में उपस्थित अन्य अधिकारी गणों ने भी अपने अनुभव साझा किए।

बैठक में अतिरिक्त जिला कलेक्टर शिवपाल जाट ने कहा कि जिले में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए सभी विभाग समन्वित रूप से कार्य करें ताकि सडकें दुर्घटना मुक्त बन सकें। उन्होंने निर्देश दिए कि किसी भी दुर्घटना की स्थिति में मानव जीवन बचाना सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। सुगम यातायात एवं दुर्घटना संभावित कारणों को लेकर गठित समितियों की रिपोर्ट की समीक्षा की गई । उन्होंने संबंधित ग्राम पंचायतों के सरपंचों एवं नगर निकायों के पार्षदों से अवैध कट से होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने के लिए स्थानीय स्तर पर जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए, ताकि आमजन के माध्यम से अवैध कट दोबारा खोलने वालों की सूचना प्रशासन तक समय पर पहुंच सके। इसके अलावा ब्लैक स्पॉट मार्गों पर अधिक संख्या में साइन बोर्ड लगाने के निर्देश दिए, जिससे यात्रियों को पहले से सतर्क किया जा सके और दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके। आरएसआरडीसी एवं पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों को सड़कों पर बने अवैध स्पीड ब्रेकर हटाने, अधिकृत स्पीड ब्रेकरों पर साइन मार्किंग करने तथा रंबल स्ट्रिप लगाने के निर्देश भी दिए गए।

इसके अलावा उन्होंने सरकार के दो वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित कार्यक्रमों की प्रगति की भी समीक्षा की और सभी विभागों को जिले में संचालित कार्यक्रमों की जानकारी एसएसओ आईडी पर अपलोड करने के निर्देश दिए। बैठक में अतिरिक्त जिला कलेक्टर ने शिक्षा विभाग को निर्देशित किया कि विद्यालयों में आयोजित कार्यक्रमों जैसे प्रभात रैली एवं स्वच्छता अभियान आदि की सूचना प्रतिदिन शाम से पूर्व एसएसओ आईडी पर अपलोड की जाए।

इस बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भिवाड़ी, डिप्टी एसपी किशनगढ़ बास, अतिरिक्त निदेशक कृषि विभाग विजय सिंह, अधीक्षण अभियंता सार्वजनिक निर्माण विभाग ओमप्रकाश किराड, कोषाधिकारी सुरेश कुमार बंसल, उपनिदेशक पशुपालन विभाग हवा सिंह जाट, नगर परिषद आयुक्त मुकेश शर्मा, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता, शिक्षा, रिडकोर, परिवहन विभाग एवं आरएसआरडीसी सहित समस्त जिला स्तरीय अधिकारी गण उपस्थित रहे।

'किसानों की आर्थिक स्थिति बेहतर बनाए'

मनोहरपूर । जनता के दु:ख दर्द में काम आने वाले दयालु भामाशाह मोहन कुड़ी ने कहा कि किसानों के अधिकारों और उनकी आर्थिक स्थिति को बेहतर बनाए यह शब्द कुड़ी ने किसान दिवस पर किसानों के दु:ख दर्द से वाकिफ़ होने के बाद में कहे। कुड़ी जी ने केंद्र व राजस्थान सरकार से किसानों के सपनो को पूरा करने की मांग की है । उल्लेखनीय है कि किसान दिवस। यह एक महत्वपूर्ण दिन है, जो हर साल 23 दिसंबर को मनाया जाता है। यह दिन भारत के पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की जयंती के अवसर पर मनाया जाता है, जो एक महान किसान नेता और भारत के 5 वें प्रधानमंत्री थे। यह दिन किसानों के योगदान को सम्मानित करने और उनकी समस्याओं को उठाने के लिए मनाया जाता है। यह किसानों के अधिकारों और उनकी आर्थिक स्थिति को बेहतर बनाने के लिए जागरूकता बढ़ाने का भी एक अवसर है।

कथा 21 से

मनोहरपूर। भगवान लक्ष्मीनरसिंह जी की कृपा से खोरा लाड़खानी में श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन नृसिंह मंदिर चौक में दिनांक 21 दिसम्बर से 28 दिसंबर तक भव्य रूप से किया जा रहा है। कथा का आयोजन खोरा के पुजारी परिवार द्वारा करवाया जा रहा है। पुजारी परिवार ने अपने पूर्वजों की स्मृति में इस कार्यक्रम का आयोजन किया है।

ज्ञात हो कि पुजारी परिवार पिछले पांच साल से अनवरत ठााम में अपनी जड़ों से जुड़े रहने के लिए साल में चार से पांच बार अलग अलग कार्यक्रम आयोजित करता है।

पावटा में छात्रों का शैक्षिक अवलोकन

पावटा। पीएम श्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय दांतिल में शिक्षा विभाग के निर्देशन में ट्विनिंग ऑफ स्कूल गतिविधि के तहत कक्षा 6 से 8 तक के चयनित 30 विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने विवेकानंद मॉडल स्कूल, बानसूर का शैक्षिक अवलोकन किया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने विद्यालय की शैक्षिक व्यवस्थाओं, शैक्षिणक गतिविधियों, कक्षा प्रबंधन, नवाचारों तथा सह-शैक्षिणक कार्यक्रमों का गहन अध्ययन किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विभिन्न विद्यालयों के छात्रों के बीच शैक्षिणक, सांस्कृतिक एवं रचनात्मक सहयोग को बढ़ावा देना रहा। कार्यक्रम के तहत ट्विन विद्यालयों के विद्यार्थियों ने एक-दूसरे के विद्यालय, शिक्षा पद्धित, स्थानीय संस्कृति, परंपराओं एवं शैक्षिणक गतिविधियों की जानकारी साझा की। विवेकानंद मॉडल स्कूल, बानसूर में विद्यार्थियों को स्मार्ट कक्षाओं, प्रयोगशालाओं, पुस्तकालय, अनुशासन व्यवस्था, मूल्य आधारित शिक्षा तथा विद्यालय के समठा विकास मॉडल से अवगत कराया गया। विद्यालय प्रबंधन एवं शिक्षकों द्वारा विद्यार्थियों का आत्मीय स्वागत किया गया तथा शैक्षिणक गुणवत्ता उन्नयन से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियाँ साझा की गईं। इस शैक्षिक भ्रमण से विद्यार्थियों में सीखने की नई प्रेरणा जागृत हुई तथा उन्हें अन्य विद्यालयों की श्रेष्ठ प्रथाओं को समझने का अवसर प्राप्त हुआ। शिक्षकों ने बताया कि ट्विनिंग ऑफ स्कूल गतिविधि का उद्देश्य आपसी सहयोग, अनुभवों का आदान-प्रदान तथा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को बढ़ावा देना है। ट्विनिंग ऑफ स्कूल गतिविधि से विद्यार्थियों में नई ऊर्जा और सीखने की सकारात्मक भावना देखने को मिली। विद्यालय प्राचार्य अजय सिंह यादव ने विवेकानंद मॉडल स्कूल, बानसूर के प्रबंधन एवं स्टाफ का सहयोग एवं मार्गदर्शन के लिए आभार व्यक्त किया।

देश भर में वीर बाल दिवस 26 को

- युवाओं को गुरु गोविंद सिंह के साहिबजादों के बलिदान, साहस व देश भक्ति से अवगत कराया जायेगा।

कोटपूतली । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश भर में वीर बाल दिवस आगामी 26 दिसम्बर शुक्रवार को मनाया जायेगा। इस मौके पर सिक्ख गुरु श्री गुरु गोविंद सिंह के पुत्र साहिब जादे बाबा जोरावर सिंह, बाबा फतेह सिंह की शहादत की स्मृति में भाजपा द्वारा देश में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जायेगा। वीर बाल दिवस जिला समिति संयोजक एड. अशोक सुरेलिया व सह संयोजक प्रकाश हाटवाल ने बताया कि जयपुर देहात उत्तर द्वारा मंडल से लेकर जिले में विशेष सभाओं का आयोजन किया जायेगा। जिसमें युवाओं को गुरु गोविंद सिंह के साहिबजादों के बलिदान, साहस व देश भक्ति से अवगत कराया जायेगा। साथ ही स्थानीय गुरु द्वारों में शब्द कीर्तन मंडल एवं जिला स्तर पर प्रभात फेरी का आयोजन भी किया जायेगा। साहिबजादों की शहादत को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से मंडल से लेकर जिला स्तर तक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किये जायेगें। वीर बाल दिवस कार्यक्रम में प्रश्नोत्तरी प्रतियोगितायें, जिला स्तरीय बौद्धिक संगोष्ठियां, स्कूलों एवं कॉलेज में विचार संगोष्ठियां तथा भाषण प्रतियोगितायें आयोजित की जायेगी। साथ ही 26 दिसंबर को विद्यालयों में 01 घंटे के विशेष सत्र के दौरान बच्चों को वीरता व शहादत की प्रेरणादायक कहानी सुनाई जायेगी। मंडल स्तर पर डॉक्यूमेंट्री फिल्मों का प्रदर्शन किया जायेगा तथा साहिबजादों की शहादत पर आधारित प्रदर्शनी भी लगाई जायेगी, जिससे उनकी गौरवशाली गाथा जन जन तक पहुंच सके। सुरेलिया ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी ने वर्ष 2022 में गुरु गोविंद सिंह के प्रकाश पर्व के दिन 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस मनाने की घोषणा की थी। साहिबजादे बाबा जोरावर सिंह व बाबा फतेह सिंह ने धर्म व सत्य की रक्षा करते हुये अपने प्राणों का बलिदान दिया था। वीर बाल दिवस साहिबजादों के साहस, बलिदान व अटल विष्वास का सम्मान करने का दिन है। यह दिवस भारतीय इतिहास के उस गौरवपूर्ण अध्याय को याद दिलाता है और आने वाली पीढ़ियों को साहस, सत्य व धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। साहिबजादों के जीवन पर आधारित प्रदर्शनी के लिये अरविंद यादव को संयोजक एवं सीताराम छापोला को सोशियल मीडिया संयोजक बनाया गया है।

15 व्यक्ति आंखों के ऑपरेशन के लिए पंजीकृत

पावटा। माता सुंदरी देवी सर्व समाज उत्थान समिति पावटा एवं निम्स अस्पताल जयपुर के संयुक्त तत्वाधान में पावटा उपखंड कार्यालय परिसर में नि:शुल्क स्वास्थ्य लाभ शिविर का आयोजन उपखंड अधिकारी साधना शर्मा। की अध्यक्षता व अभिभाषक संघ कोटपूतली अध्यक्ष बजरंग लाल शर्मा के मुख्य आतिथ्य एवं भाजपा जिला उपाध्यक्ष जयपुर देहात सुरेश गिठाला, भाजपा नेता मुखराम धनखड, अभियोजन अधिकारी अभिभाषक संघ कोटपूतली प्रेम प्रकाश शर्मा के विशिष्ट आतिथ्य में किया गया। नि:शुल्क चिकित्सा शिविर में 215 व्यक्तियों ने लिया स्वास्थ्य लाभ लिया व 15 व्यक्तियों ने आंखों के ऑपरेशन के लिए अपना पंजीकरण करवाया।शिविर आयोजक अभिभाषक संघ पावटा अध्यक्ष रामनिवास यादव ने आए हुए अतिथियों का स्वागत किया। वही उपखंड अधिकारी साधना शर्मा ने एनजीओ के द्वारा चलाए जा रहे स्वास्थ्य लाभ अभियान की भूरि भूरि प्रशंसा की एवं एनजीओ को हर संभव मदद करने की अनुशंसा की। कार्यक्रम का संचालन पूर्व अध्यक्ष अभिभाषक संघ पावटा ओमप्रकाश सैनी ने किया। चिकित्सा शिविर एवं एनजीओ संयोजक सामाजिक कार्यकर्ता मोहन लाल सैनी ने बताया कि निम्स अस्पताल की डॉक्टर्स टीम ने शिविर में सेवाएं दी।

सांभरझील में रोजाना बह रहा है लाखों लीटर व्यर्थ पानी

सांभर के तेली दरवाजा रोड पर रोजाना हजारों लीटर पानी व्यर्थ बहने से राहगीर दुखी हो रहे है।

- जगह-जगह पानी के लीकेज और प्रमुख मार्गों पर सुबह शाम को सप्लाई के दौरान हर माह लाखों लीटर पानी की बर्बादी को रोकने के बजाय खुली आंखों से इस दृश्य को देख रहा है विभाग

सांभरझील, (निसं)। यहां का जलदाय विभाग ही नहीं बल्कि बीसलपुर परियोजना से मिल रहे पानी पर पूरी तरह क्षेत्र की संपूर्ण आबादी डिपेंड है, बावजूद इसके जल संरक्षण के प्रति गंभीरता नहीं बरतना और लापरवाह की तमाम हदें पार करते हुए विमुख हो जाना जलदाय विभाग को पूरी तरह से रास आ गया है। जगह-जगह पानी के लीकेज और प्रमुख मार्गों पर सुबह शाम को सप्लाई के दौरान हर माह लाखों लीटर पानी की बर्बादी को रोकने के बजाय खुली आंखों से इस दृश्य को देख रहा है। इसका खामियाजा जल संकट से उन लोगों को बेवजह ही उठाना पड़ रहा है जिनके यहां अपर्याप्त जल आपूर्ति इस कारण का एक बड़ा हिस्सा बन जाता है। यद्यिप पानी के जगह-जगह हो रहे लीकेज को ठीक करने का जिम्मा जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग मुख्यालय जयपुर से निश्चित होकर टेंडर प्रक्रिया के जरिए इस काम की जिम्मेदारी ठेकेदार को वर्क ऑर्डर देकर दी जाती है। अब ठेकेदार काम कर रहा है या टालम टोल कर फोकट के लीकेज फाइलों में दिखाकर स्थानीय जलदय विभाग के माध्यम से ओ.के. करवा कर भुगतान तो नहीं उठा रहा है, यह जनता में एक मैसेज अवश्य पहुंच रहा है और यदि ठेकेदार के पास जिम्मेदारी नहीं है तो फिर विभाग ने अपने स्तर पर इस काम को अंजाम देना मुनासिब क्यों नहीं समझा। वैसे आपको बता दें सरकार किसी की भी हो हर सरकार का दृष्टिकोण जल संरक्षण के प्रति गंभीर रहा है और चीफ सेक्रेटरी के लेवल पर समस्त जिला कलेक्टरों को इस मामले में मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने के लिए व विभागों के बड़े अभियंताओं को सख्त हिदायत दी हुई है। ऐसा नहीं है इसमें वे उपभोक्ता भी जिम्मेदार है जो जल संरक्षण की दिशा में गंभीर नहीं है और ऐसे लोगों पर नियमों के तहत दंडात्मक कार्रवाई किए जाने का विभाग के पास राइट्स भी है। जब विवाग खुद ही ढीला हो तो समझा जा सकता है कि कार्रवाई का अंजाम क्या होगा। कभी ऐसा ठोस प्रमाण देखने को नहीं मिला है कि लोकल अभियंताओं ने गली-गली घूम कर लोगों में चेतना जागृत करने का काम किया हो अथवा किसी पर कोई जुर्माना लगाया हो यदि फाइलों में ही चेतना जगाई हो तो शायद पता नहीं।

चौधरी चरण सिंह की जयंती श्रद्धापूर्वक मनाई

भरतपुर (निस)। किसान नेता पूर्व प्रधानमंत्री भारतरत्न चौधरी चरण सिंह की जयंति भूरी सिंह व्यायामशाला भरतपुर एवं राष्ट्रीय लोकदल भरतपुर के संयुक्त तत्वावधान में मनाई गई। सर्वप्रथम उनकी मूर्ति पर मालार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। व्यायामशाला के संचालक वरिष्ठ कांठोस नेता चुन्नी कप्तान ने कहा कि सही मायने में वह भारत मां के सपूत थे व जातिवाद के खिलाफ थे। अर्न्तजातीय विवाह व्यवस्था का समर्थन करते थे। लोकदल के जिलाध्यक्ष संतोष फौजदार ने कहा कि चौधरी साहब ने जीवन पर्यन्त किसान-मजदूर व गरीबों की लडाई लडी उनके हित में नियम व नीतियां बनाई। पूर्व प्रधानमंत्री नरसिंम्हा राव की पुण्यतिथि पर उनके चित्र पर मालार्पण कर उन्हें याद किया गया व उनके कार्यकाल की आर्थिक नीतियों की सभी वक्ताओं ने सराहना की जिनमें कवि श्याम सिंह जघीना ने कविता के माध्यम से कहा कि महानायक सदी के सूर्य के समपथ प्रदर्शक थे, चौधरी चरण सिंह नायक भी संग में युग प्रवर्तक थे। गोष्ठी में शहर कांठोस अध्यक्ष दयाचंद पचोरी, सतीष सोगरवाल, सुरेशपाल सिंह, यशवंत सिंह फौजदार, बाबू सिंह रेंजर, सुरेन्द्र सिंह सरपंच, भरत सिंह गादौली, टीकेन्द्र सिंह, जगदीश बंजी, जीवनलाल शर्मा, जिम्मी बरताई, ब्रजेन्द्र चीमा, सट्टन, रामेश्वर सेनी, आदि मौजूद रहे।

The Spirit of Christmas Eve

Christmas Eve, celebrated on December 24th, marks the joyful anticipation of Christmas Day and brings families and communities together in festive cheer. It is a time for reflection, gratitude, and spreading love through small acts of kindness. Traditions vary across cultures, from decorating Christmas trees and singing carols to attending midnight church services or sharing special meals. Many families exchange gifts or simply enjoy each other's company, creating cherished memories. Christmas Eve captures the magic of the holiday season, fostering warmth, togetherness, and a sense of hope and joy that carries into Christmas Day itself.

#FLAVOUR

Not All Onions Are Equal

Understanding Red, Yellow, and White Onions: Differences, Uses, and Flavour Profiles

Onions are among the most essential ingredients in global cuisine. Though they all share the same botanical genus (Allium), not all onions are created equal. The three most common varieties, red, yellow, and white, differ in flavour, appearance, texture, and culinary application. Understanding these differences can greatly enhance how you use onions in your cooking, whether you're caramelizing, pickling, grilling, or serving raw.

Yellow Onions: The All-Purpose Kitchen Staple

Yellow onions are the most commonly used type and are considered the all-purpose onion in many cuisines. They have a golden-brown papery skin and white flesh with a slightly sweet, sharp flavour that mellows and deepens with cooking. When sautéed or caramelized, yellow onions develop a rich, complex sweetness that forms the foundation of countless savory dishes.

These onions are ideal for long-cooked dishes such as soups, stews, sauces, and roasts, where their natural sugars can fully develop. French onion soup, for instance, traditionally relies on yellow onions for that deep, sweet flavour after slow caramelization. Their balanced flavour also makes them suitable for stocks and gravies.

Red Onions: Vibrant, Mild, and Best Raw

Red onions are easily recognized by their purplish-red skin and layers that often have a similar reddish hue. They are generally milder and slightly sweeter than yellow onions when raw, making them a popular choice for dishes where the onion is not cooked. Their crisp texture and vibrant colour make them a favourite in salads, sandwiches, burgers, and salsas.

Because of their striking colour, red onions are also commonly used for pickling. Quick-pickled red onions retain their crunch and develop a tangy flavour that complements tacos, wraps, or grilled meats. However, when cooked, red onions tend to lose both their colour and some of their sweetness, which makes them less ideal for caramelization compared to yellow onions.

White Onions: Sharp, Crisp, and Traditional in Latin Cuisine

White onions have a pure white skin and flesh and are known for their sharper, more pungent flavour compared to yellow and red onions. They have a high water content and a very crisp texture, which makes them well-suited for recipes that require a strong onion bite.

In Mexican and Latin American cooking, white onions are frequently used in salsas, guacamole, and ceviche, and are often served finely chopped as a topping for tacos and grilled meats. They are also used raw in salads or lightly sautéed in stir-fries. Though they can be cooked, their assertive flavour and high water content mean they don't caramelize as richly as yellow onions.

Nutritional and Culinary Considerations

All onion varieties contain beneficial compounds like quercetin, sulfur compounds, and antioxidants. Red onions tend to have higher levels of antioxidants due to their anthocyanin-rich pigments. Nutritionally, the differences among red, yellow, and white onions are minor, and all contribute valuable flavour without adding many calories.

When choosing an onion, it's important to consider the flavour profile you want:

- Use yellow onions for deep, sweet flavour in cooked dishes.
- Use red onions when colour and mildness are key, especially in raw applications.
- Use white onions when you want a sharper edge, particularly in Latin or raw preparations.

While red, yellow, and white onions may seem interchangeable at a glance, each brings its own distinct qualities to the table. Understanding their unique characteristics allows home cooks and chefs alike to make informed decisions in the kitchen, elevating everything from a simple salad to a complex curry. Whether you're caramelizing yellow onions for a hearty soup, tossing red onions into a salad for crunch and colour, or spicing up tacos with crisp white onion, choosing the right type can transform your dish from ordinary to exceptional.

O' Sagat! Bangladesh Is Burning!

In the annals of warfare, rare is a commander who has never lost a battle, amongst the very few is Lt Gen Sagat Singh, and he is the only Indian General who has successfully conducted joint military operations in war, involving all the three services of the Indian armed forces, army, air force and the navy in the heliborne Meghna crossing in the amphibious landing at Cox Bazar.

#HEARTBREAK

Prakash Bhandari
The writer is a senior journalist

Lt Gen Sagat Singh, the real hero of the 1971 Bangladesh Liberation war, and the 1600 Indian soldiers who gave their lives to enable Bangladesh gets itself free from Pakistan and become an independent nation, must be turning in their graves after hearing that disgruntled youth of Bangladesh vandalized the war memorial being raised in Ashuganj in Bangladesh.

The mob, mostly youth and college students, vandalized the iconic sculpture depicting the 1971 Pakistan surrender, defacing the faces of Indian army officers who played a crucial role in the liberation of Bangladesh liberation war. The sandstone sculpture at the Ashuganj war memorial, showing the surrender of the Pakistan army at the Dhaka Race Course, was created at the Ashuganj war memorial in Brahmanberia and is almost complete. Ashuganj is close to Agartala. The foundation stone of this war memorial was laid by both Prime Minister Narendra Modi and the former Prime Minister Sheikh Hasina in March 2021, when the Indian Prime Minister visited Bangladesh.

The war memorial is almost ready and all the names of the 1600 Indian soldiers, who laid their lives, would be inscribed in the war memorial, so that everybody can know who those people are who laid their lives for the liberation of Bangladesh. Ashuganj, on the border of Agartala, has particular significance in the liberation war as Indian forces advanced to Dhaka by crossing the Meghna river.

"In the annals of warfare, rare is a commander who has never lost a battle, amongst the very few is Lt Gen Sagat Singh, and he is the only Indian General who has successfully conducted joint military operations in war, involving all the three services of the Indian armed forces, army, air force and the navy in the heliborne Meghna crossing in the amphibious landing at Cox Bazar. Operations conducted by Lt Gen Sagat Singh not only involved all the three Indian forces, but also their Bangladesh counterparts, Mukti Bahini and guerilla army, Kilo Flight, the Bangladesh Air Force and Bangladesh naval commandos. Lt Gen Sagat Singh, after disarming the Pakistan army, helped restore law and order and civic services. Just a week after the famous surrender of the Pakistan army on December 16 1971, he handed over the control of Dacca to the democratically elected government of Bangladesh on December 22," said Maj Chandrakant Singh, a war hero of the Bangladesh liberation war, who was awarded *Vir Chakra* for his valour in the Bangladesh war.

> The war memorial is almost ready and all the names of the 1600 Indian soldiers, who laid their lives, would be inscribed in the war memorial, so that everybody can know who those people are who laid their lives for the liberation of Bangladesh. Ashuganj, on the border of Agartala, has particular significance in the liberation war...

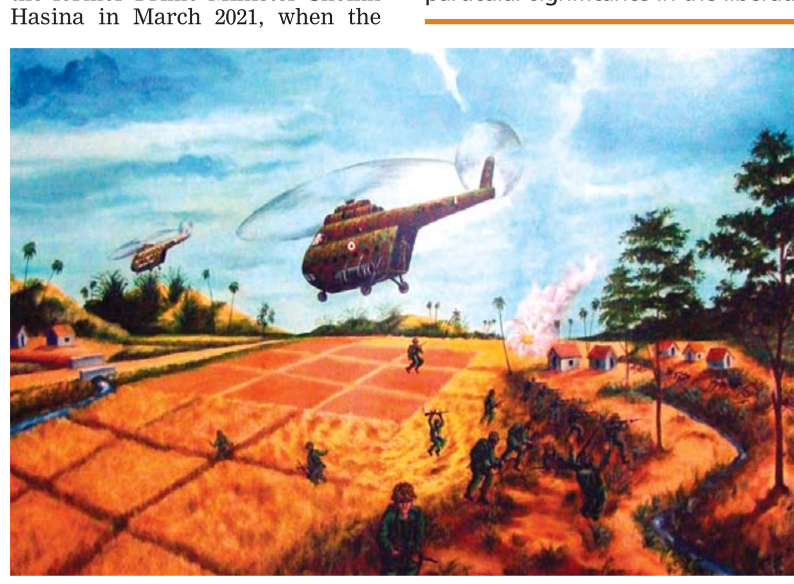

Maj Chandrakant Singh of 4 Guards (I Rajput) has put together Lt Gen Sagat Singh's own personal account as he himself was actively involved in the war theatre.

Maj Chandrakant Singh, a well-known military historian, has served with the United Nations forces in the Middle East. During the Bangladesh war, he was in the first helicopter to cross Meghna River. Later in the war, he was wounded and was awarded the *Vir Chakra*. He was among the officers who was deputed to receive Mujibur Rahman at Dacca on his return from imprisonment in Pakistan.

Maj Chandrakant Singh was sore that the people of Bangladesh are indulged in vandalizing the war memorial, which shows how ungrateful are the people of Bangladesh having forgotten the valour and the sacrifices of the Indian soldiers.

The political change in Bangladesh and the ousting of the Prime Minister Sheikh Hasina in the afternoon of August 4, 2024, and her fleeing from Bangladesh and taking refuge in India sparked off great hatred against India. She has been sentenced to death in absentia as she had been in exile in India until the International Crimes Tribunal found her guilty of the death of 1400 protestors last year.

> Maj Chandrakant Singh was sore that the people of Bangladesh are indulged in vandalizing the war memorial, which shows how ungrateful are the people of Bangladesh having forgotten the valour and the sacrifices of the Indian soldiers. The political change in Bangladesh sparked off great hatred against India.

The student-led protest against Hasina led to the devastation of all the memorials of Bangabandhu Mujibur Rahman.

Her exile in India created animosity against India and Indians and also caused diplomatic challenge for India-Bangladesh. Dhaka has formally requested India for Hasina's extradition, but Delhi is unwilling to let Hasina return as this would mean throwing her to the gallows.

As the memorial of the Indian soldiers in Bangladesh is vandalized, a large number of soldiers remembered the 13 days of the 1971 December war, when India joined the fray to help Mukti Bahini after Pakistan launched preemptive air strikes on Northern India. The Indo-Pak war was fought on the two fronts, and eventually, Pakistan surrendered in Dhaka on December 16, 1971, with India forcing 93,000 Pakistani soldiers to surrender in Dhaka, to date the largest surrender of armed personnel since World War II. Lt Gen Sagat Singh, who started his career as a sepoy in the Bikaner state forces before Independence, rose to become a General Officer Commanding and was involved in the annexation of Goa, and later, in capturing Dhaka.

Prior to the Dhaka operations in 1965, he was made the General Officer Commanding of the Mountain division, which had also participated in the Goa operations. The division was later shifted on the India-China border, and during Sagat Singh's stint in Nathu La, the Indian army under his command defeated the Chinese in Nathu La and Cho La clashes, achieving decisive tactical advantage.

The Mountain division, which was once commanded by Late Sagat Singh, celebrated the 59th Nathu La Vijay Diwas by installing a bust of Lt Gen Sagat Singh at a colourful function, in which the Governor of Sikkim, Om Mathur, and the Chief Minister, Prem Singh Tamang, and the son of Lt Gen Sagat Singh, Col (Retd) RV Singh, and his family were present.

This was a great tribute to one of the best Generals of the world and after Jaipur, Jodhpur and Bikaner, his statue was erected in Nathu Lal, which would inspire a whole generation of youth.

Similar statues of Lt Gen Kunhiraman Palat Kandet, who played a pivotal role in the liberation of Goa from Portuguese control in 1961 along with that of Lt Gen Sagat Singh, has been planned for Goa.

rajeshsharma1049@gmail.com

#HUMAN

We Are Old Really Old

Moroccan Fossil Finds Rewrite the Story of Human Origins

First of our kind found in Morocco.

A groundbreaking fossil discovery in Morocco has transformed our understanding of where and when Homo sapiens first emerged. For decades, the scientific consensus placed the origin of modern humans in East Africa around 200,000 years ago. However, the unearthing of ancient remains at the Jebel Irhoud site in northwestern Morocco has pushed that timeline back by at least 100,000 years, and expanded the geographical range of our early ancestors.

In 2017, a team of paleoanthropologists led by Jean-Jacques Hublin of the Max Planck Institute uncovered fossilized bones and stone tools at Jebel Irhoud that date to about 300,000 years ago. The fossils included parts of skulls, jaws, teeth, and limb bones belonging to at least five individuals. Their anatomical features were unmistakably Homo sapiens, including a modern-looking face, yet they retained some archaic traits, such as an elongated braincase. This blend of features suggested these were early members of our species, existing long before the previously accepted emergence point.

Oldest Homo Sapiens fossils discovered.

The stone tools found at the site also added to the picture. Sophisticated flint blades showed signs of advanced shaping techniques, and the presence of burned flint suggested that fire was used systematically. This level of technological development, combined with the anatomical evidence, points to a much earlier stage in human evolution than previously imagined.

The implications are profound. Rather than a sudden 'birth' of Homo sapiens in one location, the evidence from Jebel Irhoud supports a more gradual, pan-African evolution of our species. Human traits may have developed across different populations scattered across the continent, eventually blending together into what we now recognize as modern humans.

This view challenges the long-held 'Out of East Africa' model and replaces it with a more complex and nuanced picture. The Moroccan fossils reveal that the cradle of humanity was not limited to one region but was likely a continent-wide process involving interconnected groups. These populations may have shared knowledge, technologies, and genes, gradually giving rise to the species we are today.

Furthermore, the Jebel Irhoud discovery has sparked renewed interest in other underexplored regions of Africa. It encourages scientists to look beyond traditional fossil sites in Ethiopia and Kenya and consider the wider landscape in piecing together our deep history. In short, the Moroccan fossil find has shifted the narrative of human origins. It has not only pushed back the timeline of our species but also redefined the way we understand human evolution. Instead of a singular birthplace, Homo sapiens may have arisen through a complex web of evolutionary processes across Africa. As research continues, the Jebel Irhoud fossils serve as a powerful reminder that our past is far more intricate, and far more widespread, than once believed.

THE WALL

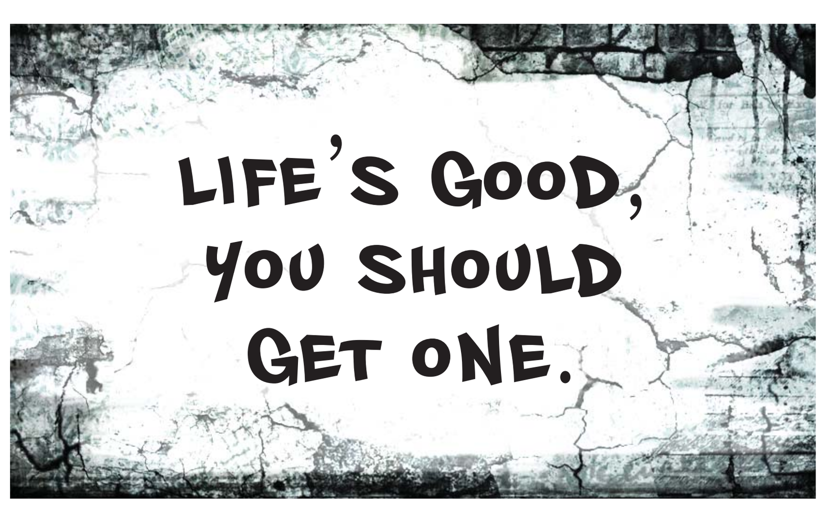

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

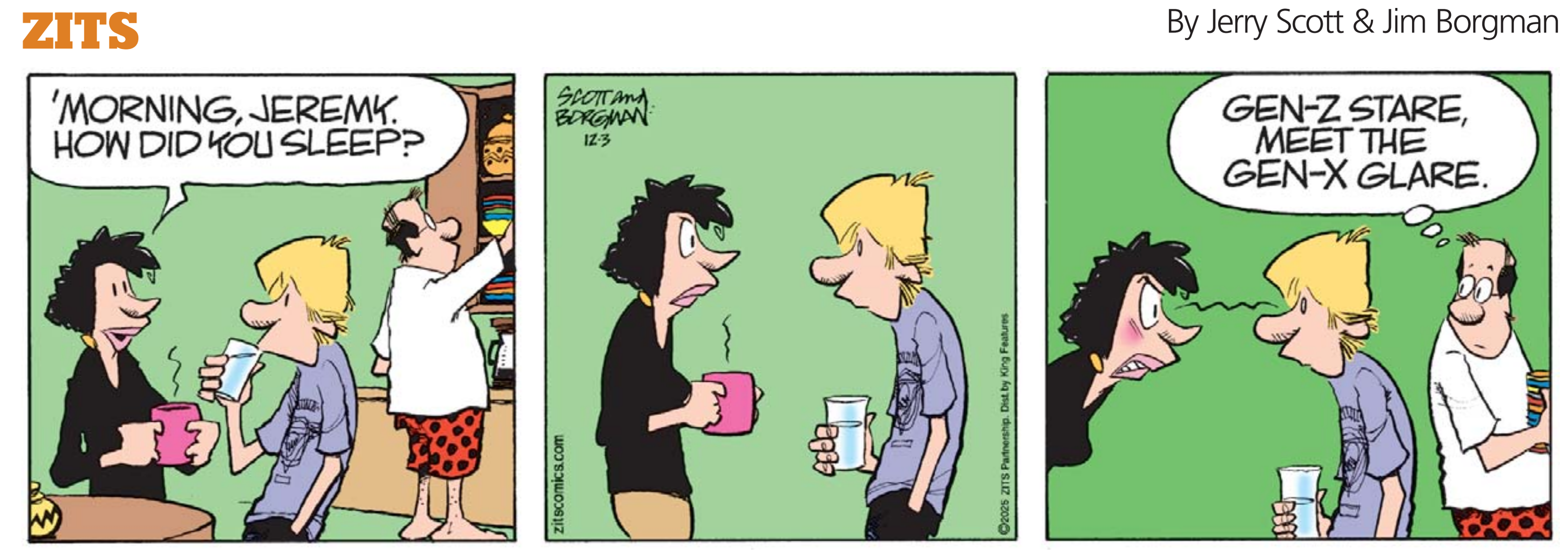

आरजीएचएस में अनियमिततायें मिली, 1412 मेडिकल स्टोर एवं निजी अस्पताल ब्लॉक

आरजीएचएस में घोटाले उजागर होने के बाद सरकार ने प्रदेशभर में योजना के तहत पंजीकृत 4871 मेडिकल स्टोर और 1720 अस्पतालों की जांच कराई थी

- योजना के तहत राज्यभर में पंजीकृत दवा विक्रेता जहां 1200 करोड़ के अटके हुए भुगतान की मांग को लेकर आंदोलन करने पर आमादा हैं, वहीं दूसरी तरफ उन्हें ब्लॉक करने के विभाग के फैसले के कारण हड़कंप मचा हुआ है

बीकानेर, (निसं)। राजस्थान गवर्नमेंट हेल्थ स्कीम (आरजीएचएस) के तहत अनियमितताएं मिलने पर प्रदेश में 1411 मेडिकल स्टोर और निजी अस्पतालों को पोर्टल पर ब्लॉक कर दिया गया है। इनमें बीकानेर के 35 हैं। योजना के तहत राज्यभर में पंजीकृत दवा विक्रेता जहां 1200 करोड़ के अटके हुए भुगतान की मांग को लेकर आंदोलन करने पर आमादा हैं, वहीं दूसरी तरफ उन्हें ब्लॉक करने के विभाग के फैसले के कारण हड़कंप मचा हुआ है। आरजीएचएस में घोटाले उजागर होने के बाद सरकार ने प्रदेशभर में कुल योजना के तहत पंजीकृत 4871 मेडिकल स्टोर और 1720 अस्पतालों की जांच कराई थी। अनियमितताएं मिलने पर कुल 1412 मेडिकल स्टोर और अस्पतालों को ब्लॉक कर दिया गया है। ये बिलिंग नहीं कर सकेंगे। अधिकांश ब्लॉक करने के पीछे कारण बैंक गारंटी खत्म होना और ड्रग लाइसेंस रिन्यू नहीं होने सहित छोटी-मोटी कमियां बताई जा रही हैं।

प्रादेशिक दवा विक्रेता समिति के सचिव रवि गुप्ता ने बताया कि बैंक गारंटी वापस करानी पड़ती है और ड्रग लाइसेंस बिना हम दवा नहीं बेच सकते, इसलिए इसे रिन्यू कराना ही पड़ता है। दरअसल योजना का सरकारी सिस्टम बिगड़ा हुआ है। इन कमियों को दुबारा चैक करना चाहिए, जिससे काउंटर फिर से शुरू किए जा सके। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. एसएन हर्ष और बीकानेर डिस्ट्रिक केमिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष बाबूलाल गहलोत ने भी भुगतान के लिए सरकार को पत्र लिखा है।

राज्य के कई अस्पताल संचालकों ने सरकार की इस योजना का बड़ा दुरुपयोग किया। निजी अस्पतालों में कराए जाने वाले इलाज का भुगतान उठाने के लिए फर्जी बिल बनाकर अपलोड कर दिए गए। एक ही बीमारी के इलाज के दो-दो बार भुगतान उठाए गए। सैकड़ों मेडिकल स्टोर संचालकों ने भी बिना जरूरत के महंगी दवाइयां देने के बिल बनाकर सरकार से भुगतान लिया। आजीएचएस के तहत नवंबर में 427 मेडिकल स्टोर शून्य बिक्री का हवाला देकर ब्लॉक किए गए हैं, जबकि हकीकत ये है कि समय पर भुगतान नहीं मिलन के कारण आपत्तियों के डर से इन मेडिकल स्टोर्स ने आरजीएचएस में बिलिंग की बंद कर दी है। अधिकांश मेडिकल स्टोर और अस्पताल बैंक गारंटी, ड्रग लाइसेंस और तकनीकी कारणों का हवाला देकर ब्लॉक किए गए हैं।

उदयपुर में ऑटो ड्राइवर के गले में कांच घुसा, मौत

- ऑटो को तेज रफ्तार कार ने मारी थी टक्कर, इलाज के दौरान मौत

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर शहर में तेज रफ्तार कार ने पीछे से ऑटो को टक्कर मार दी, जिसके बाद ऑटो के आगे का कांच टूटकर ऑटो ड्राइवर के गले में जा घुसा। राहगीरों ने गंभीर हालत में घायल को तुरंत अस्पताल पहुंचाया, जहां इलाज के दौरान मंगलवार सुबह उसकी मौत हो गई।

घटना सूरजपोल थाना इलाके के सरकारी फतह स्कूल के बाहर सोमवार रात 11 बजे के आसपास की है। मृतक की पहचान अमजद (35) निवासी खांजीपीर, गोसिया कॉलोनी के रूप में हुई है। सूचना के बाद सूरजपोल थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव मॉर्च्यूरी में रखवा दिया है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

पुलिस के मुताबिक हादसा उस समय हुआ जब ऑटो ड्राइवर हनुमान जी मंदिर के बाहर से अपना ऑटो लेकर गुजर रहा था। उस दौरान पीछे से आ रही तेज रफ्तार कार ने ऑटो को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ऑटो का आगे का कांच टूटकर ऑटो ड्राइवर के गले में घुस गया। इस दौरान वह लहूलुहान हालत में ऑटो में ही फंसा रहा। हादसे के बाद मौके पर राहगीरों ने ऑटो ड्राइवर को बाहर निकाला और गंभीर हालत में एमबी अस्पताल पहुंचाया, जहां उपचार के दौरान ऑटो ड्राइवर ने मंगलवार को सुबह दम तोड़ दिया। पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। फिलहाल हादसे को अंजाम देने वाली कार की पहचान नहीं हो पाई है। इसके लिए पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है। पुलिस का कहना है कि परिजनों की ओर से दी गई रिपोर्ट के आधार पर जांच को आगे बढ़ाया जा रहा है। जल्द ही आरोपी ड्राइवर को तलाश कर कार्रवाई की जाएगी।

हादसे में पर्यटक की मौत : उदयपुर शहर के अम्बामाता थाना क्षेत्र राड़ाजी चौराहे के समीप कार की टक्कर से पर्यटक की मौत हो गई तथा साथी युवक घायल हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार मंगलवार सांय अम्बामाता थाना क्षेत्र राड़ाजी चौराहा से जलदाय विभाग रोड़ पर के बीच में अनियंत्रित कार ने स्कूटी को टक्कर मार दी। हादसे में बडोदरा गुजरात निवासी आदित्य तथा साथी गंभीर घायल हो गए। जिन्हें उपचार के लिए एमबी चिकित्सालय में भर्ती करवाया, जहां आदित्य की मौत हो गई। आदित्य व साथी शहर भ्रमण के लिए आए थे एवं रेंट पर स्कूटी लेकर घूमने निकले थे। जहां बीच रास्ते में पिछे आ रही कार ने स्कूटी को टक्कर मार कर हादसे को अंजाम दिया।

भीवाड़ी में आयकर विभाग के डाटा एंट्री ऑपरेटर ने चार हजार की रिश्वत ली

- परिवादी ने पुराना पैन कार्ड बंद करने की एवज में मांगी गई थी रिश्वत

जयपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की भिवाड़ी टीम ने मंगलवार को कार्रवाई करते हुए आयकर विभाग भिवाड़ी जिला खैरथल तिजारा (भारत सरकार) के डाटा एंट्री ऑपरेटर (संविदा) सुभाष चन्द उर्फ सोनू को चार हजार रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया गया। यह रिश्वत परिवादी ने पुराना पैन कार्ड बंद करने की एवज में मांगी गई थी।

एसीबी पुलिस महानिदेशक गोविंद गुप्ता ने बताया कि एसीबी भिवाड़ी टीम को परिवादी ने शिकायत दी कि उसने अपने पुराने पैन कार्ड को बंद करवाने के लिए आयकर विभाग भिवाड़ी में प्रार्थना पत्र देने पर भिवाड़ी कार्यालय के कर्मचारी (डाटा एंट्री ऑपरेटर) सुभाष चन्द उर्फ सोनू पुराना पैन कार्ड बंद करने के लिए पांच हजार रुपये की रिश्वत मांग रहा है। जिस पर एसीबी भिवाड़ी के प्रभारी व उप अधीक्षक पुलिस (टीएलओ) परमेश्वर लाल ने शिकायत का सत्यापन कर ट्रेप की कार्रवाई करते हुए कर्मचारी सुभाष चंद्र उर्फ सोनू को चार हजार रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया गया।

मारपीट में व्यक्ति घायल

उदयपुर। सूरजपोल थाना क्षेत्र में आपसी कहासुनी के दौरान आरोपियों ने हमला कर युवक को घायल किया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार 21 दिसंबर रात में सूरजपोल थाना क्षेत्र कैलाश कॉलोरी के समीप प्रदीप पुत्र भंवरलाल व उसके साथी जिशान पर आरोपी मनीष मीणा, गिरदारी मीणा, ध्रुव मीणा, आर्यन मीणा व साथियों सरिये व चाकू से हमला कर घायल कर फरार हो गए। इस पर प्रदीप ने आरोपियों के खिलाफ पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया। जिसकी जांच एएसआई राजेश पाल कर रहे हैं।

पुलिस का आम व्यक्ति से गलत व्यवहार बर्दाश्त नहीं : डीजीपी राजीव शर्मा

- डीजीपी राजीव शर्मा ने भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस का संदेश दिया
- कोटा दौरे के दौरान पुलिस महानिदेशक ने पुलिस लाईन का निरीक्षण किया

कोटा पुलिस लाईन में आयोजित संपर्क सभा को पुलिस महानिदेशक राजीव शर्मा ने संबोधित किया।

कोटा, (निसं)। पुलिस महानिदेशक राजीव शर्मा मंगलवार को कोटा दौरे पर रहे। कोटा दौरे के दौरान पुलिस महानिदेशक ने पुलिस लाईन का निरीक्षण करते हुए कानून व्यवस्था, पुलिस कल्याण और जनसुरक्षा से जुड़े विभिन्न पहलुओं की समीक्षा की।

पुलिस महानिदेशक राजीव शर्मा ने पुलिसकर्मियों और अधिकारियों को संदेश देते हुए कहा कि उन्हें अपना काम निष्पक्षता से बिना किसी भ्रष्टाचार के करना चाहिये। उन्होंने कहा कि किसी भी हालत में भ्रष्ट पुलिसकर्मियों को नहीं बख्शा जायेगा। पुलिस महानिदेशक ने कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार कानून व्यवस्था को सुदृढ़ रखते हुए जीरो टॉलरेंस की निति पर काम किया जा रहा हैं। डीजीपी राजीव शर्मा ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि पुलिस कार्मिकों के दफ्तर या थाने में व्यवहार को लेकर शिकायत आना बहुत गंभीर है, आमजन के साथ गलत व्यवहार को बर्दाश्त नहीं करेंगे। डीजीपी ने कहा कि पुलिस लाईन में आयोजित संपर्क सभा में साथियों को बताया है कि आम आदमी के साथ हमारा किस तरह का व्यवहार होना चाहिए, अगर पुलिस थाने में कोई व्यक्ति आ जाए तो उसे तत्काल मदद मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि ऐसा माहौल होना चाहिये कि पुलिस थाने में आने से पहले किसी व्यक्ति को सोचना नहीं पड़े, हम प्रयासरत् हैं कि जनता को पुलिस थाने में फ्रेंडली वतावरण मिले।

डीजीपी ने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा, सायबर अपराध और ड्रग्स पर लगाम लगाना हमारा सीधा फोकस है। उन्होंने कहा कि जिस तरह से चुनौतियां बढ़ रही हैं, नई-नई तकनीक आ रही हैं, सायबर अपराध हो रहे हैं इनको किस तरह से अनुसंधान करना है, इन सभी के संबंध में विशेष ट्रेनिंग की जरूरत होती हैं। केंद्र सरकार की विशेष संस्था के जरिए भी ट्रेनिंग कर रहे हैं कि सायबर थाने में अच्छे प्रशिक्षण वाले लोग हों प्रत्येक थाने में दो से तीन लोग ऐसे हों जो सायबर अपराध की इन्वेस्टिगेशन की बेसिक तकनीक से अवगत हों। सायबर क्राइम के लिए 1903 हेल्पलाईन को मजबूत करने का प्रयास कर रहे है, इसमें स्टॉफ को बढ़ा रहे हैं ताकि कॉल जल्दी से अटेंड हो और पीड़ित को त्वरित रिस्पांस किया जाये। चाकूबाजी की घटनाओं पर डीजीपी ने कहा कि सभी मामलों की समीक्षा कर प्रभावी कार्यवाही की जायेगी। उन्होंने कहा कि अगर किसी भी अपराध में नाबालिग का इस्तमाल किया तो दोषी के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की जायेगी।

डीजीपी राजीव शर्मा ने कोटा कोचिंग स्टूडेंट के लिए कहा कि बच्चों की काउंसलिंग से लेकर अलग एक प्रकोष्ठ यहां पर काम कर रहा है। पुलिस कोचिंग स्टूडेंट के मामले में काफी सक्रिय हेल्पलाइन भी यहां पर चला रही हैं, इसमें काफी काम हुआ है। उसमें समय-समय पर नए और जरूरत के अनुसार काफी कुछ बदलाव भी किए हैं। उन्होंने कहा कि नए कानून के संबंध में आम जनता से लेकर सभी लोगों को जागरूक किया जा रहा है, इसमें पुलिस की अकाउंटबिलिटी बढ़ गई है। उन्होंने कहा कि पुलिस थानों और ऑफिस में साप्ताहिक अवकाश समय से मिले, इस संबंध में भी निर्देश दिए गए हैं। पुलिस महानिदेशक ने कोटा दौरे के दौरान पुलिस लाईन में नई लाईब्रेरी का उद्घाटन किया और कोटा, बूंदी व झालावाड़ की संयुक्त प्रदर्शनी का लोकार्पण किया। पुलिस महानिदेशक ने पुलिस सभागार में अधिकारियों के साथ बैठक की। पुलिस महानिदेशक के साथ अतिरिक्त महानिदेशक हवा सिंह घुमरिया सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

शहीद कैप्टन धर्मवीर सिंह के परिवार को 21 वर्ष बाद भूखंड का पट्टा मिला

- शहीद कैप्टन धर्मवीर सिंह के नाम जेडीए द्वारा वर्ष 2004 में आवासीय भूखण्ड आवंटित किया गया था
- यह भूखण्ड त्रुटिवश नीलामी द्वारा किसी अन्य व्यक्ति को आवंटित हो गया था, शहरी समस्या समाधान शिविर में हुआ समाधान

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर विकास प्राधिकरण में आयोजित शहरी समस्या समाधान शिविर में संभागीय आयुक्त एवं जेडीए अध्यक्ष डॉ. प्रतिभा सिंह द्वारा शिविर कार्यों का निरीक्षण करते हुए विभिन्न जोन के उपस्थित लाभार्थियों को पट्टे जारी किए गए। इस दौरान प्राधिकरण सचिव चंचल वर्मा, उपसचिव कंचन राठौड़, उपायुक्तगण, निदेशक अभियांत्रिकी, निदेशक आयोजना सहित उच्च अधिकारी मौजूद रहे।

शहरी समस्या समाधान शिविर में जेडीए द्वारा संवेदनशील सुशासन का उदाहरण प्रस्तुत करते हुए 1971 के भारत-पाक युद्ध के शहीद कैप्टन धर्मवीर सिंह के परिवार को सम्मानित किया गया। शहीद कैप्टन धर्मवीर सिंह के नाम जेडीए द्वारा वर्ष 2004 में आवासीय भूखण्ड आवंटित किया गया था, किंतु उक्त भूखण्ड त्रुटिवश नीलामी द्वारा किसी अन्य व्यक्ति को आवंटित हो गया। जेडीए आयुक्त उत्साह चौधरी द्वारा इस गंभीर तथ्य के संज्ञान में आने के पश्चात् प्रकरण को कार्यकारी समिति के समक्ष प्रस्तुत कर निर्णय उपरान्त शहीद के परिवार को न्याय देते हुए पंडित दीनदयाल उपाध्याय आवासीय योजना, बासनी तम्बोलिया में अन्यत्र भूखण्ड आवंटित किया गया। शिविर के दौरान जेडीए अध्यक्ष डॉ. प्रतिभा सिंह द्वारा शहीद कैप्टन धर्मवीर सिंह के परिवार का 21 वर्षों से लंबित भूखण्ड के सघंर्ष का अंत करते हुए उनके पुत्र लेफ्टिनेंट कर्नल गौरव भाखरी को आवासीय भूखण्ड का पट्टा प्रदान किया गया। लेफ्टिनेंट कर्नल गौरव भाखरी एवं अन्य लाभार्थियों ने पट्टा प्राप्त करते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा एवं जेडीए अध्यक्ष डॉ. प्रतिभा सिंह का आभार व्यक्त किया गया। अध्यक्ष डॉ. प्रतिभा सिंह द्वारा शिविर निरीक्षण के दौरान जेडीए द्वारा सम्पादित किए जा रहे कार्यों की सराहना की गई, साथ ही राज्य सरकार द्वारा प्रदत्त छूटों एवं रियायतों को अधिक से अधिक आमजन तक पहुंचाते हुए उनको लाभान्वित करने हेतु अधिकारियों एवं कर्मचारी को प्रोत्साहित कर उनका हौसला भी बढ़ाया गया।

अजमेर डिस्कॉम ने स्टेट सब्सिडी योजना शुरू की

अजमेर, (कासं)। अजमेर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (अजमेर डिस्कॉम) ने अपने क्षेत्र के 508 उपभोक्ताओं को कुल 86 लाख 36 हजार की सब्सिडी डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर के माध्यम से उनके बैंक खातों में जारी की। इस योजना के तहत राज्य सरकार उपभोक्ताओं को केंद्र सरकार द्वारा दी जा रही सब्सिडी के अतिरिक्त 17 हजार रुपये की सब्सिडी दे रही है।

राज्य सरकार की 150 यूनिट फ्री बिजली योजना के अंतर्गत यह सब्सिडी उन उपभोक्ताओं को दी जा रही है, जो मुख्यमंत्री निःशुल्क योजना का लाभ ले रहे हैं तथा जिन्होंने अपनी पक्की छत पर रूफटॉप सोलर संयंत्र स्थापित करवाया है। डिस्कॉम के प्रबंध निदेशक के.पी. वर्मा ने बताया कि राज्य सरकार की यह योजना न केवल उपभोक्ताओं को बिजली बिल में राहत प्रदान कर रही है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण और सराहनीय पहल है। रूफटॉप सोलर से स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा मिल रहा है तथा कार्बन उत्सर्जन में भी कमी आ रही है। डिस्कॉम प्रबंधन ने उपभोक्ताओं से अधिक से अधिक संख्या में इस योजना का लाभ उठाने की अपील करते हुए कहा कि आने वाले समय में भी पात्र उपभोक्ताओं को सब्सिडी राशि डीबीटी के माध्यम से जारी की जाती रहेगी।

बाइक की टक्कर से बालक की मौत

उदयपुर। जिले के बैकरिया थाना क्षेत्र में बाइक ने राह चलते बालक को टक्कर मार दी। हादसे में बालक की मौत हो गई। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार बैकरिया थाना क्षैत्र में पीण्डवाड़ा गोगुन्दा हाइवे सीरवल राष्ट्रीय राजमार्ग 27 पर बाइक ने राह चलते बालक मुकेश कुमार (12) पुत्र दीता गरासिया को टक्कर मार दी। हादसे में गंभीर घायल होने पर उसे उपचार के लिए एमबी चिकित्सालय में भर्ती करवाया जहां उसकी मौत हो गई।

पाटन में शादी के नाम पर ठगी करने वाले गिरोह का खुलासा, पांच गिरफ्तार

- प्रारंभिक जांच में गिरोह के अन्य राज्यों में भी सक्रिय होने की आशंका जताई

शादी के नाम पर ठगी करने गिरोह का पाटन पुलिस ने पर्दाफाश किया।

पाटन, (निसं)। शादी के नाम पर ठगी और ब्लैकमेलिंग करने वाले लुटेरी दुल्हन गिरोह का पाटन पुलिस ने पर्दाफाश किया है। पुलिस ने दुल्हन सहित गिरोह के पाँच सदस्यों को गिरफ्तार कर एक संगठित ठगी नेटवर्क का खुलासा किया है। आरोपी लंबे समय से पुलिस की रडार पर थे। यह कार्रवाई आईजी जयपुर रेंज एच.जी.आर. सुहास एवं एसपी सीकर प्रवीण नायक नुनावत के निर्देशन में, एएसपी नीमकाथाना लोकेश मीणा तथा वृताधिकारी सुशील मान के सुपरविजन में की गई।

थानाधिकारी रमेश मीणा के नेतृत्व में गठित विशेष पुलिस टीम ने तकनीकी एवं आसूचना विश्लेषण के आधार पर 23 दिसंबर को आरोपियों को दबोच लिया। पुलिस के अनुसार, परिवादी कृष्ण कुमार यादव से दिल्ली निवासी महिला की शादी तय कर ढाई लाख लाख रुपये की रकम वसूल की गई। शादी के बाद आरोपी गांव पहुंचे और महिला को कभी बेटी तो कभी पत्नी बताकर 10 लाख रुपये की अतिरिक्त मांग करने लगे। राशि नहीं देने पर आरोपियों ने अपहरण व बलात्कार जैसे झूठे मामलों में फंसाने की धमकी दी। पीड़ित द्वारा मामला दर्ज कराए जाने के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए गिरोह को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपीयों में शबाना बेगम (31) निवासी दिल्ली/वेस्ट बंगाल, सकीला बानो (50) दिल्ली, जैरूदीन (53) दिल्ली, दिलबर हुसैन (33) दिल्ली, मोहम्मद आमिर (30) दिल्ली शामिल हैं।पुलिस द्वारा आरोपियों से गहन पूछताछ की जा रही है। प्रारंभिक जांच में गिरोह के अन्य राज्यों में भी सक्रिय होने की आशंका जताई जा रही है। पुलिस को इस गिरोह से जुड़े और मामलों के खुलासे की उम्मीद है।

शिल्पग्राम उत्सव : गुजरात का राठवा डांस देख रोमांचित हुए दर्शक

- ओडिशा और त्रिपुरा के नृत्यों ने संस्कृति से रूबरू कराया

मुक्ताकाशी मंच पर विभिन्न राज्यों के कलाकारों ने लोक नृत्य की प्रस्तुति दी।

उदयपुर, (निसं)। गुजरात के आदिवासी डांस राठवा में नर्तकों और नर्तकियों ने जब खूबसूरत बैलेंस का प्रदर्शन किया तो दर्शक चकित हो गए। इसमें जब नर्तकियों को अपने कंधों पर खड़ा कर, पिरामिड बना नर्तकों ने डांस किया तो दर्शकों ने तालियों की गड़गड़ाहट से शिल्पग्राम गूंजा दिया। शिल्पग्राम उत्सव के दौरान इस प्रस्तुति मंगलवार की शाम मुक्ताकाशी मंच पर खूब धूम मचाई। उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, उदयपुर की ओर से आयोजित किए जा रहे दस दिवसीय शिल्पग्राम उत्सव के तीसरे दिन शाम को मुख्य कार्यक्रम में इसके साथ ही अन्य राज्यों की प्रस्तुतियों ने उत्सव की थीम 'लोक के रंग-लोक के संग' को साकार कर दिया। इन प्रस्तुतियों ने दर्शकों के दिलों को झंकृत कर दिया।

मुक्ता काशी मंच पर मंगलवार की शाम मुख्य कार्यक्रम में राजस्थान के नगाड़ा वादन, सफेद आंगी व लाल आंगी गेर के साथ ही चरी डांस ने तमाम दर्शकों का दिल जीत लिया, वहीं इस प्रोग्राम को ओडिशा के संभलपुरी व मणिपुर के लाई हारोबा व कर्नाटक के पूजा कुनिथा डांस ने प्रोग्राम को लोक संस्कृति को साकार कर दिया।

इस शाम को और भी खूबसूरत बनाया घूमरो-घूमरो श्याम रंग घूमरो... फैम कश्मीर के रौफ डांस की प्रस्तुति ने इस गाने के बोलों के साथ सामयीन ने भी जमकर सुर मिलाए और डांस को खूब दाद दी। अपनी अदाकारी, शृंगार और तीव्र, मध्यम एवं धीमी लयकारी के अनूठे समन्वय के लिए मशहूर महाराष्ट्र के लावणी डांस ने दर्शकों को सम्मोहित-सा कर दिया। वहीं, महाराष्ट्र की अन्य डांस फॉर्म मल्लखंभ के करतबों ने दर्शकों को रोमांचित करने के साथ ही उनकी खूब वाहवाही लूटी। यह शाम और लोकरंजक बनाने में पंजाब के लुड्डी और गुजरात के तलवार रास लोक नृत्यों ने दर्शकों में जोश और उत्साह का संचार कर उन्हें मंत्रमुग्ध कर दिया, तो हरियाणा की प्रसिद्ध घूमर पर भी दर्शक जमकर झूमे। कार्यक्रम का संचालन मोहिता दीक्षित और वेदिका दीक्षित ने किया।

उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र के निदेशक फुरकान खान ने बताया कि इस उत्सव का मूल उद्देश्य विभिन्न राज्यों की फोक प्रस्तुतियों के साथ ही हस्त शिल्पियों के उत्पादों को उचित मंच प्रदान करने का है। मेवाड़, खासकर उदयपुर शहर के कला प्रेमियों की रुचि का इसकी सफलता में अहम योगदान है। शिल्पग्राम उत्सव के दौरान बंजारा मंच पर 'हिवड़ा री हूक' के दूसरे दिन मंगलवार को भी युवाओं में भारी उत्साह देखा गया। वैसे, यह प्रोग्राम हर उम्र के श्रोताओं को लुभा रहा है। इसमें मेलार्थियों ने खुद प्रस्तुतियां देकर लुत्फ उठाया, वहीं गीत-संगीत के बीच के अंतराल में संचालक सौरभ भट्ट की प्रश्नोत्तरी इसे और भी लोकप्रिय बना रही है। क्विज में सही उत्तर देने वालों को उपहार भी दिए जा रहे हैं।

हादसे में युवक की मौत, साथी युवक घायल

उदयपुर, (निसं)। टीडी थाना क्षेत्र में ट्रक की टक्कर से ट्रैक्टर पलट गया। हादसे में एक युवक की मौत हो गई तथा साथी युवक घायल हो गया।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार टीडी थाना क्षेत्र में सोमवार रात में ट्रक ने ट्रैक्टर को टक्कर मार दी। जिसके चलते ट्रैक्टर पलट गया। हादसे में टीडी नाल निवासी मुकेश (28) पुत्र पूंजाजी मीणा तथा उपला खेड़ा निवासी जगदीश पुत्र थावरा दोनों गंभीर घायल हो गए। जिन्हें उपचार के लिए एमबी चिकित्सालय पहुंचाया। जहां मुकेश की मौत हो गई। इस पर हेड कांस्टेबल जितेन्द्र ने मृतक का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया। मुकेश व जदगीश देनों ट्रैक्टर में बैठ कर टीडी की नाल से पडूणा की तरफ जा रहे थे, जहां बीच रास्ते में पीछे से आ रहे अनियंत्रित ट्रक ने टैक्टर को टक्कर मार दी जिसके चलते हादसा हो गया। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।

सूने मकान में हुई लाखों की चोरी का पर्दाफाश, एक गिरफ्तार

- पुलिस ने एक आरोपी को कोटा से गिरफ्तार किया, अन्य आरोपियों की तलाश जारी
- करीब 10 तोला सोना, 2 किलो चांदी व 1.80 लाख की नकद चोरी हुई थी

नसीराबाद, (निसं)। नसीराबाद सदर थाना क्षेत्र में हुई बड़ी नकबजनी की वारदात का पुलिस ने महज 72 घंटे में सफल खुलासा कर दिया। कार्रवाई करते हुए पुलिस ने एक शातिर आरोपी को गिरफ्तार कर घटना में प्रयुक्त कार, चोरी के आभूषण और नकदी बरामद की है। मामले में शामिल अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

जानकारी के अनुसार 16 दिसंबर को नसीराबाद सदर थाना क्षेत्र के बलवंता गांव में अज्ञात बदमाशों ने एक बंद पड़े मकान को निशाना बनाकर बड़ी नकबजनी की वारदात को अंजाम दिया। घटना के समय मकान मालिक और परिवारजन घर पर मौजूद नहीं थे। बदमाशों ने ताले तोड़कर अलमारियों में रखा सामान अस्त-व्यस्त कर दिया और करीब 10 तोला सोना, 2 किलो चांदी व करीब 1.80 लाख की नकद चोरी कर फरार हो गए। अगले दिन परिवादी सूरजमल कराड़िया, निवासी बलवंता ने नसीराबाद सदर थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई। रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने संबंधित धाराओं में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की। वारदात की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने विशेष टीमों का गठन किया। घटनास्थल का निरीक्षण कर नसीराबाद से कोटा तक करीब 500 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई। तकनीकी विश्लेषण, संदिग्धों की गतिविधियों और वाहन ट्रैकिंग के आधार पर पुलिस को अहम सुराग मिले। पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए 19 दिसंबर को मुख्य आरोपी शानू उर्फ शाहनवाज को कोटा शहर से गिरफ्तार किया। पूछताछ के दौरान आरोपी ने अपने साथियों के साथ मिलकर नकबजनी की वारदात करना स्वीकार किया। गिरफ्तार आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने वारदात में प्रयुक्त स्विफ्ट कार चोरी गया सोने जैसा धातु का एक आभूषण (चेन) 3000 रुपये नकद बरामद कर जब्त किए। आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है। जांच में सामने आया कि आरोपी रिहायशी इलाकों में पहले रैकी करते थे। सूने और बंद मकानों को चिन्हित कर रात के समय ताले तोड़ते और सोना-चांदी व नकदी चोरी कर फरार हो जाते थे।

अग्र परिवार की बैठक

भुसावर भरतपुर (निस)। भुसावरी अग्र परिवार की मंगलवार को जवाहर नगर पर एक निजी आवास पर बैठक आयोजित हुई। बैठक में संस्था द्वारा गत दिनों में आयोजित अन्नकूट महोत्सव के अवसर पर विवाह योग्य युवक युवतियों की सूचा पर मंथन किया गया।

सरकार की योजनाएं सौ फीसदी क्रियान्विति करें : यादव

■ अलवर में जिला विकास समन्वय और निगरानी समिति (दिशा) की बैठक आयोजित हुई।

कोटपूतली। केंद्रीय पर्यावरण एवं वन मंत्री एवं अलवर सांसद भूपेंद्र यादव की विशिष्ठ उपस्थिति एवं जयपुर ग्रामीण सांसद राव राजेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में जिला कलेक्टर सभागार में मंगलवार को जिला विकास समन्वय और निगरानी समिति (दिशा) की बैठक आयोजित हुई। इस दौरान विधायक कोटपुतली हंसराज पटेल, विधायक बहरोड़ डॉ. जसवंत यादव, विधायक विराटनगर कुलदीप धनखड़, विधायक बानसूर देवीसिंह शेखावत, विधायक मुंडावर ललित यादव, जिला प्रमुख अलवर बलबीर छिल्लर, आईजी जयपुर आर. सुहासा, जिला कलक्टर प्रियंका गोस्वामी एवं जिला पुलिस अधीक्षक देवेन्द्र विश्नोई, अतिरिक्त जिला कलेक्टर ओमप्रकाश सहारण सहित समस्त विभागीय अधिकारी मौजूद रहे । केंद्रीय मंत्री यादव ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि केंद्र सरकार की पीएम सूर्य घर योजना, स्वच्छ भारत मिशन, टीबी मुक्त भारत अभियान सहित अन्य योजनाओं की धरातल पर शत-प्रतिशत क्रियान्विति सुनिश्चित करते हुए पात्रों को लाभान्वित करें। उन्होंने एनएचएआई के संबंध में समस्याओं और शिकायतों के त्वरित निस्तारण हेतु अलग से बैठक आयोजित कर सिक्स लाइन के ओरिजिनल प्लान अनुसार मीडियन गैप व्यवस्थित कर सुचारू करने सहित अन्य सुरक्षात्मक उपायों एवं सुगम यातायात के कार्य को प्राथमिकता से लेने को कहा। साथ ही स्वच्छ भारत अभियान के तहत स्वच्छता के कार्य को प्राथमिकता से लेते हुए शहर में सीवरेज प्लान को बेहतर करने एवं पूरे शहर को कवर कर एसटीपी के कार्य में गति लाने के निर्देश नगर परिषद को दिए। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए अधिकारी पूर्ण सजगता व गंभीरता के साथ कार्य करते हुए विकास कार्यों एवं योजनाओं की गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध क्रियान्विति सुनिश्चित करें। यादव ने पीएचईडी विभाग की समीक्षा कर कहा कि आमजन को पेयजल संबंधी समस्याओं का सामना नहीं करना पडे इसके लिए जलदाय विभाग के अधिकारी स्वीकृत कार्यों में गति लाते हुए प्राथमिकता से धरातल पर उतारे। उन्होंने पीएचईडी अधीक्षण अभियन्ता से जेजेएम के स्वीकृत कार्यों, प्रक्रियाधीन कार्यों, कंटिंजेंसी प्लान, इमरजेंट प्लान, जनसंख्या अनुरूप पेयजल स्त्रोतों, ट्यूबवेल, सरकार को भेजे गए प्रस्ताव, वर्तमान जिले की पेयजल आपूर्ति की स्थिति की जानकारी लेते हुए निर्देश दिये कि विभिन्न मदों में स्वीकृत पेयजल कार्यों को निर्धारित समयावधि तक पूर्ण करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि जल्द ही पुनः पेयजल आपूर्ति व्यवस्था की समीक्षा की जाएगी। यादव ने केंद्र सरकार की 'पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना' एवं पीएम कुसुम योजना की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि क्षेत्र में निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप अधिक से अधिक नागरिकों को रूफटॉप सोलर प्लांट लगाने के लिए जागरूक कर पंजीकरण करवाना सुनिश्चित करें। आमजन को योजना के बारे में अधिकाधिक जागरूक करें एवं बैंकों से समन्वय कर लोगों को लाभान्वित करने की दिशा में काम करें। उन्होंने अधीक्षण अभियंता विद्युत विभाग को फील्ड में जाकर जनप्रतिनिधियों से समन्वय करते हुए कार्यों में गति लाने, घरेलू एवं कृषि कनेक्शन कार्यों में प्रगति के निर्देश दिए। वहीं सांसद राव राजेन्द्र सिंह ने कहा कि दिशा की बैठक का उद्देश्य सुनिश्चित करना है कि सरकार की मंशानुरूप योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र तक पहुंचे बैठक में अलवर जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी गौरव सालुंखे, एसडीएम कोटपुतली रामवतार मीणा, एसीईओ सुशीला यादव सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

छात्र-छात्राओं को स्वेटर बांटे

चौंमू / कालाडेरा (निंस) चौंमू उपखंड के ग्राम नांगल कंला में स्थित महात्मा गांधी गवर्नमेंट स्कूल में मंगलवार को भामाशाह के द्वारा विद्यालय के छात्र-छात्राओं को स्वेटर वितरित किए गए। स्वेटर वितरण कार्यक्रम के तहत स्थानीय विद्यालय में भामाशाह गोगराज देवन्दा (पं. समिति सदस्य) एवं विद्यालय के प्रधानाचार्य कुलदीप सिंह यादव व समस्त स्टॉफ के द्वारा क्षेत्र के चार विद्यालयों के 250 विद्यार्थियों को स्वेटर वितरण किए गये । जिसमें गोगराज देवन्दा ने 35 हजार रुपये तथा विद्यालय स्टॉफ ने 20, हजार 600 रुपये की सहयोग राशि सप्रेम भेंट की। इस कार्यक्रम में सदस्य तथा ग्रामीणजन भूरा राम, रामलाल, गिरधारी लाल, मदन लाल शर्मा, मोहन लाल बुनकर, काना राम बुनकर, शंकर लाल सैन, रामावतार देवन्दा, बनवारीलाल वर्मा, गौरु राम, रामकुमार जाखड़, मूलचन्द जाखड़, मोहन लाल जी बुनकर कानाराम जी बुनकर, नेमीचन्द वर्मा, बन्नाराम देवन्दा सहीत अनेक गणमान्य लोग कार्यक्रम में उपस्थित रहे तथा स्वेटर वितरण कार्यक्रम की ग्रामीणों ने प्रशंसा की ।

'लोकतंत्र की मजबूती के लिए मतदान एक सशक्त माध्यम'

टोंक। मुख्य निर्वाचन अधिकारी राजस्थान के निर्देशानुसार राजकीय महाविद्यालय टोंक में विद्यार्थियों के मतदाता सूची में पंजीकरण हेतु दो दिवसीय मतदाता जागरूकता क्लस्टर कैंप का आयोजन किया गया। इस दौरान कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्राचार्य लोकेश कुमार शर्मा ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए मतदान एक सशक्त माध्यम है, नव मतदाताओं एवं वंचित मतदाताओं के नाम जोड़ने के उद्देश्य से यह शिविर आयोजित किया गया है, ताकि "कोई भी पात्र मतदाता न छूटे" की संकल्पना को साकार किया जा सके। इस मौके पर बूथ लेवल अधिकारी फहीम मुगनी एवं डॉ. नदीम ने एसआईआर 2026 के अंतर्गत जनवरी 2026 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले पात्र युवाओं को ऑनलाइन एवं ऑफलाइन माध्यम से पंजीकरण कराने हेतु प्रेरित किया। उन्होंने फॉर्म-6, विशेष गहन पुनरीक्षण की प्रक्रिया की जानकारी दी तथा वोटर हेल्पलाइन ऐप के माध्यम से घर बैठे मतदाता सूची में नाम जोड़ने की प्रक्रिया का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया। इस अवसर पर स्वीप सदस्य प्रो. रजनी तसीवाल, डॉ. नीतू चौधरी, डॉ. मोहम्मद बाकिर हुसैन, अरुण कुमार मीणा सहित महाविद्यालय के अनेक विद्यार्थी उपस्थित रहे।

रथ यात्रा का प्रागपुरा, कुनेड में भव्य आगमन

पावटा। नगरपालिका क्षेत्र के प्रागपुरा, कुनेड, पावटा, खेलना कमें मंगलवार को विधायक के नेतृत्व में विकास रथ यात्रा का भव्य और ऐतिहासिक स्वागत किया गया। नगर में प्रवेश करते ही विकास रथ यात्रा का जगह-जगह पुष्पवर्षा, ढोल-नगाड़ों और नारों के साथ नागरिकों ने आत्मीय स्वागत किया। पूरा नगर विकास, विश्वास और जनकल्याण के रंग में रंगा नजर आया। विकास रथ यात्रा का मुख्य उद्देश्य राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाना और आमजन को उनके अधिकारों व लाभों से अवगत कराना रहा। यात्रा के दौरान विभिन्न वार्डों और प्रमुख चौराहों पर रथ को रोका गया, जहां अधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत योजना, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, छात्रवृत्ति योजना, मुख्यमंत्री निःशुल्क दवा एवं जांच योजना सहित अनेक योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। इस अवसर पर आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए विधायक कुलदीप धनकड ने कहा कि विकास रथ केवल एक यात्रा नहीं, बल्कि सरकार की संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता का प्रतीक है। हमारी सरकार का संकल्प है कि योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचे।

'कार्यालय में आना वाला व्यक्ति निराश नहीं लौटे'

■ सुशासन सप्ताह के तहत सेवानिवृत आईएएस गिरिराजसिंह कुशवाह की अध्यक्षता में कार्यशाला का

भरतपुर । सुशासन सप्ताह के तहत सेवानिवृत आईएएस गिरिराजसिंह कुशवाह की अध्यक्षता में मंगलवार को कलक्ट्रेट सभागार सुशासन कार्यशाला का आयोजन किया। जिसमें जिला कलक्टर कमर चौधरी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

कुशवाह ने कहा कि सुशासन का उद्देश्य नागरिकों को बेहतर सेवाएं प्रदान करना और उनकी समस्याओं का समाधान करना है। उन्होंने कहा कि अधिकारी आमजन के प्रति सहजता एवं आदर व्यवहार रखते हुए सुशासन के मूल्यों को अपनाएं और अपने काम में पारदर्शिता व जवाबदेही सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि गुड गर्वनेंस तभी सार्थक होगा जब कार्यालय में आना वाला कोई व्यक्ति निराश होकर नहीं लौटे। आमजनता को योजनाओं का फायदा मिलने के साथ विकास कार्यों के क्रियान्यवयन में पारदर्शिता एवं समयबद्धता की पालना की जाये। उन्होंने सुशासन की अवधारणा बताते हुए राजकार्य के उत्तदायित्वों को सरलता के साथ निर्वहन करने, जनहित के कार्यों एवं जिले के आधारभूत विकास को गति देने वाले कार्यों में नागरिकों की भागीदारी बढाने का सुझाव दिया। जिला कलक्टर कमर चौधरी ने कहा कि सरकारी प्रक्रिया का सरलीकरण कर आमजन को सरकार की योजनाओं एवं कार्यक्रमों का लाभ त्वरित मिले। विभागीय सेवाओं में पारदर्शिता की पालना की जाये। उन्होंने कहा कि नागरिकों के साथ संवाद और उनकी समस्याओं का समाधान कर विभागीय योजनाओं और कार्यक्रमों का प्रचार और प्रसार किया जावे। उन्होंने सभी विभागों को नवाचार अपनाकर जिले के विकास को गति देने वाले कार्यक्रमों को अपनाने पर बल दिया। नगर निगम आयुक्त श्रवण बिश्नोई ने स्मार्ट सेवा केंद्र के माध्यम से सभी नागरिक सुविधाओं को पारदर्शी एवं समयबद्ध रूप से उपलब्ध कराने के लिए किये जा रहे नवाचार का प्रजेंटेशन दिया। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में नगर निगम की सभी सेवाओं, योजनाओं को डिजिटल मोड पर आमजन को पारदर्शिता से उपलब्ध कराया जाएगा।

प्रपत्र संख्या 7 (देखिये नियम 21)
कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2025/920 चूंकि प्रार्थी श्री ANNOP MOR, 12 PREMIER PRESS RAM NAGAR SODALA JAIPUR SHYAM NAGAR-302019 ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत प्रन्यास KIRAN ANUJ MEMORIAL TRUST, 12 RAM NAGAR HAWA SADAK SODALA JAIPUR-302019 के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा पूदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच प्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 02.12.2025 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 11.02.2026
मोहर अदालत — सहायक आयुक्त, देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

कार्यालय ग्राम पंचायत टूमली का बास पं. स. चाकसू
क्रमांक- एफ()/ग्रापटू/ई-निविदा/2025-26/254 दिनांक-12.12.2025
ई-निविदा सूचना संख्या 01/2025-26
NIB NO. PSD2526A0036, UBN NO. PFD2526WSOB00050 TO 51
पंचायत समिति चाकसू के अधिनस्थ ग्राम पंचायत टूमली का बास में विभिन्न योजनान्तर्गत स्वीकृत कार्यो को सम्पादित कराने हेतु पंचायतराज अधिनियम 1996 के नियम 181 के अन्तर्गत तथा राजस्थान लोक उपापन पार्दशिता अधिनियम 2012 एवं राजस्थान लोक उपापन पार्दर्शिता नियम 2013 के अनुसार राज्य सरकार के अधिकृत संगठनों में पंजीकृत सक्षम श्रेणी के संवेदकों से ई-टेंडरिंग प्रक्रिया द्वारा विभिन्न कार्यो हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा से सम्बन्धित समस्त जानकारी पंचायत समिति/संबंधित ग्राम पंचायत मे कार्यालय समय मे एवं राजस्थान उपापन पोर्टल https://eproc.rajasthan.gov.in देखी जा सकती है। निविदाएं ऑनलाईन प्राप्त करने एवं अपलोकड करने की दिनांक 24.12.2025 से 07.01.2026 को सायं 5.00 बजे तक रहेगी।
कन्हैयालाल शर्मा, प्रशासक, ग्राम पंचायत टुमली का बास, पं.स. चाकसू, जयपुर — सरदार सिंह राजपूत, ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत टुमली का बास, पं.स. चाकसू, जयपुर

कार्यालय ग्राम पंचायत आकोडिया पं.स. कोटखावदा (जयपुर)
क्रमांक-ग्रा.पं./2025-26/ई-निविदा/86
ई-निविदा सूचना 02/2025-26
पंचायत समिति कोटखावदा के ग्राम पंचायत आकोडिया में जनजाति क्षेत्र विकास कार्यक्रम के अन्तर्गत 30.00 लाख का 2 कार्य स्वीकृत है। कार्यो को सम्पादित कराने हेतु पंचायतराज अधिनियम 1996 के नियम 181(2) के अन्तर्गत तथा राजस्थान लोक उपापन पार्दर्शिता नियम 2013 के अनुसार राज्य सरकार के अधिकृत संगठनां में पंजीकृत सक्षम श्रेणी के संवेदकों से ई-टेंडरिंग प्रक्रिया द्वारा निविदायें निम्नानुसार आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित समस्त जानकारी कार्यालय समय में एवं राजस्थान उपापन पोर्टल https://sppp.rajasthan.gov.in एवं https://eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है। निविदाएं ऑनलाईन प्राप्त करने एवं अपलोड करन की दिनांक 23.12.2025 से 02.01.2026 को प्रात 11.00 बजे तक रहेगी।
NIB- KHW2526A0038, UBN- KHW2526WSOB00067, KHW2526WSOB00068
सरपंच, ग्राम पंचायत आकोडिया, पं.स. कोटखावदा, जयपुर — ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत आकोडिया, पं.स. कोटखावदा, जयपुर

कार्यालय नगर निगम जयपुर
सेक्टर-9 गोखले मार्ग, शिप्रा पथ रोड मानसरोवर जयपुर
क्रमांक :- जसअ/2025/376 दिनांक: 22.12.2025
ई-निविदा सूचना सं. अधि० अभि० (मानसरोवर जोन) -136 से 137/2025-26
केन्द्र एवं राज्य सरकार के सभी विभागों में पंजीकृत संवेदको एवं नगर निगम जयपुर के पंजीकृत निविदादाताओं से बिड अधि० अभि० (मानसरोवर जोन) से सम्बन्धित विकास कार्य की निविदा आमंत्रित की जाती है। कार्य की अनुमानित लागत, टेण्डर बेचे जाने तथा प्राप्त करने की तारीख, टेण्डर शर्त आदि सम्पूर्ण विवरण नगर निगम जयपुर की वेबसाईट www.jaipurmc.org.com व http://sppp.raj.nic.in & eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है। जिसका sppp पोर्टल यू.बी.ई.एन. नं. JMC2526WSOB02328 To JMC2526WSOB002329 है। उक्त निविदा को http://sppp.raj.nic.in पर दिनांक 20.12.2025 को अपलोड करवा दिया जायेगा।
अधिशाषी अभियन्ता, मानसरोवर जोन, नगर निगम जयपुर
राज.संवाद/सी/25/16356

RAJASTHAN UNANI MEDICAL COLLEGE & HOSPITAL
Infront of Rajesh Coach, Jagdamba Colony Paldi Meena, Agra Road, Jaipur (Raj.) Pin-302031
URGENTLY REQUIRED
1. Higher Faculty - Amraze jild we Tazeeniyat, Munaf-e-ul-Aza, Moalijat, Ilmul Jarahat, Tahafuzi wa Samaji Tib, Tashreehul Badan,
2. Lower Faculty - Ilmul Atfal, Kulliyat, Tashreeh-ul-Badan, Mahiyatul Amraz, Niswan wa Qabalat, Moalijat, E.N.T. & Eye, Ilaj Bit Tadbeer
Salary-NEGOTIABLE
Qualification for all posts as per NCISM Norms
Apply within 07 days through e-mail rumch786@gmail.com and whatsapp number 8619921154 and interview date on 03.01.2026
(Dr. Parvez Akhtar Warsi)
Secretary
Management Committee
Rajasthan Unani Medical College & Hospital, Jaipur

कार्यालय नगरपालिका खेजरोली जयपुर राज.
क्रमांक/न.पा.खेज./2025-26/1465 दिनांकः- 18.12.2025
आपत्ति आमंत्रण सूचना
सर्वसाधरण को सूचित किया जाता है कि नगर पालिका खेजरोली में निम्न आवेदकों ने पट्टा स्वीकृति हेतु आवेदन किया है। जो कि निम्नानुसार है:-

क्रं. सं.	आवेदक का नाममय पता	खसरा संख्या/ पटवार हल्का	आस पडोस का विवरण	भू खण्ड का क्षेत्रफल
1	श्री बाबूलाल जाट पुत्र नाथूराम जाट, निवासी- ढाणी पील्या,, खेजरोली	खसरा न. 1036, खेजरोली ए	पूर्व में-खेजरोली चौमू रोड, पश्चिम में-बफाती व जमाल की खाली जमीन, उत्तर- जमालुद्दीन की दुकान, दक्षिण- खाली जमीन	27.57 वर्ग मीटर
2	श्री प्रेम नारायण सैनी पुत्र लिछमा राम सैनी, निवासी- हजारिया की ढाणी नन्द कॉलोनी, खेजरोली ए	खसरा न. 2297, खेजरोली ए	पूर्व में-मदन खटीक का मकान, पश्चिम में-रास्ता, उत्तर- मदन खटीक का मकान , दक्षिण- राजू सुनार का मकान	195.09 वर्ग मीटर
3	श्री चंदप्रकाश यादव पुत्र श्री हरि प्रसाद यादव, निवासी-शाहपुरा, जयपुर	प्लाट न. B-11, सेठ सांवरिया विहार, खेजरोली, खसरा न. 2685/1553, 2688/1557, 2689/1557 खेजरोली A	पूर्व में-प्लाट न. B-04, पश्चिम में-रास्ता, उत्तर- प्लाट न. B-12, दक्षिण- प्लाट न. B-10	139.32 वर्गमीटर
4	श्री भगवान मीना पुत्र श्री कन्हैया मीना, निवासी-बडापुरा, खरौली सरमथुरा, धोलपुर	प्लाट न. B-12, सेठ सांवरिया विहार, खेजरोली, खसरा न. 2685/1553, 2688/1557, 2689/1557 खेजरोली A	पूर्व में-प्लाट न. B-03, पश्चिम में-रास्ता, उत्तर- प्लाट न. B-13, दक्षिण- प्लाट न. B-11	139.32 वर्गमीटर
5	श्री बाबूलाल वर्मा पुत्र चौथू राम सैन, निवासी- नन्द कॉलोनी, हौली चौक, खेजरोली ए	खसरा न. 1032, खेजरोली ए	पूर्व में- रोड, पश्चिम में-दीनदयाल शर्मा का मकान, उत्तर- गोवर्धन शर्मा का मकान, दक्षिण- रामदयाल सैनी का मकान	315.86 वर्ग मीटर
6	श्री माली देवी पत्नि श्री बंशीधर यादव, निवासी- रामुडा की ढाणी, खेजरोली	दुकान न. S-56, S-57 बालाजी विहार, खसरा न. हाल 1497, 2623, 2624 खेजरोली A	पूर्व में-बिलान्दरपुर जाने वाली रोड, पश्चिम में- प्लाट न. 1 व 2, उत्तर- S-58,59 दक्षिण- S-55	46.45 वर्ग मीटर

उक्त आवेदित भूखण्ड पर किसी भी व्यक्ति को आपत्ती हो तो 3 दिवस में नगरपालिका कार्यालय में आपत्ती प्रस्तुत करें। अन्यथा समयावधि बाद आपत्ती पर कोई विचार नही किया जायेगा।
अधिशाषी अधिकारी, नगर पालिका खेजरोली
राज.संवाद/सी/25/16301

कार्यालय नगर परिषद् शाहपुरा, जयपुर (राज0)
(पीपली तिराहे के पास, शाहपुरा,जयपुर)
Email:- shahpura.jaipur@gmail.com
क्रमांकः-न.प.शा./भूमि/2025-26/457 दिनांक- 22.12.2025
आपत्ति आमन्त्रण सूचना
सूचित किया जाता है कि आवेदक द्वारा नगर परिषद शाहपुरा, जयपुर में कृषि भूमि नियमन/69ए पट्टा/ उपविभाजन/पुर्नगठन हेतु आवेदन किया गया है।

क्र.सं.	आवेदक का नाम व पिता /पति का नाम	स्थित भवन/भूमि का मौहल्ला रास्ता , खसरा नं. व दिशा	कुल क्षेत्रफल (वर्ग गज)	विशेष विवरण
1	श्री नन्छूराम, श्री मालीराम पुत्र श्री प्रभूदयाल	आदर्श कॉलोनी, शाहपुरा, जयपुर, खसरा नं. 2237 पूर्व- प्लॉट नं. 23 ,पश्चिम-प्लॉट नं. 25 , उत्तर- प्लॉट नं. 19, दक्षिण- आम रास्ता	266.66	आवासीय पट्टा हेतु
2	श्रीमती मीरा देवी पत्नी श्री सूरज मल वर्मा	बुनकर मौहल्ला, शाहपुरा, जयपुर, खसरा नं. 2107 पूर्व- गिरधारी का मकान पश्चिम- हनुमान का मकान , उत्तर-गली , दक्षिण- नीमकाथाना रोड	139.43	व्यवसायिक पट्टा हेतु
3	श्रीमती आशा देवी पत्नी श्री छाजूराम ढबास	शाहपुरा, जयपुर, खसरा नं. 3938/1 पूर्व- विक्रेता का मकान पश्चिम- आम रास्ता , उत्तर- सैनी का प्लॉट , दक्षिण- बंसीती देवी का प्लॉट	289.79	आवासीय पट्टा हेतु
4	श्री हरीराम यादव पुत्र श्री देवाराम यादव	राजपुरा पुलिया के सामने, बिदारा, शाहपुरा, जयपुर, खसरा नं. 384.388 पूर्व- आम रास्ता पश्चिम- स्वयं का भूखण्ड , उत्तर-स्वयं की जगह , दक्षिण- हरीराम यादव का भूखण्ड	313.33	आवासीय पट्टा हेतु
5	श्री हरीराम यादव पुत्र श्री देवाराम यादव	राजपुरा पुलिया के सामने, बिदारा, शाहपुरा, जयपुर, खसरा नं. 384.388 पूर्व- आम रास्ता पश्चिम- स्वयं का भूखण्ड , उत्तर-आम रास्ता , दक्षिण- हरबी देवी का भूखण्ड	313.33	आवासीय पट्टा हेतु
6	श्री प्रकाश पुत्र श्री रामोतार	भूखण्ड संख्या 64 शाहपुरा स्मार्ट सिटी, II शाहपुरा, जयपुर, खसरा नं. 1045, पूर्व- आम रास्ता , पश्चिम- प्लॉट नं.49 उत्तर- प्लॉट नं.63 , दक्षिण- प्लॉट नं.65	111.11	आवासीय पट्टा हेतु
7	श्री ओम प्रकाश गुप्ता पुत्र श्री बंशीधर गुप्ता	प्लॉट संख्या -44, विनायक कॉलोनी, शाहपुरा, जयपुर खसरा नं. 1856, पूर्व- आम रास्ता, पश्चिम-अन्य की भूमि, उत्तर- भूखण्ड संख्या- 45, दक्षिण- भूखण्ड संख्या 43	109.86	आवासीय पट्टा हेतु
8	श्री ओम प्रकाश गुप्ता पुत्र श्री बंशीधर गुप्ता	प्लॉट सं. 45, विनायक कॉलोनी, शाहपुरा, जयपुर खसरा नं. 1856, पूर्व- आम रास्ता, पश्चिम-अन्य की भूमि, उत्तर- भूखण्ड संख्या- 46, दक्षिण- भूखण्ड संख्या 44	110.77	आवासीय पट्टा हेतु

अतः किसी को भी इस बाबत् आपत्ति हो तो 07 दिवस में मय सबूत लिखित में अद्योहस्ताक्षरकर्ता को आपत्ति पेश करे, बाद अवधि विचार संभव नही होगा।
आयुक्त
राज.संवाद/सी/25/16253

नाम परिवर्तन
मैंने अपना नाम जागृत श्योराण से बदलकर जागृत सिंह श्योराण रख लिया है। भविष्य में मुझे जागृत सिंह श्योराण पुत्र श्री सुनील श्योराण के नाम से जाना जावे। निवासी 248, 249 रजनी विहार अजमेर रोड जयपुर राजस्थान-302021

I have changed my name Kaveer to Kaveer Chawla S/o Vaibhav Chawla for all purpose. Resi. 131 A Ramgali No.4, Rajapark, Jaipur.

खोया पाया
मेरे मकान संख्या 10/170 स्वर्ण पथ, मानसरोवर जयपुर के मूल कागज Certificate for Handing over of the House and Public Notice Dated 17.05.2017. गुम हो गये है। मिलने पर सूचित करें- नीलम बेरी 6876128103, 8079060894

मेरे प्लाट नं. 70/54 प्रताप नगर सांगानेर जपुर का राजस्थान आवासन मण्डल से जारी No-DUES CERTIFICATE (अदेय प्रमाण पत्र) जपुर में खो गया है सूचित करें- आर.एस. मीना मो. 8947997006

खोया पाया
मेरा प्लॉट नं. 21 का कुल क्षेत्रफल 100 वर्गगज, वाकै मौजा हनुमानवाटी का कालवाड, जयपुर का विक्रय पत्र दिनांक 14.09.2015 (बुक नं. 01, जिल्द नं. 566, पृष्ठ नं. 31 क्रम संख्या 20150301710668O अतिरिक्त बुक सं. 01 जिल्द सं. 2286 पृष्ठ नं. 747 से 768 के कुछ पेज गुम हो गये है। इसका दुरूपोग होने पर मैं जिम्मेदार नहीं रहूंगा। किसी को मिले तो संपर्क करें। जयसिंह मीणा पुत्र मूलचंद मीणा निवासी हांसलसर, तह. उदयपुरवाटी, जिला झुंझुंनू राजस्थान मो. 9680959065

हैतुक दर्शित करने के लिए सूचना
(साधारण प्रारूप)
व्यवहार प्रक्रिया संहिता पहली अनुसूची संख्यांक 4
न्यायालय जिला कलक्टर करौली स्थान करौली प्रणाली विरूद्ध विशाल
वाद/प्रार्थना पत्र विग. 14 (4)
प्रार्थना-पत्र संख्या 22/2025 सन्
नाम 1. विशाल पुत्र बनवारीलाल 2. सावित्री पुत्री लक्खी जाति जाटव पता देहमोली, तहसील करौली जिला करौली उक्त संलग्न ने इस न्यायालय में यह आवेदन किया है। अतः आपको चेतावनी दी जाती है कि आप उस आवेदन के विरूद्ध हैतुक दर्शित करने के लिए दि. 06 माह 01 सन् 2026 को 12 .00 पूर्वान्ह में स्वयं या अपने प्लीडर द्वारा जिसे सम्यक रूप से अनुदेश किया गया हो, उपसंजात हो। यदि आप ऐसा करने में असफल रहेंगे तो उक्त आदेश की सुनवाई और उसका निपटारा एक पक्षीय रूप से किया जाएगा। यह आज ता. 11 माह 12 सन् 2025 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दी गई।
आज्ञा से
रीडर जिला कलक्टर करौली

आम सूचना सर्वसाधारण सूचित रहे कि मेरी अभिभाष्या श्रीमति शीला सक्सैना पत्नी स्वर्गीय श्री राजेन्द्र शरण सक्सैना उम्र करीब 70 साल निवासी प्लाट नम्बर 7, हरिजेठी की बगीची इन्द्रपुरी कॉलोनी, ब्रह्मपुरी जयपुर का एकमात्र पुत्र राहुल सक्सैना पुत्र स्वर्गीय श्री राजेन्द्र शरण सक्सैना व पुत्रवधु श्रीमति गौरी त्यागी पत्नी श्री राहुल सक्सैन हाल निवासी 35, गोविन्द नगर पूर्व, आमेर रोड, जयपुर करीब 12 साल से मय परिवार के अलग रह रहे है, जिन्होंने मेरी अभिभाष्या की कोई सेवा बन्दगी नहीं की व घरलु हिंसा कर अत्यन्त कष्ट दिये है, जिनसे अब व भविष्य में मेरी अभिभाष्या का कोई वास्ता व लेना देना नहीं है, जिनको मेरी अभिभाष्या अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल करती है तथा इनके द्वारा किये कृत्य, संव्यवहार या लेन देन के लिए मेरी अभिभाष्या व उनके परिवारजन उत्तरदायी नहीं होगे। सूचित रहे।
दिनांक-23.12.2025 (गणेश विजयवर्गीय) एडवोकेट मो. 9314962747

... बिन्दायका में विकसित की थी जिसमें कुछ आंशिक रूप से नक्शे में संशोधन किये गये है तथा उक्त आवासीय योजना को जयपुर विकास प्राधिकरण से अनुमोदन हेतू जयपुर विकास प्राधिकरण में प्रस्तुत किया जा चुका है तथा प्रभावित भूखण्डधारियों को साईट प्लान में संशोधन हेतु जरिये रजिस्टर्ड नोटिस सूचित किया जा चुका है, इसके बावजूद भी जिन प्लाट धारियों ने साईट प्लान में संशोधन नहीं करवाया है उनके संबंध में उक्त आम सूचना से 3 दिवस पश्चात समिति की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।
दिनांक-23.12.2025 (विनोद यादव) एडवोकेट मो. 9829570668

... में प्रविष्ट करें।
आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर बताई गयी तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होगें तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। यह वाद ता0 23 माह 12 सन 2025 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।
मोहर अदालत — न्यायाधीश, उपखंड अधिकारी, लक्ष्मणगढ़ (सीकर)

उद्घोषणा (इश्तिहार) न्यायालय (राज.)
व्यवहार मिश्रित (मुत्तफरिक) वाद सं. 15/2025
विषय- उत्तराधिकार प्रमाण-पत्र प्रोबेट, लेटर ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन प्राप्त करने हेतु प्रार्थना-पत्र।

नम्बर मिलाइए 9587884433
सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

महिला की हत्या के बाद शव बोरे में बंद कर फेंकने वाला पडौसी गिरफ्तार

पैसों के विवाद में महिला के गले और सिर पर वार कर हत्या की थी

जयपुर (कासं)। शास्त्री नगर इलाके में बोरे में बंद महिला का शव मिलने के सनसनीखेज मामले का पुलिस ने 24 घंटे के भीतर खुलासा कर दिया है। पुलिस ने हत्या कर शव को बोरे में भरकर ठिकाने लगाने वाले आरोपी पडौसी युवक को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने पैसों के विवाद में महिला की नृशंस हत्या करना स्वीकार किया है।

अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (जयपुर उत्तर) बजरंग सिंह ने बताया मंगलवार सुबह सुभाष कॉलोनी, शास्त्रीनगर स्थित एक मकान के पोर्च में प्लास्टिक के बोरे से दुर्गंध आने पर लोगों ने पुलिस को सूचना दी थी। मौके पर पहुंची पुलिस ने बोरे से महिला का शव बरामद किया। मृतका की पहचान बबीता शर्मा (50) निवासी शास्त्री नगर के रूप में हुई। शव को कंबल में लपेटकर बोरे में पैक किया गया था और चेहरे व सिर पर गंभीर चोट के निशान

■ हत्या के बाद करीब 30 घंटे तक शव को ठिकाने लगाने की कोशिश में था आरोपी

मिले थे। इसके बाद जयपुर पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल के निर्देशन में गठित विशेष टीम ने त्वरित जांच करते हुए आरोपी जितेंद्र सिंह उर्फ जीतू उर्फ राहुल (36) निवासी सुभाष कॉलोनी शास्त्री नगर जयपुर को गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि मृतका बबीता शर्मा उसकी परिचित थी और दोनों के बीच लंबे समय से पैसों को लेकर विवाद चल रहा था। आरोपी ने 21 दिसंबर को धारदार हथियार से महिला के गले और सिर पर वार कर हत्या कर दी। इसके बाद करीब 30 घंटे तक शव को ठिकाने लगाने की फिराक में रहा। सबूत मिटाने के लिए घर के फर्श को कई बार धोया और खून से सने कपड़े नाले में फेंक दिए। बाद में रात के समय शव को बोरे और कंबल में लपेटकर पास के मकान के खुले गेट से घसीटते हुए पोर्च में डाल दिया।

अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (जयपुर उत्तर) बजरंग सिंह ने बताया कि आरोपी ने मकान हाल ही में बेच दिया था। जिससे किसी को उस पर शक न हो। ऐसी योजना उसने बनाई थी। घटना के बाद वह आसपास भीड़ में शामिल होकर पुलिस की गतिविधियों पर नजर रखता रहा। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर लिया है।

पुलिस उपायुक्त करण शर्मा ने बताया कि, मंगलवार सुबह सुभाष कॉलोनी स्थित परशुराम पार्क के पास 3 मंजिला मकान के पोर्च में प्लास्टिक के बोरे में शव मिला। यह मकान ठेकेदार सूरज प्रकाश सांवरिया का है, जहां ग्राउंड फ्लोर पर उनकी पत्नी मुन्नी देवी रहती हैं और ऊपर के दो फ्लोर पर किराएदार रहते हैं।मंगलवार सुबह पोर्च में पड़े बोरे को पहले किराएदारों का सामान समझा गया, लेकिन जांच करने पर उसमें महिला का शव मिला। मृतका की पहचान बबीता शर्मा (50) निवासी शास्त्री नगर के रूप में हुई है।

डॉग स्क्वॉड की मदद से पुलिस ने पकड़ा आरोपी

डॉग स्क्वॉड की जांच के दौरान पुलिस का श्वान वारदात स्थल से कुछ दूरी पर स्थित पडौसी के घर पहुंचा। इस आधार पर पुलिस ने पडौसी युवक जीतू को संदिग्ध मानते हुए हिरासत में लिया है। पूछताछ में सामने आया है कि जीतू ने कुछ समय पहले अपना मकान 55 लाख रुपए में बेच दिया था और वह कभी-कभी इसी इलाके में रुकने आता था।

हरियाणा से मॉर्डन ड्रग लाकर जयपुर में बेचने वाले तीन बदमाश गिरफ्तार

जयपुर। राजधानी में युवाओं को नशे की गिरफ्त में धकेलने वाले तस्करों के खिलाफ जयपुर पुलिस द्वारा चलाए जा रहे ऑपरेशन क्लीन स्वीप के तहत बड़ी कार्रवाई सामने आई है।

जयपुर पुलिस कमिश्नरेट की स्पेशल टीम (सीएसटी) ने मंगलवार को ट्रांसपोर्ट नगर क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए एमडी (सिंथेटिक ड्रग) की तस्करी करने वाले तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से 53

■ पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 53.72 ग्राम एमडी और एक कार जब्त की

ग्राम 72 मिलीग्राम एमडी तथा तस्करी में प्रयुक्त एक कार जब्त की गई है। जब्त एमडी की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 5.50 लाख रुपए बताई जा रही है। विशेष पुलिस आयुक्त (ऑपरेशन) राहुल प्रकाश ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों की पहचान तरुण सिंह निवासी सोडाला, लोकेंद्र सिंह निवासी मजदूर नगर और प्रशांत शर्मा निवासी वैशाली नगर के रूप में हुई है। प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया है कि तीनों आरोपी हरियाणा से एक नाइजीरियन

जयपुर पुलिस कमिश्नरेट की स्पेशल टीम ने मंगलवार को ट्रांसपोर्ट नगर क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए सिंथेटिक ड्रग तस्करी में लिप्त तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया।

तस्कर हेनरी से एमडी खरीदकर जयपुर में युवाओं के बीच सप्लाई करते थे।

पुलिस के अनुसार आरोपी युवाओं को नशे का आदी बनाकर बड़े नेटवर्क के जरिए ड्रग्स की तस्करी कर रहे थे। पूछताछ में नशे के कारोबार से जुड़े कई अहम सुराग मिले हैं, जिनकी तस्दीक की जा रही है।

पुलिस यह भी पता लगाने में जुटी है कि जयपुर में इनके साथ और कौन-कौन लोग इस अवैध धंधे में शामिल थे। विशेष पुलिस आयुक्त ने बताया कि यह एक संगठित और लंबा नेटवर्क है। आरोपियों द्वारा बताए गए ठिकानों पर सीएसटी की टीमें लगातार दबिश दे रही हैं। पूछताछ में उन लोगों के नाम भी सामने आए हैं, जो इनसे एमडी लेकर आगे सप्लाई करने वाले थे। पुलिस का दावा है कि इस मामले में आने वाले दिनों में करीब आधा दर्जन और गिरफ्तारियां संभव हैं।

पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि जयपुर में नशे की तस्करी में लिप्त किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा और ऑपरेशन क्लीन स्वीप के तहत यह अभियान लगातार जारी रहेगा।

सरस राजसखी मेले में हस्तशिल्प के साथ लोकरंग की धूम मची

जयपुर (कासं)। "भारत - एक सूत्रधार" की थीम पर आधारित सरस राजसखी राष्ट्रीय मेला-2025 इन दिनों लोगों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। मेले में देश के विभिन्न राज्यों से आए हस्तशिल्प, वस्त्र, व्यंजन और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भारतीय विविधता की एक जीवंत तस्वीर पेश कर रही है।

मेले के दौरान एनआईएफ ग्लोबल जयपुर, कमला पोद्दार इंस्टीट्यूट एवं राजीविका के संयुक्त तत्वावधान में डिजिटल सशक्तीकरण और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने हेतु एक जागरूकता नाट्य प्रस्तुति भी दी गई। इस प्रस्तुति से यह संदेश दिया गया कि कॉन्फिडेंट कम्युनिकेशन और प्रभावी प्रेज़ेंटेशन से ग्राहक जुड़ाव बेहतर होता है, वहीं ऑनलाइन पेमेंट सिस्टम और कैशलेस लेन-देन आज के डिजिटल युग में व्यवसाय की आवश्यकता बन चुके हैं। मेले में मंगलवार को टेक्सटाइल सेक्शन में खास तौर पर महिलाओं की भारी भीड़ देखने को मिली। पंजाब, मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश, हिमाचल प्रदेश सहित

सरस राजसखी मेले में मंगलवार को लोक कलाकारों ने प्रस्तुतियां दी।

कई राज्यों से आए पारंपरिक वस्त्र अपनी विशिष्ट पहचान और आकर्षक बनावट के कारण खासे लोकप्रिय हो रहे हैं। रंग-बिरंगे परिधान, बारीक हस्तनिर्मित डिज़ाइन, पारंपरिक कढ़ाई और क्षेत्रीय कला की झलक ने खरीदारों को अपनी ओर आकर्षित किया है। रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों के दौरान कलाकारों द्वारा प्रस्तुत राजस्थानी लोक नृत्य और मधुर मांड गायन ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। वहीं बिहार के पारंपरिक लोक नृत्य-जजिया और जाट-जतिन-की जीवंत और भावपूर्ण प्रस्तुतियों ने माहौल को और भी उत्साहपूर्ण बना दिया। दर्शकगण तालियों की गड़गड़ाहट के साथ कलाकारों का उत्साहवर्धन करते नजर आए और पूरा परिसर उत्सवधर्मी वातावरण में दिखा।

डिजिटल तकनीकों से विद्युत सेवाओं को सुगम बनाएं : नागर

जयपुर (कासं)। ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने कहा कि भजनलाल सरकार की नीतियों से प्रदेश का ऊर्जा क्षेत्र तेजी से आगे बढ़ा है। सरकार का प्रयास है कि डिजिटल तकनीक के माध्यम से प्रदेश के ऊर्जा ढांचे को मजबूत तथा आमजन से जुड़ी विद्युत सेवाओं को सुगम बनाया जाए। नागर कॉंस्टीट्यूशन क्लब में राजस्थान पावर सेक्टर डिजिटल कॉन्क्लेव को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलने से बिजली की मांग और इस क्षेत्र की अहमियत भी बढ़ी है। इसे देखते हुए विद्युत निगमों तथा उनके आधारभूत ढांचे को मजबूत करना बेहद आवश्यक है। ऊर्जा विभाग के प्रमुख शासन सचिव अजिताभ शर्मा ने कहा कि पावर सेक्टर में डेटा एनालिसिस की महत्वपूर्ण भूमिका है। हर क्षेत्र में तकनीक का उपयोग बढ़ा है। इसे देखते हुए प्रदेश के गांव-ढाणी में फैली लाखों किलोमीटर लंबी विद्युत लाइनों, ट्रांसफार्मरों तथा हजारों ग्रिड सब स्टेशनों में फैले डिस्ट्रिब्यूशन एवं ट्रांसमिशन नेटवर्क को भी डिजिटल प्लेटफॉर्म पर लाना जरूरी है। इससे आमजन तक

विद्युत सेवाओं को अधिक सुगमता से पहुंचाया जाना संभव होगा। प्रदेश में ईआरपी, डिस्कॉम्स के असेट्स की जीआईएस आधारित मैपिंग, पावर ट्रांसफार्मर्स की हैल्थ आधारित मॉनीटरिंग सिस्टम विकसित करने, साइबर सुरक्षा, सिक्योरिटी ऑपरेशन सिस्टम, नेटवर्क ऑपरेशन सिस्टम आदि से जुड़े 700 करोड़ रु. के काम हाथ में लिए जाएंगे।

इस अवसर पर उत्पादन निगम के सीएमडी देवेन्द्र श्रृंगी तथा ऊर्जा विभाग के संयुक्त शासन सचिव सौरभ स्वामी भी मौजूद थे। कॉन्क्लेव में पावर सेक्टर को आईटी आधारित सॉल्यूशन प्रदान करने वाली नामी कंपनियों के प्रतिनिधि सम्मिलित हुए।

"नाम्पूला" में 800 विकलांगों को लगाए जाएंगे जयपुर फुट

जयपुर। अफ्रीकी देश मोजम्बिक के दूसरे बडे शहर नाम्पूला में निजी सहभागिता से 800 विकलांगों को जयपुर फुट लगाकर चलने-फिरने योग्य बनाया जाएगा। भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति के सहयोग से जयपुर, थाईलैण्ड, हॉंगकॉंग और केन्या तथा मोजम्बिक की कुल 7 कम्पनियों ने स्वर्गीय प्रदीप मेहता की स्मृति में 60 दिवसीय इस शिविर का आयोजन किया है। नाम्पूला के सेन्ट्रल हॉस्पिटल में चल रहे इस शिविर के लिए सुधीर कोठारी व केन्या तथा मोजम्बिक के व्यवसायी अनुराग जैन के प्रयासों से जयपुर की जैम इण्डिया एक्सपोर्टस, हॉंगकॉंग की आरभवा एण्ड पी.टी. कलैक्शन्स लि., कीन जेड लि. तथा कोठारी ट्रेडिंग लि. तथा अनुराग जैन की मोजम्बिक की दो कम्पनियॉं एग्रीनोर मोज लि.व मरकाडो ओ.जे.एम. की कम्पनियों के सहयोग मिलाा। नाम्पूला की म्यूनिसिपल परिषद के अध्यक्ष लुई ग्वीकीरा ने सुधीर कोठारी और अनुराग जैन, प्रकाश भण्डारी के नेतृत्व में आई टीम का दोपहर भोज में सम्मान किया।

सार-समाचार

'नखराली नार' कार्यक्रम में बिखरे लोकरंग

जयपुर। गणगौर महिला ग्रुप की ओर से आयोजित "नखराली नार" कार्यक्रम में राजस्थान की रंग-बिरंगी लोक संस्कृति साकार हो उठी। ग्रुप फाउंडर और डायरेक्टर सुशीला भारती ने बताया कि इस कार्यक्रम में सभी महिलाएं राजस्थानी रंग बिरंगे परिधान और ज्वैलरी में सज-धज कर आई। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण चरी नृत्य रहा जिसमें किरण मौर्य ने पहला और इति कुमावत ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। विशिष्ट अतिथि मीना श्रीवास्तव ने ट्रॉफी और पुरुस्कार देकर विजेताओं को सम्मानित किया। इस मौके पर रैंप वॉक भी आयोजित किया गया। इस अवसर पर ग्रुप के छः वर्ष पूरे होने पर सभी महिलाओं ने केक काटकर उत्सव मनाया। कार्यक्रम में शामिल सभी महिलाओं ने राजस्थानी लोक गीतों पर ग्रुप डांस करके धमाल किया।

विद्यार्थियों को स्वेटर-जुराब व जूते बांटे

जयपुर। राजस्थान पेंशनर समाज, उप शाखा मालवीय नगर जयपुर ने अपने सामाजिक सरोकारों के तहत मंगलवार को द्वितीय चरण में राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय दहलावास, प्रताप नगर सांगानेर में 160 स्वेटर एवं 160 जुराब का वितरण प्रधानाचार्य रामफूल राछोया के निर्देशन में किया। इस अवसर पर संरक्षक सतीश गुप्ता द्वारा 100 बच्चों को जूते और स्कूल के लिए 10 दरिया भी भेंट की गई। इससे पूर्व स्कूल स्टाफ तथा छात्रों द्वारा पेंशनर समाज के सदस्यों का तिलक लगा कर एवं माला पहना कर स्वागत किया गया। कार्यक्रम में पेंशनर समाज के पदाधिकारी और कार्यकारिणी के सदस्य भी मौजूद थे। संस्था के उप सचिव बाबूलाल गुप्ता ने बताया कि पेंशनर समाज उप शाखा मालवीय नगर द्वारा पिछले 15 वर्ष से जरूरतमन्द स्कूली बच्चों को स्वेटर, जुराब आदि वितरित किये जा रहे है। पहले चरण में सोमवार को 192 स्वेटर और जुराब आदि वितरित किये गए थे।

"सफ़र-ए-शहादत वॉक" 25 को

जयपुर (कासं)। जयपुर की सुखमनी सेवा सोसायटी बनी पार्क द्वारा साहिबजादों की लसानी शहादत को समर्पित सफ़र-ए-शहादत वॉक 25 दिसंबर को आयोजित की जायेगी। यह आयोजन गुरुद्वारा चौड़ा रास्ता प्रबंधक और गुरुद्वारा चांदी की टकसाल प्रबंधक कमेटी के सहयोग से किया जा रहा है। वॉक गुरुद्वारा श्री गुरु नानक देव सत्संग सभा, चौड़ा रास्ता से सुबह 9 बजे आरंभ होकर 11 बजे गुरुद्वारा श्री गुरु नानक सत्संग सभा, चांदी की टकसाल में सम्पन्न होगी। जहां यात्रा का भव्य स्वागत किया जाएगा। सोसायटी के सचिव, सूर्य उदय सिंह ने बताया कि इस वॉक में लगभग 40-50 बच्चे सिख वेशभूषा में सम्मिलित होंगे। तख्तियां और बैनर के साथ साहिबजादों की शहादत और सिख मर्यादा का जीवंत संदेश देंगे। वॉक के दौरान शहीदी का संदेश देते हुए मोबाइल होर्डिंग भी साथ चलेगी। इसके साथ ही, अमृतसर की अमितोज गतका अकैडमी के बच्चों द्वारा गतके के रोमांचक करतब प्रस्तुत किए जाएंगे। इस प्रस्तुति के माध्यम से सिख वीरता और शौर्य की गौरवशाली परंपरा पर प्रकाश डाला जाएगा।

किसान अधिकार-सशक्तिकरण पर मंथन

जयपुर। भारत रत्न से सम्मानित, किसान मसीहा एवं पूर्व प्रधानमंत्री स्व. चौधरी चरण सिंह की 123वीं जयंती पर राष्ट्रीय किसान दिवस समारोह आयोजित हुआ। राष्ट्रीय लोकदल की ओर से यह कार्यक्रम जयपुर के पिंकसिटी प्रेस क्लब में किया गया। समारोह अध्यक्षता राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष जोगिंदर सिंह अवाना ने की। समारोह में किसानों के अधिकार, सम्मान एवं सशक्तिकरण को लेकर सार्थक, सकारात्मक एवं विचारोत्तेजक संवाद हुआ। मुख्य अतिथि राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) त्रिलोक त्यागी तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में वरिष्ठ समाजसेवी एवं भामाशाह विजय पूनिया उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत में मुख्य अतिथि त्रिलोक त्यागी ने भारत रत्न स्व. चौधरी चरण सिंह के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष जोगिंदर सिंह अवाना सहित प्रदेश पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। त्यागी ने कहा कि, आरएलडी प्रदेश के सभी जिलों में स्व. चौधरी चरण सिंह के विचारों पर संगोष्ठी कराएगी।

सुप्रीम कोर्ट ने व्यक्तियों के नाम पर बनाए राजस्व गांव रद्द किए

जयपुर (कासं)। सुप्रीम कोर्ट ने बाड़मेर जिले के दो राजस्व गांवों के नाम भूमि दान करने वालों के नाम पर रखने वाली अधिसूचना को रद्द कर दिया है। अदालत ने कहा कि यह अधिसूचना राज्य सरकार के 20 अगस्त, 2009 के परिपत्र के खिलाफ है। यह परिपत्र किसी व्यक्ति, जाति, धर्म या समुदाय के नाम पर राजस्व गांव के नामकरण पर रोक लगाती है। जस्टिस पीवी संजय कुमार और जस्टिस आलोक अराधे की खंडपीठ ने यह आदेश भीखा राम की याचिका पर दिए।

मामले के अनुसार राज्य सरकार ने 31 दिसंबर, 2020 को एक अधिसूचना जारी कर कई राजस्व गांव बनाए थे। इसमें बाड़मेर जिले के सोहदा गांव की मेघवालों की ढाणी से अलग किए अमरगढ़ और सगतसर गांव भी शामिल थे। अधिसूचना से पहले तहसीलदार ने प्रमाणित किया था कि सभी औपचारिकताएं पूरी कर ली गई हैं और प्रस्तावित गांव किसी व्यक्ति, धर्म या जाति आदि से जुडे नहीं है। वहीं बाद में सीमांकन के दौरान कुछ ग्रामीणों ने यह आपत्ति दर्ज कराई कि अमरगढ़ और सगतसर नाम भूमि दान करने वाले अमरराम और सगत सिंह के नाम पर लिए गए हैं। इसके बाद 2020 की अधिसूचना को हाईकोर्ट की एकलपीठ में चुनौती दी गई।

हाईकोर्ट की एकलपीठ ने माना की दोनों गांवों के नामांकरण में साल 2009 के परिपत्र की अवहेलना की गई है। इसके साथ ही एकलपीठ ने अधिसूचना को रद्द कर दिया।

इसके खिलाफ पेश अपील पर खंडपीठ ने एकलपीठ का आदेश रद्द कर दिया। इसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील पेश की गई। जिस पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट की खंडपीठ के आदेश को रद्द कर दिया।

उडीसा, मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ की खनन कार्यप्रणाली और सर्वोत्तम प्रथाओं का अध्ययन करेंगे प्रदेश के अफसर

नियम-प्रक्रियाओं, अनुमतियों, अवैध खनन पर कार्रवाई और राजस्व वृद्धि का होगा अध्ययन

जयपुर (कासं)। राज्य सरकार ने उडीसा, मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ की खनन क्षेत्र की कार्यप्रणाली और सर्वोत्तम प्रथाओं (बेस्ट प्रेक्टिसेज) का अध्ययन कराने का निर्णय लिया है। खान, भूविज्ञान एवं पेट्रोलियम विभाग के प्रमुख सचिव टी. रविकांत ने बताया कि खान व भूविज्ञान विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के तीन अलग अलग दल तीनों प्रदेशों में अध्ययन के लिए भिजवाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि यह दल तीनों राज्यों में तकनीक का उपयोग, राजस्व वृद्धि और नियमों का अध्ययन कर राज्य सरकार को रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे।

प्रमुख सचिव टी. रविकान्त ने बताया कि तीनों दल इन राज्यों के खनन रियायती नियमों, परिपत्रों, चारागाह व अन्य प्रतिबंधित क्षेत्रों में खनन की अनुमतियों, पर्यावरण पूर्वानुमतियों आदि की प्रक्रियाओं व समय सीमा, अवैध खनन निगर्मन की रोकथाम के प्रावधानों,

प्रमुख सचिव टी. रविकांत ने खनन अधिकारियों की बैठक ली।

तकनीक के उपयोग के साथ ही राजस्व प्राप्ति की प्रक्रियाओं का अध्ययन करेगी। उन्होंने बताया कि अध्ययन दल को इन राज्यों की खनन क्षेत्र की बेस्ट प्रेक्टिसेज का भी अध्ययन करने के निर्देश दिए गए हैं। यह दल प्रदेश के संदर्भ में अध्ययन रिपोर्ट राज्य सरकार को प्रस्तुत करेंगे।

राज्य सरकार द्वारा तीनों राज्यों को भेजे जाने वाले दल में अधीक्षण खनि अभियंता स्तर के अधिकारी के साथ ही खनि अभियंता, वरिष्ठ भूवैज्ञानिक और लेखा सेवा के अधिकारी का शामिल किया गया है।

उडीसा के दल में अधीक्षण खनिज अभियंता उदयपुर शिव प्रकाश शर्मा, खनिज अभियंता नागौर जेपी गोदारा, वरिष्ठ भूवैज्ञानिक सुशील कुमार और एएओ राजेश गर्ग को शामिल किया गया है। मध्यप्रदेश के दल में अधीक्षण खनि अभियंता डीपी गौड़, खनिज अभियंता

■ माइनिंग, भूवैज्ञानिक व लेखा अधिकारी इन टीमों में शामिल, प्राप्त रिपोर्ट का राज्य सरकार स्तर पर होगा परीक्षण

बिजौलिया प्रवीण अग्रवाल, वरिष्ठ भूवैज्ञानिक महेश शर्मा और एएओ जयपुर पवन शर्मा की टीम बनाई गई है। इसी तरह से छतीसगढ़ के दल में अधीक्षण खनिज अभियंता भीलवाड़ा ओपी काबरा, सहायक खनि अभियंता अलवर पुष्पेन्द्र जोधा, वरिष्ठ भूवैज्ञानिक अमिताभ जगावत और एएओ भीलवाड़ा संजय लोहिया को शामिल किया गया है।

अधिकारियों की टीम उडीसा और मध्यप्रदेश के लिए रवाना हो गई है, वहीं छत्तीसगढ़ जाने वाली टीम जनवरी के पहले सप्ताह में रवाना होगी।

देवनानी की पुस्तक "सनातन संस्कृति की अटल दृष्टि" का विमोचन

उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने किया पुस्तक का लोकार्पण

जयपुर (कासं)। राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष वासुदेव देवनानी द्वारा लिखित पुस्तक "सनातन संस्कृति की अटल दृष्टि" का लोकार्पण मंगलवार को उपराष्ट्रपति उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन, केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी, केन्द्रीय कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आम्बेकर, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास के अध्यक्ष मिलिंद मराठे उपराष्ट्रपति के सचिव अमित खरे ने किया।

उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने कहा कि आज का भारत, विश्व में सबसे अधिक शक्तिशाली और सबसे अधिक संभावनाशील राष्ट्र बनकर उभर रहा है। भारत माता के चरणों में नमन करते हुए सनातन संस्कृति की अटल दृष्टि जैसी पुस्तक का लोकार्पण करना अत्यंत भावुक और गौरवपूर्ण क्षण है। भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के जीवन और विचारों पर आधारित यह कृति सही समय पर आई है, क्योंकि देश अटलजी की जन्म शताब्दी के अवसर की ओर अग्रसर है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि अटलजी के शासनकाल में आधारभूत संरचना, मेट्रो रेल, राष्ट्रीय राजमार्ग और परमाणु शक्ति के क्षेत्र में जो नींव रखी गई, वही आज

उपराष्ट्रपति सी.पी.राधाकृष्णन और केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने नई दिल्ली में राजस्थान विधानसभाध्यक्ष वासुदेव देवनानी की पुस्तक का लोकार्पण किया।

विकसित भारत की मजबूत आधारशिला है।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि सनातन संस्कृति, हिंदू संस्कृति और भारतीय संस्कृति पर पिछले दशकों में जो भ्रांतियां फैलाई गईं, उन्हें दूर करना आवश्यक है। ये शब्द परस्पर विरोधाभासी नहीं हैं, बल्कि एक ही भाव के द्योतक हैं। गडकरी ने स्वामी विवेकानंद के शिकागो भाषण का उल्लेख करते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति का मूल संदेश सर्वधर्म समभाव और विश्व कल्याण है।

उन्होंने अटल बिहारी वाजपेयी के उदाहरण देते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति कभी संकुचित, सांप्रदायिक या जातिवादी नहीं रही, बल्कि न्याय, समभाव और सभी के साथ समान व्यवहार की पक्षधर रही है। उन्होंने सेकुलर शब्द के वास्तविक अर्थ सर्वधर्म समभाव को समझने पर भी बल दिया। गडकरी ने कहा कि अटल जी के जीवन और विचारों को केंद्र में रखकर इस पुस्तक के माध्यम से सकारात्मक और प्रामाणिक दृष्टिकोण प्रस्तुत करने का जो प्रयास वासुदेव देवनानी ने किया है, वह अत्यंत सराहनीय है।

■ भारत माता के चरणों में नमन के साथ अटलजी पर आधारित पुस्तक का लोकार्पण भावुक क्षण : सी.पी. राधाकृष्णन

■ सनातन, हिंदू और भारतीय संस्कृति एक ही चेतना के विभिन्न नाम : नितिन गडकरी

वासुदेव देवनानी ने कहा कि यह पुस्तक भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के जीवन, विचार और कृतित्व को सनातन संस्कृति के शाश्वत मूल्यों के आलोक में समझने का एक विनम्र प्रयास है। अटलजी का संपूर्ण जीवन संघ के संस्कारों, राष्ट्रप्रथम की भावना, संसदीय मर्यादाओं और सुशासन की अद्वितीय मिसाल रहा है।

एक प्रचारक से प्रधानमंत्री तक की अटलजी की यात्रा इस बात का प्रमाण है कि सनातन संस्कृति के मूल्य व्यक्ति को राष्ट्रसेवा के सर्वोच्च शिखर तक पहुंचा सकते हैं। उनकी कविताएं, संसद में ओजस्वी भाषण, आपातकाल के दौरान लोकतंत्र की रक्षा, संयुक्त राष्ट्र महासभा में हिंदी में दिया गया ऐतिहासिक भाषण तथा परमाणु परीक्षण जैसे निर्णय भारत की आत्मविश्वासी चेतना के प्रतीक हैं। उन्होंने बताया कि 12 अध्यायों और 146 पृष्ठों में समाहित इस पुस्तक में अटलजी के व्यक्तित्व के विविध आयामों संघ से वैचारिक निकटता, संसदीय परंपराओं में आस्था, विदेश नीति, सांस्कृतिक चेतना तथा राष्ट्रनिर्माण में उनके योगदान को विस्तार से प्रस्तुत किया गया है।

समारोह का संचालन प्रभात प्रकाशन के निदेशक प्रभात कुमार ने किया। प्रभात प्रकाशन के निदेशक पीयूष कुमार ने उपराष्ट्रपति और सभी मंचासीन अतिथियों को स्मृति चिह्न भेंट किए।

खेल जगत

भारतीय क्रिकेट... यह एक अजीब जगह है। आप सोचते हैं कि चयन में कुछ तो स्थिरता होगी, लेकिन टीम घोषित होते ही सब उलट-पुलट हो जाता है। - रॉबिन उथप्पा

भारतीय खिलाड़ी, अपने यूट्यूब चैनल पर टीम चयन को लेकर खुलकर नाराजगी जताई।

आज का खिलाड़ी ▶ रोहित शर्मा

पूर्व भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने एक कार्यक्रम में बताया कि 2023 वनडे वर्ल्ड कप फाइनल हारने के बाद वे मानसिक रूप से पूरी तरह टूट गए थे। उन्होंने कहा कि उस समय उन्होंने क्रिकेट छोड़ने तक का मन बना लिया था। रोहित रविवार को एक कार्यक्रम में थे। उन्होंने कहा, 2023 वर्ल्ड कप फाइनल हारने के बाद लग रहा था कि मैं इस खेल को और नहीं खेलना चाहता, क्योंकि इसने मुझसे सब कुछ छीन लिया था। मेरे अंदर खेलने की ताकत ही नहीं बची थी। भारत ने रोहित की कप्तानी में वनडे वर्ल्ड कप 2023 में लगातार 10 मैच जीते थे और फाइनल तक पहुंचा था।

क्या आप जानते हैं ?... साउथ अफ्रीका के सबसे खतरनाक गेंदबाजों मेंडेल स्टेन, शॉन पोलक, कगिसो रबाडा और एलन डोनाल्ड जैसे नाम शामिल हैं।

विजय हजारे ट्रॉफी मैच आज से

रोहित ने जयपुर के एसएमएस मैदान में जमकर अभ्यास किया

जयपुर, 23 दिसम्बर। विजय हजारे ट्रॉफी के मैच में हिस्सा लेने भारतीय क्रिकेट टीम के कई बड़े नाम जयपुर पहुंच चुके हैं। टीम इंडिया के पूर्व कप्तान और मुंबई टीम के सीनियर खिलाड़ी रोहित शर्मा ने मंगलवार को जयपुर के एसएमएस ग्राउंड में जमकर प्रैक्टिस की। प्रैक्टिस ग्राउंड में पहुंचते वक्त एक फैन ने रोहित का हाथ पकड़ने की कोशिश की, लेकिन रोहित आगे बढ़ गए।

मुंबई टीम से खेल रहे रोहित शर्मा ने करीब 2 घंटे तक प्रैक्टिस की। इस दौरान उन्होंने अपनी फिटनेस, टाइमिंग और शॉट सिलेक्शन पर खास ध्यान दिया। रोहित ने तेज गेंदबाजों के साथ-साथ स्पिन गेंदबाजों का भी सामना किया। अलग-अलग परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए बल्लेबाजी की। अभ्यास के दौरान उनके हर बेहतरीन स्ट्रोक पर स्टेडियम में मौजूद दर्शकों का उत्साह देखते ही बन रहा था। रोहित शर्मा के अभ्यास सत्र को देखने के लिए बड़ी संख्या में फैन्स स्टेडियम पहुंचे। जैसे ही रोहित नेट्स में उतरे फैन्स मोबाइल में कैद करते नजर आए। इस दौरान एक फैन ने रोहित का हाथ पकड़ने की कोशिश भी की। रोहित के हाथ पर नाखुन लग गया। वहीं, काफी फैन्स उनकी एक झलक पाने के लिए काफी देर पहले ही स्टेडियम पहुंच गए थे। ऐसे में रोहित की मौजूदगी ने विजय हजारे ट्रॉफी को लेकर जयपुर में क्रिकेट का माहौल पूरी तरह से बना दिया है।

दरअसल, विजय हजारे ट्रॉफी के मुकाबले कल से जयपुर के अलग-अलग मैदानों पर खेले जाएंगे। इस दौरान मुंबई, महाराष्ट्र, पंजाब, गोवा, छत्तीसगढ़, हिमाचल प्रदेश, सिक्किम और उत्तराखंड की टीमें अपने-अपने मुकाबले खेलेंगी। इनमें महाराष्ट्र और पंजाब का मैच अनंतम ग्राउंड, छत्तीसगढ़ और गोवा का मैच जयपुरिया ग्राउंड, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड का मैच केएल सैनी स्टेडियम में और मुंबई और सिक्किम का मैच एसएमएस स्टेडियम में खेला जाएगा। इनमें भी सबसे ज्यादा क्रेज रोहित शर्मा के मुंबई वाले मैच को लेकर क्रिकेट लवर्स में बना हुआ है।

महाराष्ट्र टीम में ऋतुराज गायकवाड़ और पृथ्वी शॉ जैसे स्टार बल्लेबाज जयपुर के मैदानों पर खेलते नजर आएंगे। इन खिलाड़ियों की मौजूदगी से विजय हजारे ट्रॉफी के मुकाबलों का रोमांच कई गुना बढ़ गया है।

कमिंस और लियोन मेलबर्न टेस्ट से बाहर, स्मिथ करेंगे ऑस्ट्रेलिया की कप्तानी

मेलबर्न, 23 दिसंबर। ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड के खिलाफ बॉक्सिंग डे टेस्ट के लिए कप्तान पैट कमिंस और अनुभवी स्पिनर नाथन लियोन के बिना मैदान पर उतरेगा, क्योंकि मेजबान टीम ने एशेज सीरीज के चौथे मैच के लिए 15 सदस्यों की टीम का ऐलान कर दिया है।

इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) की वेबसाइट के अनुसार, कमिंस की गैरमौजूदगी में स्टीव स्मिथ को कप्तान बनाया गया है, जबकि ऑफ-स्पिनर टॉड मर्फी और तेज गेंदबाज झाई रिचर्डसन को टीम में शामिल किया गया है।

चौथा टेस्ट 26 दिसंबर को मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर शुरू होगा, जिसमें एडिलेड में 82 रन की जीत के बाद ऑस्ट्रेलिया पहले ही 3-0 की अजेय बढ़त बना चुका है। कमिंस को हाल ही में पीठ की समस्या से लौटने के बाद वर्कलोड मैनेजमेंट के तहत मेलबर्न टेस्ट के लिए आराम दिया गया है। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान के पास 4 जनवरी से सिडनी में शुरू होने वाले पांचवें और आखिरी टेस्ट में खेलने का मौका है। एडिलेड में जीत के बाद कमिंस ने कहा, "हमने काफी एग्रेसिव तैयारी की थी, यह जानते हुए कि वहां एशेज सीरीज जीतनी है, और हमें लगा कि यह इसके लायक था। मुझे शक है कि मैं मेलबर्न खेलूंगा, और फिर हम सिडनी के बारे में बात करेंगे।"

रिचर्डसन, जो चोट से वापसी करने के बाद टीम में शामिल हुए हैं, प्लेइंग में कमिंस की जगह लेने की दौड़ में हैं। 29 साल के इस तेज गेंदबाज ने कई चोटों के कारण अब तक सिर्फ तीन टेस्ट खेले हैं, उनका सबसे हालिया प्रदर्शन 2021 में एडिलेड में इंग्लैंड के खिलाफ था। रेड-बॉल में कम अनुभव के बावजूद, सिलेक्टर रिचर्डसन को उनकी पेस और स्किल सेट के लिए बहुत अच्छा मानते हैं। मर्फी के लियोन की गैरमौजूदगी में फ्रंटलाइन स्पिन ऑप्शन होने की उम्मीद है, जिनकी दाहिनी हैमस्ट्रिंग फटने की सर्जरी होगी और वे लंबे समय तक बाहर रहेंगे। 23 साल के इस खिलाड़ी ने ऑस्ट्रेलिया के लिए सात टेस्ट खेले हैं, जिसमें उनका सबसे हालिया मैच इस साल की शुरुआत में श्रीलंका के खिलाफ गॉल में था।

ऑल-राउंडर माइकल नेसर और ब्यू वेबस्टर, साथ ही बैक-अप सीमर ब्रेंडन डॉगेट ने एडिलेड टेस्ट में सिलेक्शन से चूकने के बावजूद टीम में अपनी जगह बनाए रखी है। ऑस्ट्रेलिया टीम (सिर्फ चौथे टेस्ट के लिए): स्टीव स्मिथ (कप्तान), स्कॉट बोलैंड, एलेक्स कैरी, ब्रेंडन डॉगेट, कैमरून ग्रीन, ट्रैविस हेड, जोश इंगलिस, उस्मान ख्वाजा, मार्नस लाबुशेन, टॉड मर्फी, माइकल नेसर, झाई रिचर्डसन, मिशेल स्टार्क, जेक वेदराल्ड, ब्यू वेबस्टर।

महिला घरेलू क्रिकेट में मैच फीस दोगुना से ऊपर

मुंबई, 23 दिसंबर। बीसीसीआई ने महिला घरेलू क्रिकेट में मैच फ़ीस बढ़ा दी है। सीनियर प्रतियोगिताओं में पहली एकादश में खेलने वाली खिलाड़ियों के लिए यह फ़ीस 20,000 रुपये से बढ़ाकर 50,000 रुपये प्रति दिन कर दी गई है। यह फ़ैसला सोमवार को मुंबई में हुई एपेक्स काउंसिल की बैठक में लिया गया। रिज़र्व खिलाड़ियों को इसका आधा यानी 25,000 रुपये प्रति दिन मिलेगा। आयु-वर्ग स्तर पर भी संशोधन किया गया है, जहां पहली एकादश का हिस्सा बनने वाली खिलाड़ियों को 25,000 रुपये प्रति दिन और रिज़र्व खिलाड़ियों को 12,500 रुपये प्रति दिन मिलेंगे।

अब तक आयु-वर्ग की खिलाड़ी अगर एकादश में होती थीं तो उन्हें 10,000 रुपये प्रति दिन, जबकि रिज़र्व खिलाड़ियों को 5,000 रुपये मिलते थे। इस फ़ीस ढांचे के तहत अगर कोई खिलाड़ी फ़ाइनल समेत सभी लीग मैच खेलती थी, तो पूरे सीजन में उसे कुल मिलाकर थोड़ा सा 2 लाख रुपये से ज़्यादा मिलते थे। अब यह राशि बढ़कर लगभग 5 लाख रुपये हो जाएगी। ये बदलाव भारत की ऐतिहासिक वनडे विश्व कप जीत के बाद घरेलू क्रिकेट को मज़बूत करने के बीसीसीआई के निरंतर प्रयासों का हिस्सा हैं। साथ ही सिस्टम के भीतर लंबे समय से मैच फ़ीस की समीक्षा की मांग भी उठ रही थी।

27वीं नवीन-नफीस ईनामी राशि लीग नॉकआउट क्रिकेट प्रतियोगिता

पी.एस. की जीत में देवराज सैनी चमके

जयपुर, 23 दिसम्बर। यूनियन क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित 27वीं नवीन-नफीस स्मृति क्रिकेट प्रतियोगिता में आज से प्रारम्भ नॉकआउट मैच में सिग्नेचर क्रिकेट ग्राउण्ड पर खेले गये मैच में पी.एस. क्रिकेट एकेडमी की ओर से देवराज सैनी 30 रन पर 5 विकेट की घातक गेन्दबाजी की बदौलत पी.एस. क्रिकेट एकेडमी ने सिग्नेचर क्रिकेट एकेडमी को 5 विकेट से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया।

टॉस जीतकर सिग्नेचर क्रिकेट क्लब ने पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया जिसमें अरूण शर्मा 58 रन, शोऐब खान 29 रन, गगनदीप आर्या 18 रन, भरत प्रजापत 13 को छोड़कर कोई नहीं टिक सका और पूरी टीम 20 ओवर में 9 विकेट खोकर मात्र 144 रन पर सिमट गयी। गेंदबाजी में पी.एस. क्रिकेट एकेडमी की ओर देव राज सैनी 30 रन पर 5 विकेट, कुणाल शर्मा 35 रन पर 2 विकेट, अशोक स्वामी 28 रन पर 1 विकेट लेकर सफल गेंदबाज रहे। जवाबी पारी में पी.एस. क्रिकेट एकेडमी की ओर से देव प्रताप सिंह 37 रन, अक्षत बघेल 36 रन, शिवेन्द्र सिंह 30 रन, दीपक चौधरी 14 रन, एल.डी. मीणा 13 रन की मदद से विजय लक्ष्य 147 रन 5 विकेट खोकर 14.5 ओवर में हासिल कर लिया और मैच 5 विकेट से जीतकर महत्वूपर्ण 2 अंक अर्जित कर लिये। इस मैच का मैन ऑफ दी मैच देव राज सैनी पी.एस. क्रिकेट एकेडमी रहें।

जयपुर का विकेट काफी फ्लैट है, जहां बल्लेबाजों को मदद मिल सकती है : शार्दुल

जयपुर, 23 दिसम्बर। मुंबई टीम के कप्तान शार्दुल ठाकुर ने रोहित शर्मा की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा- विजय हजारे ट्रॉफी एक अलग तरह का टूर्नामेंट है, जहां हर मैच में टीम को बेहतर प्रदर्शन करना होता है। सभी खिलाड़ी टीम को जीत दिलाने के लिए पूरी मेहनत कर रहे हैं। ठाकुर ने कहा- रोहित शर्मा जैसा अनुभवी खिलाड़ी हमारी टीम में होना हमारे लिए बहुत बड़ा प्लस पॉइंट है। वह हमेशा युवा खिलाड़ियों को गाइड और मोटिवेट करते हैं। उनका ड्रेसिंग रूम में होना ही खिलाड़ियों के लिए काफी प्रेरणादायक होता है। शार्दुल ठाकुर ने सवाई मानसिंह स्टेडियम की पिच को लेकर भी अपनी राय रखी। उन्होंने बताया कि जयपुर का विकेट काफी फ्लैट है, जहां बल्लेबाजों को मदद मिल सकती है। हालांकि मैच के दौरान पिच का व्यवहार और खेल की स्थिति काफी हद तक मौसम पर भी निर्भर करेगी।

पीएम मोदी से मिले ओलंपियन नीरज चोपड़ा और उनकी पत्नी

नई दिल्ली, 23 दिसंबर। ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा और उनकी पत्नी हिमानी मोर ने मंगलवार को यहां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। प्रधानमंत्री ने उनके आवास पर हुई इस मुलाकात के बाद सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में फोटो साझा करते हुए यह जानकारी दी। मोदी ने कहा, आज सुबह 7 लोक कल्याण मार्ग पर नीरज चोपड़ा और उनकी पत्नी हिमानी मोर से मुलाकात हुई। हमने खेलों के साथ-साथ विभिन्न विषयों पर बातचीत की।" उल्लेखनीय है कि इस वर्ष के शुरू में श्री मोदी ने फिटनेस को बढावा देने के नीरज चोपड़ा के प्रयासों की सोशल मीडिया पर काफी सराहना की थी। फिट इंडिया योजना के महत्व पर नीरज चोपड़ा के लेख पर प्रतिक्रिया करते हुए श्री मोदी ने कहा था कि यह दूरदर्शी और प्रेरक लेख मोटापे से लड़ने और स्वस्थ रहने की जरूरत पर बल देता है। नीरज चोपड़ा ट्रैक और फील्ड एथलीट प्रतिस्पर्धा में भाला फेंकने वाले खिलाड़ी हैं। नीरज ने 87.58 मीटर भाला फेंककर टोक्यो ओलंपिक 2020 में गोल्ड मेडल जीतकर इतिहास रचा है। अभिनव बिंद्रा के बाद किसी विश्व चैम्पियनशिप स्तर पर स्वर्ण पदक जीतने वाले वह दूसरे भारतीय हैं। हालांकि नीरज चोपड़ा के लिए साल 2025 काफी उतार-चढाव वाला रहा। उन्होंने दोहा में खेले गए डायमंड लीग में भाला फेंक में 90 मीटर की दूरी हासिल की थी. हालांकि, इसी साल टोक्यो में वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप के फाइनल में वो मेडल जीतने में नाकाम रहे थे।

दीप्ति शर्मा पहली बार आईसीसी महिला टी-20 गेंदबाजी रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर

दुबई, 23 दिसंबर। मंगलवार को जारी नई रैंकिंग में, श्रीलंका के खिलाफ घरेलू टी20 सीरीज के पहले मैच में शर्मा के 1/20 के शानदार गेंदबाजी प्रदर्शन ने उन्हें ऑस्ट्रेलिया की तेज गेंदबाज एनाबेल सदरलैंड से एक रेटिंग अंक से आगे पहुंचा दिया। दीप्ति के पास टी20 क्रिकेट में गेंदबाजी के लिए 737 रेटिंग प्वाइंट्स हैं - यह फॉर्मेट एलए 2028 ओलंपिक का हिस्सा बनने वाला है, जो गेम्स में इस खेल की वापसी का प्रतीक है।

दीप्ति ने टी20 के सबसे छोटे फॉर्मेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्होंने 130 टी20 मुकाबलों में 18.99 की औसत और 6.11 की इकॉनमी रेट से 148 विकेट अपने नाम किए हैं। इस लिस्ट में रेणुका सिंह ठाकुर दूसरी सर्वश्रेष्ठ भारतीय गेंदबाज हैं, उन्होंने 14वें स्थान पर अपनी जगह बनाई।

दीप्ति की ऑलराउंडर क्षमता भी उतनी ही दमदार है। वह वर्तमान में महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय ऑलराउंडर रैंकिंग में वेस्टइंडीज की हेली मैथ्यूज और न्यूजीलैंड की अमेलिया केर के बाद तीसरे स्थान पर काबिज हैं।

महिला वनडे विश्व कप 2025 में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुने जाने के बाद, दीप्ति शर्मा 50 ओवर के फॉर्मेट में गेंदबाजों में पांचवें और ऑलराउंडरों में चौथे स्थान पर काबिज हैं।

महिला टी20 बैटिंग रैंकिंग में, स्मृति मंधाना शीर्ष पांच में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए वर्ल्ड रैंकिंग में तीसरे स्थान पर हैं। रविवार को विशाखापत्तनम में खेले गए पहले भारत-श्रीलंका मैच में भारत की प्लेयर ऑफ द मैच रहीं जेमिमा रोड्रिग्स पांच पायदान ऊपर चढ़कर नौवें स्थान पर पहुंच गई हैं।

पुरुष टी20 रैंकिंग में भारत का जलवा बरकरार है, जहां अभिषेक शर्मा बल्लेबाजी में पहले और वरुण चक्रवर्ती गेंदबाजी में पहले स्थान पर बने हुए हैं। पाकिस्तान के खिलाफ एशिया कप फाइनल में भारत की जीत के स्टार खिलाड़ी तिलक वर्मा बल्लेबाजों में चौथे स्थान पर हैं, जबकि हार्दिक पांड्या विश्व रैंकिंग में चौथे स्थान पर रहकर भारत के सर्वश्रेष्ठ टी20 ऑलराउंडर बने हुए हैं। टी20 टीम रैंकिंग में भारतीय मेंस टीम वर्ल्ड रैंकिंग में पहले स्थान पर है, जबकि महिला टीम तीसरे स्थान पर है।

मैकलरॉय को स्पोर्ट्स पर्सनैलिटी ऑफ द ईयर चुना गया

लंदन, 23 दिसंबर। रोरी मैकलरॉय को 2025 का बीबीसी नॉर्दर्न आयरलैंड स्पोर्ट्स पर्सनैलिटी ऑफ द ईयर चुना गया है। मैकलरॉय ने अप्रैल में इतिहास रच दिया, जब वह ऑगस्टा नेशनल में मास्टर्स जीतकर सभी चार पुरुषों के मेजर टूर्नामेंट का करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने वाले सिर्फ़ छठे गोल्फर - और पहले यूरोपीय - बन गए। बीबीसी स्पोर्ट के अनुसार, 36 वर्षीय खिलाड़ी - जिन्हें गुरुवार को पहली बार बीबीसी स्पोर्ट्स पर्सनैलिटी ऑफ़ द ईयर भी चुना गया था - ने एक रोमांचक प्ले-ऑफ़ में जस्टिन रोज को हराकर मशहूर ग्रीन जैकेट और 2014 के बाद अपनी पहली मेजर जीत हासिल की। राइडर कप में, मैकलरॉय ने न्यूयॉर्क के बेथपेज ब्लैक में विरोधी भीड़ की परवाह न करते हुए साढ़े तीन अंक हासिल किए, जिससे यूरोप ने 2012 के बाद पहली बार संयुक्त राज्य अमेरिका में जीत हासिल की। इसके बाद प्लेयर्स चैंपियनशिप, एटी एंड टी पेबल बीच प्रो-एम और आयरिश ओपन में भी जीत मिली, और फिर उन्होंने अपने सातवें रेस टू दुबई खिताब के साथ एक शानदार साल का समापन किया। मैकलरॉय ने वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप की सिल्वर मेडलिस्ट केट ओकॉनर और लिवरपूल और नॉर्दर्न आयरलैंड के फुटबॉलर कॉनर ब्रैडली से आगे रहते हुए चौथी बार यह पुरस्कार जीता।

भारत एफआईएच विश्व रैंकिंग में आठवें स्थान पर फिसला, महिला टीम 10वें स्थान पर

लुसाने (स्विट्जरलैंड), 23 दिसंबर। भारत 2025 की शुरुआत पांचवें स्थान पर करने के बाद साल के अंत तक जाते-जाते एफआईएच विश्व रैंकिंग में आठवें स्थान पर फिसल गया है जबकि महिला टीम 10वें स्थान पर है। 2025 में इंटरनेशनल हॉकी ने टॉप लेवल के एक्शन का एक लगातार कैलेंडर पेश किया - एफआईएच हॉकी प्रो लीग की लड़ाइयों से लेकर नेशंस कप और नेशंस कप 2 के रोमांच के साथ-साथ सभी महाद्वीपों में कॉन्टिनेंटल चैंपियनशिप तक - जिससे एफआईएच वर्ल्ड रैंकिंग में बड़े बदलाव हुए। पुरुषों और महिलाओं दोनों के खेल में, जानी-मानी टीमों ने अपनी स्थिति मजबूत की, महिलाओं की रैंकिंग में, नीदरलैंड्स (3809) जिसने साल की शुरुआत टॉप स्थान पर की थी, उसने पूरे साल अपनी पकड़ बनाए रखी, एक और शानदार सीजन के साथ जिसमें उन्होंने प्रो लीग और यूरोहॉकी चैंपियनशिप में चैंपियनशिप जीतकर अपनी कैबिनेट में और ट्रॉफियां जोड़ीं, जबकि अर्जेंटीना (3326), बेल्जियम (3109) और चीन (2977) ने शानदार कॉन्टिनेंटल चैंपियनशिप और प्रो लीग अभियानों के साथ क्रमशः दूसरे, तीसरे और चौथे स्थान पर बने रहे, जहां से उन्होंने साल की शुरुआत की थी।

रोहित, विराट और सूर्यकुमार पर रहेगी नजर

मुंबई, 23 दिसंबर। हमेशा की तरह, बड़ी हस्तियों पर सबकी नजर है, लेकिन सबसे ज़्यादा, यह लेटेस्ट विजय हजारे ट्रॉफी कम जाने-माने खिलाड़ियों के लिए अपनी जगह बनाने और सुर्खियों में आने का एक मौका है। पिछली बार जब विराट कोहली ने विजय हजारे ट्रॉफी खेली थी, तब भारत ने 2011 में अपना दूसरा पुरुष वनडे वर्ल्ड कप नहीं जीता था, सचिन तेंदुलकर अभी भी भारत के वनडे ओपनर थे, एमएस धोनी वनडे और टेस्ट कप्तान थे, और राहुल द्रविड़ और वीवीएस लक्ष्मण अभी रिटायर नहीं हुए थे। और कोहली ने खुद अभी तक भारत की सफेद जर्सी नहीं पहनी थी।

लगभग 16 साल बाद, कोहली (और रोहित शर्मा) दो फॉर्मेट से रिटायर हो चुके हैं, और सिर्फ वनडे में एक्टिव हैं, एक ऐसा फॉर्मेट जो अक्सर क्रिकेट कैलेंडर में तीसरा सबसे महत्वपूर्ण होता है। उनकी लंबी उम्र पर पहले से कहीं ज़्यादा नजर है, उनकी वापसी - रोहित आखिरी बार 2017-18 में इस टूर्नामेंट में खेले थे - 2027 वर्ल्ड कप की ओर बढ़ते रहने का साफ इरादा दिखाती है, जिससे 2025-26 विजय हजारे ट्रॉफी को अपने आप ही एक बड़ा दर्जा मिल जाता है।

हालांकि, पिछले साल के उलट, जब कोहली की रणजी ट्रॉफी में वापसी ने फिरोज शाह कोटला में तीन दिनों तक बड़ी भीड़ खींची थी, बेंगलुरु में फैंस को ऐसा मौका नहीं मिलेगा। मूल रूप से अलूर में और फिर एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में होने वाले मैच, चिन्नास्वामी के आसपास भीड़भाड़ से बचने के लिए बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में शिफ्ट कर दिए गए हैं, जो अभी भी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के आईपीएल 2025 की जीत के जश्न के दौरान हुई भगदड़ के बाद के हालात से निपट रहा है। कोहली का खेलने का फैसला हफ्तों की अटकलों के बाद आया है, लेकिन उनकी वापसी अच्छे फॉर्म के साथ हुई है। वह पिछले महीने के आखिर में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज के प्लेयर ऑफ द सीरीज थे, जिसमें उन्होंने दो शतक और एक नाबाद अर्धशतक लगाया था।

सरफराज ने पाक की अंडर-19 टीम ने कहा, जश्न मनाओ लेकिन मर्यादा के साथ

इस्लामाबाद, 23 दिसंबर। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान और अंडर-19 टीम के मौजूदा मेंटर सरफराज अहमद ने कहा है कि उन्होंने अपने खिलाड़ियों से भारत पर एशिया कप की जीत का जश्न सम्मान और खेल भावना के साथ मनाने और वैसा व्यवहार न करने का आग्रह किया जैसा उनके विरोधियों ने किया था। सरफराज फाइनल के एक वायरल वीडियो के बारे में पूछे गए सवाल का जवाब दे रहे थे, जिसमें उन्हें अपने खिलाड़ियों से यह कहते हुए सुना गया कि अगर भारत के खिलाड़ी हद पार भी करें तो भी वे बदतमीजी न करें। फाइनल के दौरान दोनों टीमों ने हाथ नहीं मिलाए, जैसा कि मई में दोनों देशों के बीच सैन्य टकराव के बाद से सभी स्तरों पर दोनों टीमों के बीच आम बात हो गई है। वैभव सूर्यवंशी एक गरमागरम ऑन-फील्ड पल में शामिल थे।

2026 में भारत के पास टी-20 विश्वकप और एशियाई खेलों में स्वर्ण जीतना का होगा मौका

नई दिल्ली, 23 दिसंबर। भारतीय क्रिकेट टीम का 2026 का शेड्यूल रोमांचक मुकाबलों और बड़े टूर्नामेंट्स से भरा है। इस साल पुरुष और महिला टी20 विश्व कप के साथ-साथ एशियाई खेल प्रमुख आकर्षण होंगे। इसके अलावा भारत की सभी फॉर्मेट में द्विपक्षीय सीरीज की पूरी सूची भी शामिल है।

चैंपियंस ट्रॉफी और एशिया कप में जीत के साथ 2025 की शानदार सफलता के बाद, भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम 2026 की शुरुआत जनवरी में न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू व्हाइट-बॉल सीरीज से करेगी। इस सीरीज में पांच टी20 और तीन वनडे मुकाबले खेले जाएंगे। इसके बाद फरवरी-मार्च में घरेलू मैदान पर होने वाले आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 खेला जाएगा, जहां सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में भारतीय टीम 2024 में रोहित शर्मा की अगुवाई में जीते गए खिताब को डिफेंड करेगी।

पिछली बार जब भारत ने पुरुष टी20 विश्व कप की मेजबानी की थी, तब वेस्टइंडीज ने 2016 में खिताब जीता था। सेमीफाइनल में भारत को विजेता वेस्ट इंडीज से हार का सामना करना पड़ा था। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 का दबदबा मार्च से मई तक भारत के क्रिकेट कैलेंडर पर रहेगा, इस दौरान कोई अंतरराष्ट्रीय मैच निर्धारित नहीं है।

सलाह ने गोल करके मिस्र को जिम्बाब्वे के खिलाफ जीत दिलाई

मोरक्को, 23 दिसंबर। मोहम्मद सालाह ने अपना किलर इंस्टिंक्ट दिखाते हुए स्टॉपेज टाइम में गोल करके मिस्त्र को 2025 अफ्रीका कप ऑफ नेशंस के अपने पहले मैच में जिम्बाब्वे को हराने में मदद की। बीबीसी स्पोर्ट के अनुसार, लिवरपूल के फॉरवर्ड की ट्रॉफी कैबिनेट एनफील्ड में बिताए समय की ट्रॉफियों से भरी हुई है, लेकिन उन्होंने अभी तक फराओस के साथ अफकॉन ट्रॉफी नहीं जीती है, और मोरक्को में खेल के बड़े हिस्से में ऐसा लग रहा था कि यह अभियान एक अशुभ शुरुआत के साथ शुरू होने वाला है। हालांकि सालाह को मिस्त्र का राजा कहा जाता है, लेकिन यह प्रिंस डूबे का पहले हाफ का गोल था जिसने अगादिर में खेल के विपरीत वॉरियर्स को बढ़त दिलाई। मिस्त्र की खराब फिनिशिंग और 40 वर्षीय वाशिंगटन अरुबी की अच्छी गोलकीपिंग के संयोजन ने दक्षिणी अफ्रीकी टीम को एक चौंकाने वाली जीत की उम्मीद दी, इससे पहले कि मैनचेस्टर सिटी के स्ट्राइकर उमर मार्मोश ने 64वें मिनट में गोल करके स्कोर बराबर कर दिया।

एनएससीसी में रमीता जिंदल और हिमांशु ढिल्लों ने 10 मीटर एयर राइफल मिक्स्ड टीम स्वर्ण जीता

भोपाल, 23 दिसंबर। हरियाणा की जोड़ी रमीता जिंदल और हिमांशु ढिल्लों ने मध्य प्रदेश स्टेट शूटिंग अकादमी में आयोजित 68वीं राष्ट्रीय निशानेबाजी चैंपियनशिप प्रतियोगिता में 10 मीटर एयर राइफल मिक्स्ड टीम स्पर्धा का स्वर्ण पदक अपने नाम किया। स्वर्ण पदक मुकाबले में इस जोड़ी ने महाराष्ट्र की आर्या बोर्से और पार्थ माने को 16-12 से हराकर खिताब जीता। यह जीत हिमांशु ढिल्लों के शानदार प्रदर्शन की निरंतरता रही, जिन्होंने एक दिन पहले पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में 634.5 का स्कोर करते हुए नया राष्ट्रीय और जूनियर राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया था। कांस्य पदक मुकाबले में दिल्ली की राजश्री संचेटी और पार्थ मखीजा ने दबाव में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए मध्य प्रदेश की श्रेया अग्रवाल और ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर की जोड़ी को 17-15 से हराकर तीसरा स्थान हासिल किया।

जूनियर 10 मीटर एयर राइफल मिक्स्ड टीम स्पर्धा में पश्चिम बंगाल की संदरत्ता रॉय और अभिनव शॉ ने संतुलित प्रदर्शन करते हुए तमिलनाडु की मनेशिका तरुण सेंथिल और शक्तिवेल सेंथिलवेल को 16-8 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। कांस्य पदक कर्नाटक की ह्द्या श्री कोंडूर और नराएन प्रणव की जोड़ी के नाम रहा, जिन्होंने आंध्र प्रदेश की निशीथा बोम्मिडी और उम्माहेश मड्डिनेनी को 17-9 से मात दी। यूथ वर्ग के स्वर्ण पदक मुकाबले में महाराष्ट्र की ईशा अनिल ताकसाले और प्रीतम केंद्रे ने कड़े मुकाबले में तमिलनाडु की मनेशिका तरुण सेंथिल और शक्तिवेल सेंथिलवेल को 16-14 से हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। कांस्य पदक कर्नाटक की तिलोत्तमा सेन और अभिषेक शेखर ने जीता, जिन्होंने पश्चिम बंगाल की संदरत्ता रॉय और अभिनव शॉ को 17-9 से हराया। अब चैंपियनशिप की गतिविधियां क्रिसमस के बाद नई दिल्ली स्थानांतरित होंगी, जहां 26 दिसंबर 2025, शुक्रवार को डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में पुरुषों की 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल फाइनल्स आयोजित की जाएंगी। पहला फाइनल भारतीय समयानुसार दोपहर 2:00 बजे शुरू होगा।

हरमनप्रीत, सविता, सलीमा सूरमा हॉकी के कप्तान बने रहेंगे

नई दिल्ली, 23 दिसंबर। सूरमा हॉकी क्लब (एसएचसी) ने हॉकी इंडिया लीग के आने वाले सीजन के लिए अपनी लीडरशिप टीम को बरकरार रखा है। क्लब ने घोषणा की है कि हरमनप्रीत सिंह पुरुषों की टीम के कप्तान बने रहेंगे, जबकि सीनियर गोलकीपर सविता पूनिया और मिडफील्डर सलीमा टेटे एक बार फिर महिलाओं की टीम की सह-कप्तान होंगी। सूरमा हॉकी क्लब की प्रेस रिलीज के अनुसार, हरमनप्रीत की लीडरशिप और प्रभाव एसएचसी की योजनाओं के लिए बहुत ज़रूरी हैं। अपने डिफेंस में शांत स्वभाव और खतरनाक ड्रैग-फ्लिकिंग क्षमता के लिए मशहूर, भारतीय राष्ट्रीय टीम के कप्तान ने पिछले सीजन में हॉकी इंडिया लीग में पुरुषों की टीम को तीसरा स्थान दिलाया था। ओलंपिक और एशियाई खेलों के मेडल्स सहित एक शानदार इंटरनेशनल करियर के साथ, हरमनप्रीत का अनुभव और दबाव में शांत रहने की क्षमता टीम को स्थिरता और अटैकिंग बढ़त दोनों देती है। एक बार फिर टीम की कप्तानी करने पर अपनी खुशी ज़ाहिर करते हुए हरमनप्रीत ने कहा, इस टीम की कप्तानी करना हमेशा एक खास एहसास होता है। पिछले सीजन में तीसरे स्थान पर रहने से पता चला कि हम क्या कर सकते हैं, और हमने उससे बहुत आत्मविश्वास लिया है। टीम और करीब और मजबूत हुई है, और मुझे सच में विश्वास है कि हमारे पास सर्वश्रेष्ठ टीमों को चुनौती देने के लिए सही मिश्रण है। हम पूरी तरह से फोकस्ड, मोटिवेटेड हैं, और इस सीजन में जब हम मैदान पर उतरेंगे तो सब कुछ देने के लिए तैयार हैं।

मुख्यमंत्री व शिवराज सिंह ने मेड़ता में किसानों को 1200 करोड़ रु. हस्तांतरित किये

केन्द्रीय मंत्री ने मुख्यमंत्री को प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना में 2000 करोड़ रु. के स्वीकृति पत्र सौंपे

नागौर/जयपुर, 23 दिसम्बर। केन्द्रीय ग्रामीण विकास, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हमारी सरकार कृषि को लाभकारी बनाने के लिए कार्य कर रही है। हमारी मंशा है कि किसानों का फसल उत्पादन बढ़े तथा उनकी लागत में कमी आए।

- **किसान सम्मेलन में यह घोषणा की गई कि केन्द्र सरकार शीघ्र ही सीड एक्ट तथा पैस्टिसाइड एक्ट लाने वाली है, जिससे नकली पैस्टिसाइड व महंगे बीज देने वालों पर सख्त कार्यवाही होगी।**

केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा मंगलवार को मेड़ता में आयोजित राज्य स्तरीय किसान सम्मेलन में शामिल हुए। इस अवसर पर मेड़ता विधायक लक्ष्मणराम कलरू ने मुख्यमंत्री को हल भेंट किया।

चौहान मंगलवार को राज्य सरकार के दो वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में मेड़ता में आयोजित राज्य स्तरीय किसान सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में गत दो वर्षों में राजस्थान में विकास का नया अध्याय रचा गया है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के तहत राज्य के किसानों को दी जाने वाली राशि में बढ़ोतरी कर 9 हजार रुपये किया है।

चौहान ने कहा कि केन्द्र सरकार शीघ्र ही सीड एक्ट एवं पैस्टिसाइड एक्ट लाने वाली है जिससे नकली पैस्टिसाइड एवं महंगे बीज देने वाले लोगों पर सख्त कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत सर्वे का कार्य पूरा हो चुका है तथा शीघ्र ही वंचित गरीबों को मकान देने का काम प्रारंभ कर दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने इस अवसर पर कहा कि किसान हमारे राष्ट्र के असली निर्माता हैं। जब पूरा देश सोता है तब अन्नदाता अपने खेतों में जागते हैं। चिलचिलाती धूप हो या कड़कड़ाती ठंड, बारिश हो या आंधी तूफान, किसानों का काम कभी नहीं रुकता। उन्होंने कहा कि वे स्वयं एक किसान रहे हैं इसलिए वे खेती में आ रही समस्याओं को भली-भांति समझते हैं।

कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल ने कहा कि राज्य सरकार ने किसान सम्मान निधि की राशि में बढ़ोतरी, 22 जिलों में किसानों को दिन में बिजली जैसे अनेक किसान हित में निर्णय लिए हैं। कार्यक्रम में केन्द्रीय मंत्री ने मुख्यमंत्री को प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के चौथे चरण के तहत चालू वित्त वर्ष के पहले बैच में 3 हजार 200 किलोमीटर से अधिक की 1,216 सड़कों एवं एक पुल के लिए 2 हजार 89 करोड़ रुपये के कार्यों का स्वीकृति पत्र सौंपा। इस दौरान केन्द्रीय मंत्री एवं मुख्यमंत्री ने कृषक कल्याण योजनाओं के तहत 35 हजार 800 किसानों को 187.60 करोड़ रुपये की राशि उनके खातों में हस्तांतरित की। साथ ही, 5 लाख कृषकों को कृषि आदान अनुदान के रूप में 617 करोड़ 58 लाख रुपये की राशि भी खातों में भेजी गई।

उन्होंने मुख्यमंत्री दुग्ध उत्पादक संबल योजना के तहत 5 लाख पशुपालकों को 150 करोड़ रुपये की राशि तथा प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के तहत 18 हजार 500 लाभार्थियों को 100 करोड़ रुपये की राशि डीबीटी की।

देश भर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उतरकर विरोध प्रदर्शन किया है, उनका कहना है कि सरकार अरावली को खनन माफिया और भूमाफियाओं को बेचने की कोशिश कर रही है, जो इस क्षेत्र की पारिस्थितिकी को गंभीर नुकसान पहुंचाने का बड़ा जोखिम पैदा करेगा।

पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने इस डर को शांत करने की कोशिश करते हुए कहा कि जब तक एक वैज्ञानिक प्रबंधन योजना तैयार और अनुमोदित नहीं की जाती, तब तक कोई नया खनन पट्टा जारी नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कुल 1.44 लाख वर्ग किलोमीटर में फैली अरावली में से केवल 0.19 प्रतिशत ही खनन के योग्य है। अवैध खनन के लिए पूर्व कांग्रेस सरकार को दोषी ठहराते हुए मंत्री ने कहा कि नया नियम ऐसे कार्यों पर नियंत्रण लगाने और ''कानूनी रूप से सतत खनन'' की अनुमति देने के उद्देश्य से है। हालांकि, उक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में यादव ने यह स्पष्ट नहीं किया कि अवैध खनन गतिविधियों पर कैसे रोक लगाई जाएगी। एक्टिविस्ट की सबसे बड़ी चिंता यह है कि अरावली की नई परिभाषा के कारण स्थिति ऐसी बन जाएगी कि 90 प्रतिशत पहाड़ियां अब अरावली के रूप में नहीं मानी जाएंगी। मंत्री ने यह स्पष्ट करने में विफलता जताई कि कितनी पहाड़ियां संरक्षित की जाएंगी और कितनी प्रभावित होंगी। महत्वपूर्ण बात यह है कि 2010 में फॉरेस्ट सर्वे इंडिया भारत की एक रिपोर्ट में यह सामने आया था कि अरावली की लगभग 12,000 पहाड़ियों में से केवल 8 प्रतिशत पहाड़ियां ही 100 मीटर से ऊंची हैं।

दुष्कर्म ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

याचिका का विरोध करते हुए सरकारी वकील रचना मान ने कहा कि आरोपी ने पीड़िता को क्रिकेट में करियर बनाने का झांसा देकर कई बार संबंध बनाए हैं।

पूरे पुराने बंगाल प्रांत में ...

- **बांग्लादेश में इस्लामिक जूनून, जो पाकिस्तानी व बांग्लादेश के जमाती धर्मालम्बियों के आपसी सहयोग से चरम पर पहुंच गया है, का निशाना भी उस देश में रहने वाला आम हिन्दू ही है।**
- **यह माना जा रहा है कि यह हिंसा का दौर, प.बंगाल के चुनाव तक यूँ ही बढ़ता जायेगा, पर फिर क्या इस नाग को दोबारा पिटारी में बंद किया जा सकेगा।**

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दोषियों को सजा नहीं मिली है। इतना ही नहीं, पुलिस थाने आम तौर पर मुस्लिम अपराधियों के खिलाफ शिकायत दर्ज करने से भी इनकार कर देते हैं।

इसके बावजूद, ममता बनर्जी की मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति अब उनके लिए पहले जैसी सुरक्षित नहीं रही है। एक मुस्लिम, जो मुस्लिम वोटों पर उनकी पकड़ को कम कर रहा है वह उन्हीं के जैसा एक व्यक्ति है और उनके खिलाफ विद्रोह कर रहा है। हुमायूं कबीर नामक एक दलबदलू नेता, जो पहले एक पार्टी से दूसरी पार्टी में जाता रहा है, ने अब अपनी नई पार्टी बना ली है और अकेले चुनाव लड़ने की धमकी दे रहा है। कबीर ने पहले मुर्शिदाबाद जिले में हिंदुओं को "काटने" और लाशों को बंगाल की खाड़ी में फेंकने की धमकी दी थी। उसने यह दावा किया था कि मुर्शिदाबाद की आबादी में 80 प्रतिशत मुस्लिम हैं।

पश्चिम बंगाल से भी कहीं ज्यादा भयावह हालात बंगाल के दूसरे हिस्से, यानी बांग्लादेश में हैं, जहां इतनी हिंसा फैल चुकी है जो हाल के वर्षों में शायद ही कभी देखी गई है। कट्टर इस्लामी भीड़ देश में तबाही मचा रही है और हिंदुओं पर हमले बेहिसाब बढ़ गए हैं।

बांग्लादेश में एक हिंदू गारमेंट मजदूर की नृशंस हत्या ने भारत में गंभीर विरोध प्रदर्शनों को जन्म दिया है। हैरानी की बात यह है कि पश्चिम बंगाल में इस घटना का लगभग कोई असर नहीं दिखा और शायद ही कोई इसकी परवाह कर रहा है। यह ममता बनर्जी और उनकी तृणमूल कांग्रेस के आदेशों के आगे पूरी तरह झुके होने की स्थिति को दर्शाता है।

एक व्यक्ति की अमानवीय हत्या को सोशल मीडिया पर एक वीडियो में खुशी-खुशी प्रसारित किया गया, जिसमें दर्जनों हमलावरों को मृत शरीर को रौंदते हुए और बाद में उसके क्षतविक्षत शरीर को आग के हवाले करते हुए दिखाया गया। यह सब बांग्लादेशी समाज में बढ़ती बर्बरता को उजागर करता है।

दिल्ली में बांग्लादेश हाई कमीशन के सामने विरोध प्रदर्शन हुए हैं और प्रमुख विपक्षी नेताओं ने इस घटना पर सरकार की चुप्पी की कड़ी आलोचना की है। कांग्रेस नेता शशि थरूर ने सरकार के मौन रहने पर हमला बोला है, वहीं प्रियंका चतुर्वेदी ने भी इतनी बर्बरता के सामने केंद्र के चुप रहने की निंदा की है।

पिछले सत्ता परिवर्तन के बाद से बांग्लादेश अराजकता की स्थिति में है, जब बड़े जनविद्रोह के बाद शेख हसीना देश छोड़कर भाग गई थीं। तब से एक अंतरिम सरकार सत्ता में है, जिसके दौरान अपराध और हिंसा का बोलबाला रहा है।

यह सत्ता परिवर्तन पाकिस्तान ने बांग्लादेश के जमातियों की मदद से कराया था और इसके बाद से इस्लामी हिंसा अभूतपूर्व स्तर तक बढ़ गई है।

वर्तमान हिंसा की शुरुआत तब हुई जब एक राजनीतिक नेता की गोली मारकर हत्या कर दी गई। इसके बाद कई अन्य लोगों पर भी हमले हुए और अब पूरे देश में कानून-व्यवस्था नाम की कोई चीज़ नहीं बची है। अंतरिम सरकार सत्ता में आने के बाद से देश में थोड़ी भी व्यवस्था लाने में पूरी तरह नाकाम रही है। कहा जा रहा है कि पाकिस्तानी ऑपरेटर कई कट्टरपंथी ताकतों को नियंत्रित कर रहे हैं।

अंकिता भंडारी मर्डर, एक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जा रहे हैं कि गौतम ने ऋषिकेश के पास एक रिसॉर्ट में काम करने वाली अंकिता का यौन शोषण करने की कोशिश की थी। फिल्म अभिनेत्री उर्मिला सनावर ने सार्वजनिक रूप से दावा किया है कि उनके पास हत्या से जुड़े अतिरिक्त साक्ष्य हैं, जो उनके आरोपों की पुष्टि करते हैं। अंकिता भंडारी की हत्या सितंबर 2022 में एक रिज़ॉर्ट में हुई थी, जो कथित तौर पर विनोद आर्य, जो उत्तराखंड के वरिष्ठ भाजपा नेता हैं, के बेटे पुलकित आर्य और कार्यकर्ताओं के पास था। उस समय विनोद आर्य माटी आयोग के अध्यक्ष थे, तथा उनका स्तर मंत्री का था। कुछ महीने पहले हत्या के दोनों आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी। यह मामला जब पहली बार सामने आया था, तब उत्तराखंड में व्यापक जन आक्रोश फैला था और विरोध प्रदर्शन हुए थे, लेकिन नए वीडियो के सामने आने से सत्तारूढ़ पार्टी भाजपा पर राजनीतिक दबाव बढ़ गया है। दिल्ली में, उत्तराखंड कांग्रेस नेतृत्व ने भाजपा नियंत्रित केंद्र और राज्य सरकार को 10 दिनों का अल्टीमेटम दिया है, जिसमें मामले की सीबीआई जांच की मांग की गई है।

पार्टी ने धमकी दी है ऐसा नहीं हुआ तो गढ़वाल मंडल के प्रमुख कार्यालय में धरना और सार्वजनिक विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। मंगलवार को नई दिल्ली में ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी एआईसीसी मुख्यालय में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में, उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी (पीसीसी) के अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला करते हुए कहा कि उन्होंने इस "भयंकर और नृशंस हत्या" की सीबीआई जांच की मांगों को नज़रअंदाज़ किया है। गोदियाल ने आरोप लगाया कि तत्कालीन मुख्यमंत्री ने सार्वजनिक आक्रोश के बावजूद सीबीआई जांच की सिफारिश नहीं की, गोदियाल ने कहा, कि भाजपा के प्रभावशाली लोग इस मामले में संरक्षण प्राप्त कर रहे हैं।

गोदियाल के अनुसार, केंद्रीय जांच "जानबूझकर रोकी गई" क्योंकि यह रिसॉर्ट कथित तौर पर शक्तिशाली व्यक्तियों द्वारा इस्तेमाल किया जाता था, जो ''अवैध और अमानवीय गतिविधियों'' में शामिल थे। उन्होंने इस मामले में शामिल सभी भाजपा नेताओं के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की मांग की। इस बीच, सामाजिक कार्यकर्ताओं और कई गैर-भाजपा राजनीतिक दलों ने स्वतंत्र जांच की मांग की है, और उन लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की अपील की है जो इस युवा लड़की के यौन शोषण और हत्या में कथित रूप से शामिल हैं। वायरल वीडियो ने यह सुनिश्चित किया है कि अंकिता भंडारी मामला फिर से राष्ट्रीय ध्यान का केंद्र बन गया है, और सरकार पर दबाव बढ़ गया है कि वह इस पर निर्णायक रूप से प्रतिक्रिया दे।

बांग्लादेश उच्चायोग पर भारतीयों का गुस्सा फूटा

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

एक बयान में कहा, "बांग्लादेश इस तरह की पूर्व-नियोजित हिंसा या राजनयिक प्रतिष्ठानों को डराने-धमकाने की घटनाओं की निंदा करता है, जो न केवल राजनयिक कर्मियों की सुरक्षा को खतरे में डालती हैं, बल्कि आपसी सम्मान और शांति व सहिष्णुता के मूल्यों को भी कमजोर करती हैं।"

मंत्रालय ने हिंसा की निंदा करते हुए कहा कि इससे राजनयिक कर्मियों और प्रतिष्ठानों की सुरक्षा को खतरा है और भारत से उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपील की।

बयान में कहा गया, "बांग्लादेश सरकार ने भारत सरकार से आग्रह किया है कि वह इन घटनाओं की गहन जांच कराए, भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए सभी जरूरी कदम उठाए और भारत में बांग्लादेश के राजनयिक मिशनों तथा उनसे जुड़ी सुविधाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करे।"

इन घटनाओं में 22 दिसंबर 2025 को सिलीगुड़ी स्थित बांग्लादेश वीज़ा केंद्र में तोड़फोड़ और 20 दिसंबर 2025 को नई दिल्ली में बांग्लादेश हाई कमीशन के बाहर हुआ प्रदर्शन शामिल है। भारत ने अपर्याप्त सुरक्षा के आरोपों को खारिज करते हुए कहा है कि नई दिल्ली में हुआ प्रदर्शन थोड़े समय का था और इससे कोई खतरा नहीं पैदा हुआ।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा। आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालयः-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालयः-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालयः-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालयः-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालयः एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908